THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 116 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.13 2083 सोमवार, 27 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

चढ़ावा चोरी विवाद : आज होगी सुनवाई

एसआईटी के पुनर्गठन पर यूपी सरकार साफ करेगी रुख

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसिया)। अयोध्या के राम मंदिर में ट्रस्ट को मिले दान और चढ़ावे के प्रबंधन में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को फिर सुनवाई करेगा। मामले में उत्तर प्रदेश सरकार से विशेष जांच दल (एसआईटी) के पुनर्गठन पर अपना रुख स्पष्ट करने की भी संभावना है।

सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की गई कार्यसूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

ईरान -अमेरिका युद्ध

पीछे हटे ट्रम्प

सेना को कार्रवाई रोकने का आदेश, अधिकारियों की चेतावनी- सहयोगी देशों की सुरक्षा प्रभावति होगी

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर सबसे बड़े हमले को फिलहाल रोक दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शीर्ष सलाहकारों और कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के बाद ट्रम्प ने सेना को नए बड़े हमले रोकने का आदेश दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर अभियान और बढ़ाया गया तो मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों और अन्य एयर डिफेंस हथियारों का भंडार गंभीर रूप से कम हो सकता है। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने सलाह दी कि बड़े अभियान से मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल के अंत तक अमेरिका 1200 से ज्यादा पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलें इस्तेमाल कर चुका था।

पश्चिम एशिया संकट

अमेरिका ने अचानक हमला क्यों रोका?

- पैट्रियट मिसाइलों का स्टॉक तेजी से घटने की चेतावनी।
- पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा पर बढ़ी चिंता।
- युद्ध नहीं, कूटनीति पर बढ़ा जोर; ओमान कर रहा मध्यस्थता।

एक्सियोस के मुताबिक, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हमले रोकने का फैसला अस्थायी है या लंबे समय तक लागू रहेगा। हालांकि, जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सेना बड़े सैन्य अभियान के लिए तैयार रहेगी।

नेतन्याहू अमेरिका जाएंगे, जंग के बाद पहली बार ट्रम्प से मुलाकात होगी :

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को अमेरिका रवाना होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, वह मंगलवार को राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात करेंगे। >12

स्टूडेंट्स पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया : राहुल

शाह को चिट्ठी लिखी, सीजेपी का सुझाव- पेपर लीक में 10 साल की सजा हो

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। इसमें राहुल ने दो सवाल पूछे हैं। पहला- प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? अगर आपने नहीं तो फिर किसने दिया? दूसरा- सामान्य कपड़ों में आए जिन लोगों ने लाठीचार्ज किया, वे पुलिसकर्मी थे या वॉलंटियर्स? उनकी तैनाती किसने की।

राहुल ने ये भी कहा कि स्टूडेंट्स से बात करने के बजाय सिक्योरिटी फोर्स ने उन्हें पीटा, आंसू गैस के गोले छोड़े। सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कइयों के निजी अंगों को जानबूझकर निशाना बनाया गया। 19 साल के छात्र साहिल लोचब की एक आंख चली गई।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर क्रांतिकारी जनता पार्टी (सीजेपी) का प्रदर्शन खत्म हो चुका है। शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद सीजेपी के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका जेपी नड्डा से मिले और उनके सामने देश में शिक्षा सुधार के लिए 5 मांगें रखीं। इनमें पेपर लीक मामलों में 10 साल की सजा, दोषियों की संपत्ति जब्त करने, नया नेशनल टेस्टिंग कमीशन बनाने और नियुक्तियों की स्वतंत्रता के बारे में कहा गया।

पेपर लीक के बाद अब सड़क पर ई20 के खिलाफ होगा आंदोलन

तहसीन पूनावाला ने बताई जगह और तारीख?

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक के मुद्दे पर हुए आंदोलन के बाद अब टीम भारत के संस्थापक तहसीन पूनावाला ने ई20 ईंधन नीति के खिलाफ नया आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। उन्होंने दावा किया कि ई20 नीति सबसे खराब तरीके से लागू की गई नीतियों में से एक है। उनका कहना है कि अगर इस नीति में सही सुधार किए जाएं तो लोगों को 80 से 90 रुपये प्रति लीटर के बीच शुद्ध और बिना मिलावट वाला पेट्रोल मिल सकता है। इसी मांग को लेकर उन्होंने 31 जुलाई को दिल्ली में 'गाड़ी मार्च, गांधी मार्च' निकालने की घोषणा की है।

तहसीन पूनावाला ने लोगों से इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह मार्च इंडिया गेट से शुरू होगा और संसद मार्ग होते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और हरदीप पुरी के कार्यालय तथा आवास के बाहर पहुंचेगा। >12

2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा : सिद्धारमैया का ऐलान

राजनीति भ्रष्ट हो गई, दो महीने पहले सीएम पद छोड़ा था, तब शिवकुमार नए मुख्यमंत्री बने

बेंगलूरू, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर कांग्रेस लीडर सिद्धारमैया ने कहा है कि वह 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि, वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे और जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे। उन्होंने शनिवार को मंड्या जिले के के.आर. पेट में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा- राजनीति अब पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह नहीं बची है। सिद्धारमैया ने कहा- मैं अब 79 साल का हो चुका हूं। हमारी सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल बाकी है। तब तक मेरी उम्र 81-82 साल हो जाएगी। मेरी सेहत पहले जैसी मजबूत नहीं रही। अब पहले जैसे उत्साह के साथ काम करना संभव नहीं है। सिद्धारमैया का यह बयान उनके सीएम पद छोड़ने के दो महीने बाद आया है। सिद्धारमैया ने कांग्रेस आलाकमान के निर्देश और रोटेशनल सीएम फॉर्मूले (दो या ज्यादा नेताओं के बीच 5 साल के कार्यकाल को बांटना) के तहत 28 मई को अपने पद से इस्तीफा दिया था। वे 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री थे। उनके बाद डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया गया।

सिद्धारमैया बोले- 2028 में राजनीतिक जीवन के 50 साल पूरे होंगे :

सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा- वरुणा विधानसभा क्षेत्र के लोग एक बार फिर मुझ पर चुनाव लड़ने का दबाव बना रहे हैं। >12

पेपर लीक के खिलाफ आज नया बिल आ सकता है

जांच के लिए 2 महीने मिलेंगे, 10 साल जेल और 50 लाख तक जुर्माने का प्रावधान

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है।

स्पेशल टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट :

बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं। इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर सकेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोजाना सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करना अनिवार्य होगा।

भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा : राजनाथ

घुसपैठ पर पाकिस्तान अगर रोड़े अटकाएगा तो सेनाएं तैयार, रक्षामंत्री ने लद्दाख में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के रास्ते खोज रहा है। भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर डिजाइन में लगा हुआ है। भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है। भारत सेमीकंडक्टर बना रहा है तो पाकिस्तान सुसाइड बॉम्बर्स तैयार कर रहा है।

साफ है कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं। ऐसे में पाकिस्तान अपने घटिया मंसूबे लेकर हमारी समृद्धि के रास्ते में रोड़े खड़े करता है तो उसे करारा जवाब देने के लिए हमारी सेनाएं तैयार बैठी हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

रक्षा मंत्री के भाषण के पॉइंट...

भारत की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है। पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। अगर बातचीत होगी भी, तो सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर होगी, जो भारत का अभिन्न हिस्सा है और जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है।

कारगिल वॉर मेमोरियल में पूरा भारत दिखाई देता है। यहां शहीदों में हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, तमिलनाडु समेत देश के हर हिस्से के जवानों के नाम दर्ज हैं। शहीदों में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च जाने वाले सभी धर्मों के लोग शामिल हैं। जो लोग देश को बांटने का सपना देखते हैं, उन्हें इस स्मारक की दीवार को देखना चाहिए। यह दीवार ही भारत को बांटने की उनकी सोच का सबसे बड़ा जवाब है।

कारगिल युद्ध केवल भारत की सैन्य और कूटनीतिक जीत नहीं था, बल्कि वह ऐतिहासिक क्षण था जब पूरी दुनिया ने भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और वीरता को देखा। भारतीय सैनिकों ने अपने शौर्य से ऐसा इतिहास रचा, जो हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

भारत अंतरिक्ष में सैटेलाइट भेज रहा है तो पाकिस्तान आज भी आतंकवादियों को सीमा पार भेजने का काम कर रहा है। भारत दुनिया को सॉफ्टवेयर दे रहा है तो पाकिस्तान दुनिया को स्लीपर सेल दे रहा है।

धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ भाजपा सांसद की बेटी का पोस्ट

बोली- डिलीट नहीं करूंगी, असम में मंत्री की बेटी ने पीएम विरोधी नारे लगाए, हिमंता बोले- समझाऊंगा

नई दिल्ली/भुवनेश्वर/गुवाहाटी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भले ही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का छात्र आंदोलन थम गया हो, लेकिन इससे जुड़ी चर्चाएं अब भी जारी हैं। आंदोलन के दौरान कई छात्रों और युवाओं ने खुलकर सरकार का विरोध किया था। अब इस आंदोलन की गूंज भाजपा नेताओं के परिवारों तक पहुंच गई है।

पिछले कुछ दिनों में दो ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें भाजपा नेताओं की बेटियों के नाम इस आंदोलन से जुड़े। पहला मामला ओडिशा का है जहां भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी की बेटी अर्चिता राहर के इंस्टाग्राम पोस्ट वायरल हुए। दावे के मुताबिक, अर्चिता ने लिखा- मैं अपना पोस्ट डिलीट नहीं करूंगी।

वहीं दूसरी ओर असम के मंत्री केशब महंत की बेटी दिबीसा महंत खुद नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के खिलाफ नारे भी लगाए। इस मामले पर मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि दिबीसा के प्रदर्शन के लिए उनके पिता केशब महंत को ट्रोल नहीं किया जाना चाहिए।

भाजपा सांसद की बेटी के इंस्टाग्राम पोस्ट वायरल :

ओडिशा की भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी की बेटी अर्चिता सचिन राहर के नाम से जुड़े कुछ इंस्टाग्राम पोस्ट के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। >12

शिक्षा मंत्रालय का पदभार संभालते ही एक्शन में दिखे प्रह्लाद जोशी

पहले ही दिन वरिष्ठ अधिकारियों संग की बैठक

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। रविवार को उन्होंने मंत्रालय का कार्यभार संभाला और शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक भी की। जोशी को यह जिम्मेदारी ऐसे समय सौंपी गई है, जब देश में शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा चल रही है।

रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट प्रह्लाद जोशी ने कहा, आज मैंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पदभार संभाला। मुझ पर भरोसा जताने और मुझे यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी हूं। मैं इसे विनम्रता और कर्तव्य-बोध के साथ स्वीकार करता हूं।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की बातचीत :

गौरतलब है कि राष्ट्रपति द्वारा पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद प्रधानमंत्री की सलाह पर प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। कार्यभार संभालने के बाद प्रह्लाद जोशी ने तुरंत ही शिक्षा मंत्रालय के कामकाज से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। दरअसल शिक्षा मंत्रालय देश के भविष्य से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण मंत्रालय है। नए शिक्षा मंत्री के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ उच्च शिक्षा, विद्यालयी शिक्षा, कौशल विकास और अनुसंधान को भी नई गति देने महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मोदी बोले : पेपरलीक रोकने के लिए आज कठोर कानून लाएंगे

परीक्षा सुधार के लिए हाईपावर टास्क फोर्स बनाई, इंफोसिस के को-फाउंडर नीलेकणी अध्यक्ष होंगे

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने रविवार शाम 7 बजे के करीब इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा- फ्रेंड्स स्टूडेंट के भविष्य के लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है। जिन लोगों ने स्टूडेंट के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। वे जेलों में सड़ रहे हैं। हमने फास्ट ट्रैक कोर्ट बना दिए हैं। हम सोमवार को संसद में कठोर सजा के साथ प्रावधान ला रहे हैं। लेकिन हमें भविष्य के बारे में भी सोचना है। हमारी परीक्षा सिस्टम विश्वस्त हो, इसमें सबसे ज्यादा टेक्नोलॉजी का उपयोग हो।

इंफोसिस को-फाउंडर नंदन नीलेकणी जी के नेतृत्व में एक हाईपावर टॉस्क फोर्स बनाने का निर्णय लिया है। जो एग्जॉमनेशन रिफॉर्म की तरफ फोकस करेगा।

6 सदस्यीय टास्क फोर्स, इसरो के पूर्व अध्यक्ष भी शामिल

नंदन नीलेकणी- टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट और इंफोसिस के सह-संस्थापक

डॉ.एस. सोमनाथ- इसरो के पूर्व अध्यक्ष

तपन डेका- इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के पूर्व डायरेक्टर

वी. कामकोटी- आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर

अनीता करवाल- शिक्षा मंत्रालय की पूर्व सचिव

अमृत लाल मीणा- लॉजिस्टिक्स एक्सपर्ट बनाए गए हैं।

युवाओं ने देश का मान बढ़ाया

मन की बात

यंग इनोवेटर्स ने वो किया जो असंभव लगता था, मन की बात में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 136वें एपिसोड को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले कारगिल विजय दिवस का जिक्र करते हुए वीर जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस ऐसी तारीख है, जिसे याद रखने के लिए दिन याद रखने की जरूरत नहीं होती।

पीएम ने देश के युवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा- हमारे युवा भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। साइंस ओलंपियाड दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हिस्सा लेते हैं। इस महीने फिजिक्स, कैमेस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ के ओलंपियाड हुए। इनमें भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री ने कहा- पिछले रविवार विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था। हम सभी ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के इस ऐतिहासिक पल को देखा। यह प्राइवेट सेक्टर द्वारा विकसित भारत का पहला रॉकेट है। हमारे युवा इनोवेटर्स ने वह कर दिखाया, जो कभी लगभग असंभव लगता था। उन्होंने अपने असाधारण कौशल, जुनून और धैर्य का परिचय दिया।

पीएम के 'मन की बात' की बड़ी बातें ...

कारगिल विजय दिवस : पीएम ने कहा- यह ऐसी तारीख है, जिसे दिन याद रखे बिना भी याद रखा जाता है। कारगिल में जवानों ने हर चुनौती के बावजूद हार नहीं मानी। दिल्ली से द्रास तक शौर्य विजय यात्रा निकाली जा रही है।

आईएनएस महेंद्रगिरी और पिनाका : पीएम ने कहा- भारत रक्षा तकनीक में तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस महेंद्रगिरी नौसेना में शामिल हुआ और पिनाका मिसाइल का भी सफल लॉन्च हुआ।

कैच द रेन और जल संरक्षण : पीएम ने कहा कि जहां पानी गिरे, उसे वहीं रोकना चाहिए। मध्य प्रदेश में 4 हजार तालाब बने और कई राज्यों ने इस अभियान में हिस्सा लिया। आज बचाई गई पानी की हर बूंद भविष्य की पूंजी है।

कॉमनवेल्थ गेम्स और खिलाड़ियों की उपलब्धियां : मोदी ने कहा- ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने की अपील की। पीवी सिंधु के जापान ओपन जीतने और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की टेस्ट जीत का जिक्र किया।

विक्रम-1 और युवा इनोवेटर्स : पीएम ने कहा- विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण भारत के स्पेस सेक्टर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह निजी क्षेत्र का पहला रॉकेट है और युवाओं ने वह कर दिखाया, जो कभी असंभव लगता था।

साइंस ओलंपियाड : पीएम ने कहा- भारतीय छात्रों ने फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ्स ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान : पीएम ने अहमदाबाद में एक घंटे में 3.5 लाख और यूपी में एक दिन में 35 करोड़ से ज्यादा पौधे लगाए जाने का जिक्र किया। लोगों से प्रकृति संरक्षण में भागीदारी की अपील की।

प्लास्टिक मुक्त भारत : पीएम ने बिहार के सीतामढ़ी में प्लास्टिक कचरे से बेंच बनाने की पहल का उदाहरण दिया। गणेशोत्सव पर पीओपी और प्लास्टिक की बजाय मिट्टी की गणेश प्रतिमा अपनाने की अपील दोहराई।

लता गुप्ता बनीं दिल्ली महिला आयोग की नई अध्यक्ष : अल्पसंख्यक आयोग को भी मिला नया मुखिया

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। लंबे समय से खाली पड़े दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) के महत्वपूर्ण पदों पर आखिरकार नियुक्तियां कर दी गई हैं। दिल्ली सरकार ने लता गुप्ता को दिल्ली महिला आयोग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही सरकार ने निर्मल जैन को दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, लता गुप्ता को दिल्ली महिला आयोग का अध्यक्ष व श्याम बाला, मालती वर्मा, लता सोढ़ी, सनरक्षिका शर्मा झा और रेनू भल्ला को आयोग का सदस्य बनाया गया है। दिल्ली सरकार ने निर्मल जैन को दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। जबकि कुलदीप सिंह और मोहम्मद हारून को सदस्य नियुक्त किया गया है।

अपनी ही लाइसेंसी रिवॉल्वर से चली गोली; युवा वकील की मौत से इलाके में शोक

मोगा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के मोगा जिले के कस्बा बुट्टर में एक दर्दनाक हादसे में युवा वकील की अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से चली गोली लगने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, शिरोमणि अकाली दल के पूर्व चेयरमैन एवं वरिष्ठ नेता हरभुपिंदर सिंह लाडी के पुत्र एडवोकेट अमनिंदर सिंह को देर रात उनकी लाइसेंसी रिवॉल्वर से अचानक गोली लग गई।

गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। एडवोकेट अमनिंदर सिंह के असामयिक निधन की खबर फैलते ही परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों तथा राजनीतिक और सामाजिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में लोगों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

500 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

रंग शारदा होटल और प्रभादेवी की जमीन जब्त

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 500 करोड़ रुपये से अधिक के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई के बांद्रा स्थित मशहूर रंग शारदा होटल और प्रभादेवी स्थित एक भूखंड को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। ईडी के मुताबिक, जब्त की गई दोनों संपत्तियों की कुल कीमत करीब 332 करोड़ रुपये है। एजेंसी का दावा है कि पूरे मामले में करीब 512 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई। ईडी की जांच प्रभुदास वीरचंद लोटिया और अन्य लोगों के खिलाफ चल रही है। एजेंसी ने बताया कि यह कार्रवाई रंग शारदा होटल्स प्राइवेट लिमिटेड की संपत्तियों पर की गई है। मामला उस जमीन से जुड़ा है,

जिसे महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (म्हाडा) ने मराठी नाटक, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रियायती शर्तों पर रंग शारदा प्रतिष्ठान ट्रस्ट को आवंटित किया था। जांच एजेंसी के अनुसार, जिस उद्देश्य के लिए जमीन आवंटित की गई थी, उसका पालन नहीं किया गया। आरोप है कि जमीन का बड़े पैमाने पर व्यावसायिक इस्तेमाल किया गया और आवंटन की शर्तों का उल्लंघन करते हुए उससे भारी आर्थिक लाभ कमाया गया। ईडी ने बताया कि उसकी जांच बांद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। यह शिकायत रंग शारदा प्रतिष्ठान ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने दर्ज कराई थी।

शिकायत में प्रभुदास वीरचंद लोटिया और रंग शारदा होटल्स प्राइवेट लिमिटेड पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए थे। इसी एफआईआर के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

थिएटर की बजाय बार और मैरिज हॉल बनाया गया

जांच के दौरान ईडी को पता चला कि ट्रस्ट को आवंटित जमीन पर लोटिया ने रंग शारदा होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से अवैध कब्जा कर लिया। इसके बाद सरकारी मंजूरियों और जमीन आवंटन की शर्तों की अनदेखी करते हुए पूरे परिसर का व्यावसायिक उपयोग किया गया। ईडी के अनुसार, कंपनी को समझौते के तहत यहां एक ड्रामा थिएटर और कलाकारों के ठहरने की व्यवस्था बनाकर ट्रस्ट को सौंपनी थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके बजाय आवश्यक कानूनी मंजूरियां प्राप्त किए बिना परिसर में होटल, ठहरने के कमरे, रेस्टोरेंट, शराब का बार, मैरिज हॉल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित किए गए।

512 करोड़ रुपये की अवैध कमाई का आरोप एजेंसी का आरोप है कि प्रभुदास वीरचंद लोटिया ने ट्रस्ट की जमीन पर बने व्यावसायिक परिसरों की गैरकानूनी तरीके से बिक्री भी की। इनसे प्राप्त धन का इस्तेमाल प्रभादेवी में दूसरी संपत्ति खरीदने में किया गया। ईडी के मुताबिक, होटल, रेस्टोरेंट, बार, मैरिज हॉल, दुकानों और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से करीब 512 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई, जिसे मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए वैध बनाने की कोशिश की गई। इसी मामले में अब 332 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को कुर्क किया गया है और मामले की जांच जारी है।

आंध्र प्रदेश में कोरोना के 10 नए मामले, एक्टिव केस बढ़कर हुए 49 स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी बढ़ाई

अमरावती, 26 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामलों में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राज्य में 10 नए संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई, जिसके बाद कुल सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ते मामलों को देखते हुए सभी जिलों में निगरानी और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शाम को जारी बुलेटिन के अनुसार, नए मामलों में सबसे अधिक तीन मरीज गुंटूर जिले से मिले हैं। इसके अलावा एनटीआर जिले में दो नए मामले सामने आए हैं, जबकि अल्लूरी सीताराम राजू, एलुरु, कृष्णा, तिरुपति और विशाखापत्तनम जिलों में एक-एक नया संक्रमित मरीज मिला है। विभाग ने बताया कि अब तक कुल 302 लोगों की कोविड-19 जांच की जा चुकी है। राज्य में अब तक दर्ज मामलों पर नजर डालें तो पूर्वी गोदावरी जिला सबसे अधिक प्रभावित है, जहां 11 मामले सामने आए हैं। इसके बाद गुंटूर में 9, वाईएसआर कडप्पा में 8, विशाखापत्तनम में 5 और एनटीआर जिले में 3 मामले दर्ज किए गए हैं।

वाईएस शर्मिला अस्पताल के बिस्तर पर

वाईएस कांग्रेस प्रमुख ने सर्जरी के बारे में जानकारी दी

कडप्पा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला की सर्जरी हुई है। सोशल मीडिया पर अस्पताल के बिस्तर पर इलाज कराती हुई उनकी एक तस्वीर वायरल हुई, जिससे पार्टी और जनता के बीच उनकी सेहत को लेकर चिंता जताई जाने लगी।

इन अटकलों पर विराम लगाते हुए, उन्होंने खुद 'एक्स' (ट्विटर) प्लेटफॉर्म पर अपनी सेहत के बारे में जानकारी दी। उनकी छोटी आंत के ऊपरी हिस्से (ड्यूओडेनम) का एक साधारण ऑपरेशन हुआ है और अभी उनका इलाज चल रहा है। इस बारे में उन्होंने एक पोस्ट किया। हाल ही में मेरा पेल्विक ऑपरेशन हुआ है। अभी मैं ठीक हूँ और तेज़ी से रिकवर कर रही हूँ। आप सभी के साथ यह जानकारी साझा करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं उन सभी लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करती हूँ जिन्होंने इस दौरान मेरे लिए प्रार्थना की और मुझे हिम्मत दी। धन्यवाद। आपके प्यार, सम्मान और आशीर्वाद ने मुझे बहुत ताकत दी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी को भी चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने के बाद से ही एपी की राजनीति में शर्मिला काफी सक्रिय रही हैं। वह अक्सर सत्ताधारी और विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए खबरों में बनी रहती हैं। हालाँकि, कुछ समय से लाइव राजनीतिक कार्यक्रमों में उनके शामिल न होने पर चर्चा हो रही थी। खासकर तब, जब देश भर में 'नीट' पेपर लीक मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे थे।

कई लोगों ने उनकी गैर-मौजूदगी पर सवाल उठाए। हालाँकि, उस समय वह ट्विटर के ज़रिए जवाब देती रहीं। हाल ही में यह साफ हुआ कि इस ब्रेक की वजह उनकी सर्जरी थी। शर्मिला के एपी कांग्रेस का पद संभालने के बाद पार्टी में नया उत्साह आया है और कार्यकर्ताओं के बीच जोश बढ़ने की चर्चा राजनीतिक हलकों में हो रही है। फिलहाल उम्मीद है कि वह जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ होकर सार्वजनिक जीवन में लौटेंगी और राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगी।

प्रधान के इस्तीफ़े के बाद जगन ने पूछा

क्या डीएससी परीक्षा में गड़बड़ी के लिए लोकेश इस्तीफ़ा देंगे?

कडप्पा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नीट पेपर लीक की नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफ़ा दिया और एनडीए सरकार के तहत राजनीतिक जवाबदेही का एक उदाहरण पेश किया। इसी संदर्भ में, वाईएसआरसीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने जानना चाहा कि क्या आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार के शिक्षा मंत्री नारा लोकेश डीएससी परीक्षा प्रक्रिया (जिसमें लगभग 3.5 लाख उम्मीदवार शामिल थे) में हुई गंभीर गड़बड़ियों की नैतिक ज़िम्मेदारी लेंगे और अपने पद से इस्तीफ़ा देंगे? या फिर एनडीए सरकार के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू जवाबदेही के उन मानकों को बनाए रखने के बजाय अपने बेटे का बचाव करेंगे, जिन पर एनडीए के विश्वास करने का दावा किया जाता है?

'एक्स' पर पोस्ट करते हुए, जगन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाईएसआरसीपी द्वारा लिखा गया एक पत्र साझा किया। उन्होंने बताया कि तथाकथित 'मेगा' डीएससी असल में बड़े पैमाने पर घोटाले के लिए सोच-समझकर बनाई गई एक योजना थी। यह चंद्रबाबू और प्रभारी मंत्री के तौर पर उनके बेटे लोकेश द्वारा किया गया एक काला कारनामा था, जिसने होनहार उम्मीदवारों के जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया।

उन्होंने कहा कि मौजूदा राज्य सरकार द्वारा की गई हेराफेरी और धोखेबाज़ी के कारण आज लाखों उम्मीदवार परेशान हैं। राज्य ने पहले कभी इतनी चालाकी भरी भर्ती प्रक्रिया नहीं देखी थी। पत्र में कहा गया है कि 16,000 डीएससी पदों की भर्ती प्रक्रिया के लिए पारदर्शिता बनाए रखने वाले सभी सुरक्षा उपायों को खत्म कर दिया गया और हर संस्थागत जांच-पड़ताल को कमज़ोर कर दिया गया। वाईएसआरसीपी ने कहा कि यह घोटाला बहुत गहरा है और इसे मौजूदा राज्य सरकार के शीर्ष लोगों जिनमें मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री नारा लोकेश शामिल हैं ने खतरनाक तरीके से रचा है।

1.5 करोड़ रुपये की रेड सैंडर्स की लकड़ी ज़ब्त फॉरेस्ट बीट ऑफिसर समेत तीन लोग गिरफ्तार

तिरुपति, 26 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश रेड सैंडर्स एंटी-स्मगलिंग टास्क फोर्स (आरएसएएसटीएफ) ने रेड सैंडर्स की तस्करी करने वाले एक अंतर-राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया। टास्क फोर्स ने लगभग 1.5 करोड़ रुपये मूल्य की रेड सैंडर्स की 78 लकड़ियाँ ज़ब्त कीं और तीन लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में एक फॉरेस्ट बीट ऑफिसर भी शामिल है, जिस पर इस अवैध माल के परिवहन में मदद करने का आरोप है।

आरएसएएसटीएफ, राज्य खुफिया विभाग और वन विभाग के संयुक्त अभियान में कडप्पा जिले की ज्योति फॉरेस्ट बीट में तैनात फॉरेस्ट बीट ऑफिसर मल्लिकार्जुन और हरियाणा के दो कथित अंतर-राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

खुफिया जानकारी के आधार पर, टास्क फोर्स ने तड़के कडप्पा जिले के अवधुता कासिनायना मंडल के वारिकुंटला गांव के पास एक बोलेरो मैक्सी ट्रक को रोका। तस्करों ने पकड़े जाने से बचने के लिए रेड सैंडर्स की लकड़ियों को घरेलू सामान के नीचे छिपा रखा था। अधिकारियों ने लगभग 1.5 करोड़ रुपये मूल्य की रेड सैंडर्स की 78 लकड़ियाँ और उन्हें ले जाने में इस्तेमाल की गई बोलेरो गाड़ी ज़ब्त की। पुलिस ने गिरफ्तार तस्करों की पहचान हरियाणा के रोहतक जिले के रहने वाले 28 वर्षीय सनी और 33 वर्षीय रमेश के रूप में की है।

पूछताछ के दौरान, जांचकर्ताओं को फॉरेस्ट बीट ऑफिसर मल्लिकार्जुन की संलिप्तता का पता चला। उन पर आरोप है कि उन्होंने लॉजिस्टिकल सहायता प्रदान की और तस्करी की गई रेड सैंडर्स की लकड़ियों के परिवहन में मदद की। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। शुरुआती जांच से पता चला है कि यह गिरोह एक बड़े अंतर-राज्यीय नेटवर्क का हिस्सा था, जो शेषचलम के जंगलों से कर्नाटक, हरियाणा और पश्चिम बंगाल तक रेड सैंडर्स की तस्करी करता था।

पुलिस ने बेंगलुरु, हरियाणा और कोलकाता में मौजूद कई मुख्य लोगों की पहचान की है, जो कथित तौर पर तस्करी के काम का समन्वय करते थे। बाकी आरोपियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं।

पूर्व कैबिनेट मंत्री हीरा सिंह बिष्ट का हार्ट अटैक से निधन, राजनीतिक दलों में शोक की लहर

देहरादून, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री हीरा सिंह बिष्ट(81) का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन से कांग्रेस समेत सभी दलों में शोक की लहर है। हीरा सिंह बिष्ट पूरे जीवन कांग्रेस के लिए समर्पित रहे। उन्होंने अविभाजित उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दीं। साथ ही वह इंटक के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व सीएम हरीश रावत, प्रीतम सिंह, डॉक्टर हरक सिंह रावत, प्रदेश अध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना समेत पार्टी के कई नेताओं ने उनके निधन पर शोक जताया।

सत्तर के दशक की शुरुआत में पश्चिम उत्तरप्रदेश के सबसे बड़े महाविद्यालय डीएवी पीजी कॉलेज देहरादून के छात्र संघ अध्यक्ष के रूप में राजनीति की शुरुआत करने वाले हीरा सिंह बिष्ट युवा कांग्रेस से होते हुए उत्तरप्रदेश व उत्तराखंड के प्रमुख स्तंभ रहे। इंटक के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में लंबे समय तक कर्मचारियों व श्रमिकों के हितों के लिए भी संघर्ष करते रहे। एनडी तिवारी सरकार में वह कैबिनेट मंत्री रहे। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव में रायपुर सीट से अंतिम चुनाव लड़ा था। लेकिन वह हार गए थे। अंतिम समय तक वह कांग्रेस में एक सक्रिय नेता के रूप में रहे।

टोरंटो में पंजाब मूल की महिला की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा के टोरंटो में पंजाब मूल की 26 वर्षीय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप पंजाब के ही रहने वाले 37 वर्षीय व्यक्ति पर है, जिसने महिला से थोड़ी देर बातचीत के बाद उसे गोली मार दी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया गया है। मृतक महिला की पहचान टोरंटो निवासी नवनीत कौर (26) के रूप में हुई है, जबकि आरोपी की पहचान ब्रैम्पटन निवासी शरणजीत सिंह (37) के तौर पर की गई है।

टोरंटो पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के बयान के अनुसार, शुक्रवार, 24 जुलाई की सुबह करीब 7:23 बजे हम्बरवुड बुलेवार्ड और रेक्सडेल बुलेवार्ड इलाके में गोलीबारी की सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस का आरोप है कि महिला को गोली मारने से पहले पीड़िता और आरोपी के बीच थोड़ी देर बातचीत हुई थी। आरोपी और पीड़िता के बीच क्या संबंध था, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। एटॉबिकोक में एक महिला की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में सिंह पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया गया है।

पुलिस ने इसे टारगेटेड अटैक (खास मकसद से किया गया हमला) बताया है। पुलिस के मुताबिक, अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से भाग गया था, लेकिन बाद में ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस के अधिकारियों द्वारा चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

ईडी ने ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में रमीटाइम और गेम्सक्राफ्ट पर केस चलाया

बेंगलुरु, 26 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट में गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज़, रमीटाइम टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड, उनके फाउंडर्स/डायरेक्टर्स और उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इन पर ऑनलाइन असली पैसे वाले रमी प्लेटफॉर्म पर यूज़र्स के साथ धोखाधड़ी करके कमाए गए गैर-कानूनी पैसे को लॉन्डर करने का आरोप है। 'प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' के तहत दर्ज इस शिकायत में विकास तनेजा, पृथ्वी राज सिंह और दीपक सिंह अहलावत के नाम शामिल हैं। ईडी ने कहा कि उसने तेलंगाना में धोखाधड़ी के आरोपों को लेकर दर्ज कई एफआईआर के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी।

एजेंसी का आरोप है कि ये कंपनियाँ रमीकल्चर, रमीप्राइम, प्लेशिप रमी और रमीटाइम जैसे प्लेटफॉर्म चलाती थीं और दांव पर 10% से 15% तक कमीशन लेती थीं। जांच में कथित तौर पर पाया गया कि रमीकल्चर अनजान यूज़र्स के खिलाफ खेलने के लिए बॉट्स (ऑटोमेटेड प्रोग्राम या एल्गोरिदम) का इस्तेमाल करती थी। साथ ही, लगातार गेमिंग और ज़्यादा दांव लगाने के लिए बोनस, रेफरल इंसेंटिव और इंस्टेंट कैश रिवॉर्ड जैसी भ्रामक प्रमोशनल स्कीम का इस्तेमाल करती थी। ईडी ने यह भी आरोप लगाया कि पैसे निकालने पर पाबंदियों और चार्ज के साथ-साथ आक्रामक प्रमोशनल स्कीम की वजह से यूज़र्स को भारी आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी हुई। एजेंसी ने अपराध से हुई कमाई का अनुमान लगभग 19,984 करोड़ रुपये लगाया है। एजेंसी ने कहा कि उसने आरोपियों और उनसे जुड़ी कंपनियों से जुड़ी लगभग 2,401 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच, ज़ब्त या फ्रीज़ की है।

कांग्रेस ने शिक्षा की बढ़ती लागत को लेकर केंद्र की आलोचना की

युवा तुरंत सुधार चाहते हैं

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने रविवार को शिक्षा पर बढ़ते खर्च को लेकर सरकार की आलोचना की। पार्टी ने परिवारों के खर्च के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि युवा और उनके माता-पिता शिक्षा तक पहुँच और उसके खर्च को वहन करने की क्षमता से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए तुरंत कदम उठाए जाने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जंतर-मंतर और अन्य जगहों पर हालिया विरोध-प्रदर्शन भले ही कथित तौर पर अनुचित परीक्षा प्रणाली को लेकर शुरू हुए हों, लेकिन छात्रों और परिवारों में जो असल निराशा है, उसकी वजह बड़े पैमाने पर आर्थिक दबाव है। रमेश ने 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' (सीएमआईई) के हालिया विश्लेषण का हवाला दिया, जो 2014-15 से 2025-26 तक परिवारों के खर्च के आंकड़ों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि परिवारों की आय की तुलना में शिक्षा की लागत बहुत तेज़ी से बढ़ी है। उन्होंने कहा कि परिवार अब अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा शिक्षा पर खर्च कर रहे हैं। रमेश ने परिवारों के शिक्षा खर्च में प्राइवेट ट्यूशन की बढ़ती भूमिका पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में स्कूल और कॉलेज की फीस आय में बढ़ोतरी की तुलना में तेज़ी से बढ़ी है। उन्होंने किताबों पर बढ़ते खर्च की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि इसका संबंध पाठ्यपुस्तकों की ज़्यादा कीमतों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और सीखने के अतिरिक्त संसाधनों पर होने वाले खर्च से हो सकता है।

रमेश ने कहा, हाल के हफ़्तों में हुए विरोध-प्रदर्शनों की तात्कालिक वजह अनुचित परीक्षा प्रणाली रही है, लेकिन छात्रों और अभिभावकों की परेशानी और गुस्से की जड़ें शिक्षा तक पहुँच और उसे वहन करने की क्षमता से जुड़ी चुनौतियों में गहरी हैं। उन्होंने कहा कि युवा और उनके परिवार अब सुधारात्मक कदम उठाए जाने की पुरज़ोर मांग कर रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की आलोचना के बाद परीक्षा प्रणाली और शिक्षा नीतियों पर जारी राजनीतिक बहस के बीच उनकी ये टिप्पणियाँ आई हैं।

आखिरकार चालू होने जा रहा एमपी का भूतिया रेलवे स्टेशन, निशातपुरा में 28 जुलाई से शुरू होगी पैसेंजर सर्विस

भोपाल, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश का भूतिया रेलवे स्टेशन निशातपुरा आखिरकार अब यात्रियों के स्वागत के लिए तैयार है। भोपाल रेलवे डिवीजन ने घोषणा की कि जल्दी ही यहां से ट्रेन यात्रियों की चहल-पहल शुरू हो जाएगी। लगभग तीन साल तक बेकार पड़े रहने के बाद यह स्टेशन आखिरकार 28 जुलाई को यात्रियों के लिए खुल जाएगा। भोपाल रेलवे डिवीज़न ने इसकी पुष्टि की और बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव शाम 4:30 बजे इस लंबे समय से अटकी हुई सुविधा का उद्घाटन करेंगे, जिससे स्थानीय लोगों द्वारा इसे दिया गया भूतिया स्टेशन का नाम भी खत्म हो जाएगा। मध्य प्रदेश का निशातपुरा रेलवे स्टेशन जून 2023 से ही यात्रियों के लिए तैयार था, लेकिन वहां कोई स्टाफ ड्यूटी पर नहीं आया, कोई ट्रेन नहीं रुकी और न ही कोई यात्री उतरा या चढ़ा, जिससे यह जगह किसी भूतिया जगह जैसी लगने लगी थी। भोपाल रेलवे डिवीजन के पीआरओ नवल अग्रवाल ने कहा कि स्थानीय प्रशासन ने स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव को अंतिम रूप दे दिया है, जिसमें शेड्यूल में मालवा एक्सप्रेस और सोमनाथ एक्सप्रेस को शामिल किया गया है। अग्रवाल ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भोपाल डिवीजन के तहत निशातपुरा स्टेशन (यात्रियों का स्वागत करने के लिए) पूरी तरह तैयार है। इसका उद्घाटन 28 जुलाई को होगा।

'उमर खालिद और शरजील इमाम को रिहा करो'

गोवा में धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के जश्न में उठी मांग से तनाव

पणजी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। गोवा के पणजी में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। यहां प्रदर्शनकारियों का एक समूह केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जीत का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुआ। इस दौरान उन्होंने एक प्लेकार्ड दिखाया जिस पर लिखा था कि उमर खालिद, शरजील इमाम को रिहा करो। प्रदर्शनकारियों और बीजेपी सदस्यों के बीच मामूली हाथापाई भी हुई, जब कथित तौर पर एक प्रदर्शनकारी ने उनके खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया। पुलिस ने तुरंत दखल दिया और दोनों समूहों को कानून अपने हाथ में लेने से रोका। प्रदर्शनकारी आजाद मैदान में जमा हुए थे, तभी प्लेकार्ड दिखाया गया।

पुलिस ने प्लेकार्ड पकड़े हुए व्यक्ति को हिरासत में ले लिया, जिससे गोवा पुलिस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शनकारियों और बीजेपी सदस्यों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। प्रदर्शनकारियों ने उस व्यक्ति की रिहाई की मांग की और उसे तुरंत रिहा करने के लिए नारे लगाए। बीजेपी सदस्यों ने सवाल उठाया कि केंद्रीय मंत्री के इस्तीफे का जश्न मनाने के लिए आयोजित सभा में उमर खालिद और शरजील इमाम का मुद्दा उठाने का क्या मतलब है। यह टकराव कुछ देर तक जारी रहा, जिसके बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में किया और मामले को और बढ़ने से रोका। खालिद अभी 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े एक मामले में जेल में है। विरोध-प्रदर्शन वाली जगह पर मौजूद एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने दानिश को हिरासत में ले लिया, क्योंकि उसने कथित तौर पर अपनी पहचान बताने से इनकार कर दिया था। उसे हिरासत में लिए जाने के बाद, उस ग्रुप के सदस्यों ने उसकी रिहाई की मांग करते हुए पुलिस हेडक्वार्टर तक मार्च किया। एक अधिकारी ने बताया कि बाद में पुलिस ने सुदिन दलवी नाम के एक और व्यक्ति को हिरासत में ले लिया, जिसने कथित तौर पर खालिद का समर्थन किया था और मीडियाकर्मियों के साथ बदसलूकी की थी।

पुलिस ने कहा कि दोनों व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस बीच, भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के नेताओं ने पणजी पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया और दोनों युवकों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई की मांग की। भाजयुमो गोवा के अध्यक्ष तुषार केलकर ने पुलिस से गैर-जमानती अपराधों के तहत मामला दर्ज करने की मांग की और आरोप लगाया कि दोनों ने एक राष्ट्र-विरोधी व्यक्ति का समर्थन किया था।

करुणानिधि की पोती पर बैंक मैनेजर को थप्पड़ मारने का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया केस; कैसे बढ़ा विवाद?

चेन्नई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति से जुड़े एक चर्चित परिवार का नाम एक आपराधिक मामले में सामने आया है। पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि की पोती और पूर्व केंद्रीय मंत्री एमके अलागिरि की बेटी कायलविझी के खिलाफ चेन्नई पुलिस ने एसबीआई के एक शाखा प्रबंधक को थप्पड़ मारने और धमकाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। घटना का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। यह घटना 20 जुलाई को चेन्नई के अडयार इलाके में स्थित एसबीआई की एनआरआई शाखा में हुई। पुलिस के अनुसार, कायलविझी बैंक शाखा प्रबंधक के कमरे में उनसे बातचीत कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने कथित तौर पर बैंक मैनेजर के गाल पर थप्पड़ मार दिया। घटना शाखा में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। शनिवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसके बाद मामला और चर्चा में आ गया। चेन्नई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एसबीआई के एक अधिकारी की शिकायत के आधार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया कि कायलविझी ने शाखा प्रबंधक के साथ मारपीट की और उन्हें धमकाया। पुलिस ने इसी आधार पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
सोमवार, 27 जुलाई, 2026

सुविचार: सफलता पाने का इतना गुरुर मत करना। क्योंकि यहां तक आने के लिए आपको भी झुकना पड़ा था।

विकलांग कर्मचारियों की सभी समस्याओं का समाधान करेंगे : मंत्री अदलूरी लक्ष्मण

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी दिव्यांगों के सच्चे हितैषी : मुत्तिनेनी वीरैया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन के प्रकाशम हॉल में रविवार को तेलंगाना दिव्यांग कर्मचारी संघ (डीएईडब्ल्यूए) की ओर से कृतज्ञता सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में दिव्यांग कल्याण मंत्री अदलूरी लक्ष्मण तथा तेलंगाना दिव्यांग निगम के अध्यक्ष एवं कांग्रेस दिव्यांग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुत्तिनेनी वीरैया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री लक्ष्मण ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने उन पर विश्वास जताते हुए दिव्यांग कल्याण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग कर्मचारियों से जुड़े सभी लंबित मामलों को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाकर उनका शत-प्रतिशत समाधान कराया जाएगा। उन्होंने सभी दिव्यांग संगठनों से अपनी समस्याएं सीधे उनके समक्ष रखने की अपील करते हुए कहा कि उनका समाधान कराना उनकी जिम्मेदारी है। मंत्री ने कहा कि दिव्यांगों के लिए "कल्याण भवन" के निर्माण का प्रस्ताव भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने स्थानीय निकायों और नगरपालिकाओं में दिव्यांगों को सह-नामित (को-ऑप्शन) सदस्य के रूप में प्रतिनिधित्व दिलाने तथा इंदिरम्मा आवास योजना में आरक्षण का मुद्दा भी सरकार के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया। तेलंगाना दिव्यांग निगम के अध्यक्ष मुत्तिनेनी वीरैया ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी दिव्यांगों के बड़े भाई और सच्चे हितैषी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी जी.ओ. संख्या-34 से दिव्यांग कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। इसके तहत 70 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले कर्मचारियों को स्थानांतरण से छूट तथा पदोन्नति के समय वर्तमान या निकटवर्ती स्थान पर नियुक्ति जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। गंभीर रूप से दिव्यांग बच्चों के माता-पिता को भी इसका लाभ दिया गया है।

उन्होंने कहा कि विश्व दिव्यांग दिवस पर "ऑन ड्यूटी" सुविधा प्रदान कर सरकार ने दिव्यांग कर्मचारियों के आत्मसम्मान को मजबूत किया है। साथ ही दिव्यांग निगम में विशेष शिकायत निवारण शिविर आयोजित कर विभिन्न विभागों और जिला प्रशासन के समन्वय से सैकड़ों कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया गया है। वीरैया ने कहा कि दिव्यांग कर्मचारियों की ओर से उठाए गए सभी मुद्दों को मंत्री अदलूरी लक्ष्मण के सहयोग से मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के समक्ष रखकर उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और मंत्री अदलूरी लक्ष्मण दिव्यांगों के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में तेलंगाना दिव्यांग कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष शेख हबीब मियां और प्रदेश महासचिव चीराबोयिना लक्ष्मैया ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में उनकी समस्याओं की उपेक्षा हुई, जबकि वर्तमान सरकार एक-एक कर उनके मुद्दों का समाधान कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, मंत्री अदलूरी लक्ष्मण तथा निगम अध्यक्ष मुत्तिनेनी वीरैया के प्रति आभार व्यक्त किया। सभा में संघ के प्रतिनिधियों ने संगठन को आधिकारिक मान्यता, संयुक्त परिषद में स्थायी सदस्यता, स्थानांतरण नियमों में दिव्यांगता की पात्रता 70 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत करने, ईएचएस प्रीमियम से छूट तथा उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले दिव्यांग कर्मचारियों को "ऑन ड्यूटी" सुविधा प्रदान करने की मांग भी उठाई। कार्यक्रम में तेलंगाना के सभी 33 जिलों से आए लगभग 500 दिव्यांग कर्मचारी एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वारंगल के उर्स गुट्टा में युवक की हत्या

वारंगल, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को जिले के वारंगल (पूर्व) निर्वाचन क्षेत्र के उर्स गुट्टा इलाके में एक युवक की हत्या कर दी गई।

खबरों के अनुसार, शनिवार दोपहर स्थानीय लोगों को मृतक माडा अनिल (23) इलाके के बीआर नगर में खून से लथपथ और गला कटा हुआ मिला। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा।

आरोप है कि अनिल की महेश नाम के व्यक्ति से दुश्मनी थी और शक है कि उसी ने हत्या की होगी। मृतक युवक के परिवार वालों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और घटना की जांच शुरू कर दी है।

ट्रैफिक पुलिस ने 572 शराबी वाहन चालकों पर केस दर्ज किया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा बेहतर करने और शराब पीकर गाड़ी चलाने पर रोक लगाने की कोशिशों के तहत शुक्रवार और शनिवार को दो दिन का स्पेशल ड्राइव चलाया। इस दौरान शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 572 ड्राइवरों पर केस दर्ज किया गया।

इस स्पेशल ड्राइव के दौरान, पकड़े गए लोगों में 475 दोपहिया वाहन चलाने वाले थे, जबकि 43 तिपहिया वाहन चलाने वाले और 54 चारपहिया या अन्य वाहन चलाने वाले थे। पुलिस ने बताया कि पांच ड्राइवरों में बीएसी लेवल 300 से ज्यादा पाया गया, जो बहुत ज्यादा नशे की हालत को दिखाता है। पकड़े गए सभी लोगों पर केस दर्ज किया गया है और उन्हें कोर्ट में पेश होना होगा।

फीस प्रतिपूर्ति पर राजनीति करने से पहले भाजपा सवालों के जवाब दे : मंत्री पोन्नम

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव से फीस प्रतिपूर्ति (फी रिइम्बर्समेंट) के मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय कई अहम सवालों का जवाब देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से इस्तीफे की मांग करने से पहले भाजपा को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि फीस प्रतिपूर्ति की बकाया राशि एक दिन में नहीं बनी, बल्कि यह पिछली बीआरएस सरकार से विरासत में मिली समस्या है। उन्होंने सवाल किया कि जब बीआरएस सरकार के कार्यकाल में छात्रों की फीस प्रतिपूर्ति का बकाया लगातार बढ़ रहा था, तब भाजपा और रामचंदर राव चुप क्यों थे। पोन्नम प्रभाकर ने भाजपा को चुनौती देते हुए पूछा कि जिन राज्यों में उसकी सरकारें हैं, वहां फीस प्रतिपूर्ति जैसी योजना कहां लागू है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में छात्रों के कल्याण के प्रति गंभीर है, तो केंद्र सरकार को पूरे देश में फीस प्रतिपूर्ति योजना लागू करनी चाहिए तथा राज्यों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को साझा करते हुए आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने देश के युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए विधायक और सांसद चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 21 वर्ष करने का प्रस्ताव रखा है, जिसकी पूरे देश में चर्चा हो रही है। भाजपा इस मुद्दे पर जवाब देने से बचने के लिए फीस प्रतिपूर्ति के नाम पर राजनीतिक नाटक कर रही है। मंत्री ने भाजपा से स्पष्ट करने की मांग की कि क्या केंद्र सरकार विधायक और सांसद चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 21 वर्ष किए जाने के प्रस्ताव का समर्थन करेगी या नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्र लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए छात्रसंघ चुनाव कराने के पक्ष में है। भाजपा को भी स्पष्ट करना चाहिए कि वह छात्रसंघ चुनावों का समर्थन करती है या उनका विरोध करती है। पोन्नम प्रभाकर ने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं से छात्रों का भविष्य प्रभावित होने के बावजूद भाजपा को छात्रों के हितों पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है।

तेलंगाना में आज से तीन दिवसीय बीज मेले का आयोजन किया जाएगा

उद्देश्य कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को बढ़ावा देना

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि विभाग 27 से 29 जुलाई तक तेलंगाना के सभी 33 जिलों के प्रत्येक मंडल में स्थित रैतू वेदिकाओं में बीज मेलों का आयोजन करेगा। अल नीनो की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, विभाग प्रत्येक रायथु वेदिका में कम पानी की आवश्यकता वाली वैकल्पिक फसलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए चार से पांच विशेष काउंटर स्थापित करेगा। मेले के दौरान किसानों को इन फसलों के गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएयू), श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना बागवानी विश्वविद्यालय (एसकेएलटीयू), भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान (आईआईओआर) और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) सहित प्रमुख कृषि संस्थानों के विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे। वे किसानों को फसल चयन, सर्वोत्तम खेती विधियों और मौजूदा मौसम के अनुकूल जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों को लागू करने के बारे में वैज्ञानिक सलाह देंगे। विशेष काउंटरों पर इन विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों द्वारा प्रमाणित उच्च गुणवत्ता वाले बीज भी उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त, कृषि विस्तार अधिकारी (एईओ), मंडल कृषि अधिकारी (एमएओ), कृषि सहायक निदेशक (एडीए), जिला कृषि अधिकारी (डीएओ) और बागवानी विभाग के अधिकारी तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस सहायता में फसल और बीज का चयन, खेती की तकनीकें और प्रभावी जल प्रबंधन की रणनीतियां शामिल होंगी। कृषि निदेशक डॉ.बी. गोपी ने राज्य भर के किसानों से अपील की कि वे अपने निकटतम रायथु वेदिकाओं में आयोजित बीज मेलों में बड़ी संख्या में भाग लें। उन्होंने उनसे आग्रह किया कि वे वैज्ञानिकों और कृषि अधिकारियों से परामर्श करके, अपने स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल फसलों का चयन करके और मौसम के लिए अनुशंसित गुणवत्ता वाले बीज खरीदकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

आदिलाबाद में 2,278 करोड़ की संयुक्त एयरफील्ड परियोजना को मंजूरी

उत्तर तेलंगाना के विकास को मिलेगी नई गति

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने आदिलाबाद में भारतीय वायुसेना (आईएएफ) और नागरिक उड्डयन के संयुक्त उपयोग के लिए प्रस्तावित एयरफील्ड परियोजना को प्रशासनिक मंजूरी प्रदान कर दी है। राज्य सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 2,278.14 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की है। सड़क एवं भवन तथा सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में यह निर्णय लिया गया है, जिससे उत्तर तेलंगाना के औद्योगिक और आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि परियोजना के लिए 2,009.23 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। इसमें 1,609.23 एकड़ भूमि भारतीय वायुसेना को दी जाएगी, जबकि 400 एकड़ भूमि नागरिक उड्डयन एन्क्लेव, मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ) सुविधाओं, कार्गो टर्मिनल, हैंगर तथा भविष्य के विस्तार के लिए आरक्षित रहेगी। मंत्री के अनुसार परियोजना में भूमि अधिग्रहण के अलावा मौजूदा सड़कों का डायवर्जन, 765 केवी उच्च वोल्टेज विद्युत लाइनों का स्थानांतरण, नालों का डायवर्जन, मिशन भागीरथा की पेयजल पाइपलाइन का स्थानांतरण तथा बिजली के खंभों को हटाने जैसे सभी संबंधित कार्यों का खर्च भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आदिलाबाद संयुक्त एयरफील्ड का विकास भारतीय वायुसेना और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के संयुक्त सहयोग से किया जाएगा। इससे उत्तर तेलंगाना में उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, निवेश आकर्षित होगा, कार्गो परिवहन और पर्यटन को गति मिलेगी तथा रक्षा अवसंरचना भी मजबूत होगी। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। कोमटिरेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की विशेष पहल तथा रक्षा मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के साथ लगातार समन्वय के कारण इस परियोजना को गति मिली है। उन्होंने बताया कि भूमि अधिग्रहण और परियोजना से संबंधित सभी बाधाओं को दूर करने का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि 31 दिसंबर 2026 तक भूमि अधिग्रहण तथा सड़कों, विद्युत लाइनों और अन्य अवसंरचनाओं के स्थानांतरण का कार्य पूरा कर लिया जाए। मंत्री ने कहा कि संतुलित क्षेत्रीय विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता है और आदिलाबाद संयुक्त एयरफील्ड परियोजना उत्तर तेलंगाना के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

दत्तात्रेय ने कारगिल के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर, पूर्व राज्यपाल बंदारू दत्तात्रेय ने रविवार को भारत माता की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दत्तात्रेय ने 1999 के कारगिल युद्ध की ऐतिहासिक विजय को याद करते हुए कहा कि जब पाकिस्तानी घुसपैठियों ने कारगिल सेक्टर में भारतीय क्षेत्र पर रणनीतिक चौकियों पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था, तब भारतीय सशस्त्र बलों ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दृढ़ नेतृत्व में सफलतापूर्वक ऑपरेशन विजय शुरू किया था। असाधारण साहस और दृढ़ संकल्प के बल पर, भारतीय सेना ने भारतीय वायु सेना के महत्वपूर्ण सहयोग से दुश्मन को खदेड़ दिया और कारगिल की चोटियों पर एक बार फिर गर्व से भारतीय तिरंगा फहराया। उन्होंने कहा कि अत्यंत प्रतिकूल मौसम और दुर्गम पर्वतीय इलाकों में अद्वितीय साहस और निस्वार्थता से लड़ने वाले सैनिकों द्वारा प्राप्त यह उल्लेखनीय विजय, भारत के सैन्य इतिहास के सबसे गौरवशाली अध्यायों में से एक है। राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित शौर्य प्रत्येक भारतीय को प्रेरित करता रहेगा। एक बयान में, दत्तात्रेय ने देश की जनता से अपील की कि वे देश की सीमाओं पर निरंतर सतर्क रहने वाले सैनिकों और राष्ट्र की सेवा में अपार बलिदान देने वाले उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़े रहें। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों द्वारा किए गए बलिदानों को कभी भुलाया नहीं जा सकता और प्रत्येक भारतीय उनका सदा ऋणी रहेगा।

छात्रों के विरोध प्रदर्शन को देशद्रोह से जोड़ना गलत : दासोजू

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के एमएलसी डॉ. दासोजू श्रवण ने नीट परीक्षा पत्र लीक मामले और छात्रों के आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार तथा भाजपा नेताओं पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि छात्रों के विरोध प्रदर्शन को देशद्रोह से जोड़ना और उन्हें धमकाने वाली भाषा का इस्तेमाल करना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। डॉ. दासोजू ने कहा कि नीट पेपर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर से लेकर कन्याकुमारी तक छात्रों ने व्यापक आंदोलन किया, जिसके दबाव में केंद्र सरकार को झुकना पड़ा। उन्होंने इसे लोकतंत्र और संविधान की जीत बताते हुए कहा कि छात्रों के संघर्ष के कारण केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री बंडी संजय और सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी के बयानों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने आंदोलनकारी छात्रों को विदेशी ताकतों का समर्थक बताकर उनका अपमान किया। उन्होंने कहा कि छात्रों को "पाकिस्तानी", "विदेशी कठपुतली" या उन्हें गोली मारने जैसी बातें करना बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। डॉ. दासोजू ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने युवाओं के सवालों को सुनने और संवाद करने की बात कही है। उन्होंने भाजपा नेताओं से अपील की कि वे कम से कम अपने वैचारिक संगठन के प्रमुख की सलाह का सम्मान करें और छात्रों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाएं। उन्होंने कहा कि भारत संविधान से चलता है, किसी एक व्यक्ति की इच्छा से नहीं। छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध को दबाने या उन्हें धमकाने की मानसिकता लोकतंत्र के लिए घातक है। उनका आरोप था कि नीट विवाद केवल परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं के भविष्य और व्यवस्था के प्रति उनके बढ़ते असंतोष का प्रतीक बन चुका है। बीआरएस एमएलसी ने मांग की कि छात्रों को देशद्रोही बताने और उनके खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां करने वाले भाजपा नेता बंडी संजय और कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी छात्र समुदाय से बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगें।

केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्रभक्ति से ही संभव है राष्ट्रीय विकास : राव

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि राष्ट्रीय विकास केवल केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्रभक्ति की भावना से ही संभव है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की सेवाएं केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के स्वास्थ्य एवं विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वे रविवार को नारायणगुड़ा स्थित केएमआईटी में भाजपा डॉक्टर्स सेल द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे, जिसमें अनेक वरिष्ठ चिकित्सकों ने भाग लिया। रामचंदर राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं के लिए हजारों करोड़ रुपये उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और बस्ती दवाखानों में आवश्यक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों तथा कर्मचारियों के वेतन के लिए अधिकांश वित्तीय सहायता केंद्र सरकार प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत बायोटेक द्वारा स्वदेशी वैक्सीन का विकास प्रधानमंत्री मोदी के प्रोत्साहन का परिणाम था। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ भारत की मजबूत नींव भी है। वहीं, 'खेलो इंडिया' और 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' जैसे अभियानों से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने लोगों से अपील की कि वे सोशल मीडिया, विशेषकर व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम रील्स पर प्रसारित अप्रमाणित चिकित्सा सलाह पर भरोसा न करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या में केवल योग्य चिकित्सकों की सलाह का ही पालन करना चाहिए।

ईएचएस योजना के पहले सप्ताह में 437 कर्मचारियों और पेंशनरों का कैशलेस उपचार

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की एम्प्लॉइज हेल्थ स्कीम (ईएचएस) का शुभारंभ 17 जुलाई को किया गया था। योजना शुरू होने के पहले ही सप्ताह में 18 जुलाई से 25 जुलाई के बीच राज्य के 17 जिलों के 153 अस्पतालों में कर्मचारियों और पेंशनरों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई।

एम्प्लॉइज हेल्थ केयर ट्रस्ट के अनुसार, इस अवधि में 184 सरकारी कर्मचारियों ने 40,42,786 मूल्य का कैशलेस उपचार प्राप्त किया, जबकि 253 पेंशनरों का 73,70,035 का कैशलेस उपचार किया गया। इस प्रकार पहले सप्ताह में कुल 437 लाभार्थियों को 1,14,12,821 मूल्य की कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। योजना के तहत हैदराबाद जिले में सर्वाधिक 47 अस्पताल मरीजों का उपचार कर रहे हैं। इसके बाद मेडचल में 21, रंगारेड्डी में 14, करीमनगर में 13 तथा हनमकोंडा में 12 अस्पताल इस योजना के अंतर्गत सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। एम्प्लॉइज हेल्थ केयर ट्रस्ट ने कहा कि योजना के शुरूआती सप्ताह में ही कर्मचारियों और पेंशनरों की सक्रिय भागीदारी तथा अस्पतालों की प्रभावी सेवा से ईएचएस के सफल क्रियान्वयन के सकारात्मक संकेत मिले हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Geethanjali, W/o, JC 781976N, Nb Sub, Dhanujaya Rao Jinagam, R/o, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my name from Geethanjali to Tutiki Geetanjali, vide Affidavit No. BU 316384 dt. 20.07. 2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, Sunitha, W/o, No. 14371305Y, Ex NK (TS), Late, Bonthapuri Jayababu, R/o, Dist: Hyderabad, Telangana, changed my name from Sunitha to Bonthapuri Suneetha, vide Affidavit No. BU 316390 dt. 24.07.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

फैक्ट्री में एक इंडस्ट्रियल वर्कर की मौत

परिवार ने किया विरोध-प्रदर्शन

संगारेड्डी, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को गुम्मादिडाला मंडल के बोन्थापल्ली इंडस्ट्रियल एरिया में जीएसबी फोर्ज प्राइवेट लिमिटेड में ड्यूटी के दौरान एक इंडस्ट्रियल वर्कर की मौत हो गई। मृतक का नाम राजू प्रसाद (58) था, जो फ़ैक्ट्री में नाइट ड्यूटी पर थे। अचानक राजू गिर पड़े और बेहोश हो गए। साथ काम करने वाले कर्मचारी उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उनके परिवार के सदस्यों और साथ काम करने वाले कर्मचारियों ने शव को वापस फ़ैक्ट्री में लाकर विरोध-प्रदर्शन किया और मौत के लिए मैनेजमेंट को जिम्मेदार ठहराया। मृतक के परिवार के लिए मुआवजे की मांग करने के साथ-साथ उन्होंने घटना की जांच की भी मांग की है।

तलसानी ने बोनालू व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सनतनगर के बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने शनिवार को उज्जैनी महाकाली बोनालू उत्सव की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को 2 और 3 अगस्त को होने वाले समारोहों के लिए पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने मंदिर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ उत्सव के संचालन और व्यवस्थाओं के संबंध में समीक्षा बैठक की।

लाखों श्रद्धालुओं के आने की आशंका पर जोर देते हुए, बीआरएस नेता ने पलाहारम जुलूस के समापन तक पुलिस बल बढ़ाने, अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाने और व्यापक यातायात व्यवस्था लागू करने का आह्वान किया। देवी महाकाली के आशीर्वाद से अच्छी बारिश की कामना करते हुए, तलसानी ने सभी विभागों से त्योहार के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन के लिए समन्वय करने का आग्रह किया।

एनकाउंटर में 50,000 का इनामी बदमाश विपुल उर्फ 'खूनी' ढेर

बागपत, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस और मेरठ एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में 50 हजार रुपये का इनामी कुख्यात बदमाश विपुल उर्फ खूनी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई को पुलिस ने बड़ी कामयाबी बताया है। मारे गए बदमाश पर हत्या, लूट, डकैती, गैंगस्टर समेत 38 से अधिक संगीन मुकदमे दर्ज थे। वह लंबे समय से फरार चल रहा था और शामली पुलिस ने उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने बताया कि मारा गया बदमाश विपुल उर्फ खूनी पुत्र नेत्रपाल सिंह, थाना कांधला क्षेत्र के भभीसा गांव का निवासी था। वह कुख्यात सुशील मूंछ गैंग का सक्रिय सदस्य और शार्प शूटर माना जाता था। पुलिस को उसकी काफी समय से तलाश थी। एसपी ने कहा कि बागपत पुलिस और मेरठ एसटीएफ को उसके सिंघावली अहीर क्षेत्र में होने की सूचना मिली थी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में नई एसआईटी होगी गठित

आईजी किरण एस का पैनल में है नाम

अयोध्या, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी और गबन मामले को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है, इस मामले की जांच के लिए जल्द ही नई विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन हो सकता है। लखनऊ रेंज के आईजी किरण एस की अध्यक्षता में नई एसआईटी का गठन हो सकता है। लखनऊ आईजी किरण एस लखनऊ मंडलायुक्त की अध्यक्षता वाली एसआईटी के सदस्य हैं।

वहीं, सूत्रों का दावा है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने नई एसआईटी के गठन की सारी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बताते चलें कि अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी और गबन मामले में सोमवार (27 जुलाई 2026) सुनवाई होनी है। योगी सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर नई विशेष जांच टीम (एसआईटी) के गठन के लिए तीन आईपीएस अधिकारियों के नाम

अदालत के सामने प्रस्तुत कर सकती है।

आपको बता दें कि, राम मंदिर चोरी मामले में उत्तर प्रदेश सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने 20 जुलाई को सुनवाई को दौरान आपराधिक और चोरी के मामलों की तकनीकी जांच में पुलिस अधिकारियों की भूमिका को अधिक प्रभावी मानते हुए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नेतृत्व में नई एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया था।

अभी पुलिस कर रही है मामले की जांच

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में याचिकाओं पर 13 जुलाई को नोटिस जारी किया था और यूपी सरकार से जांच की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। चीफ जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बेंच ने इसके बाद राज्य सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि मामले की जांच कौन कर रहा है? सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि अब यह जांच पुलिस कर रही है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई डबल डेकर बस; 2 की मौत

संभल, 26 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के संभल जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया है। यहां गंगा एक्सप्रेसवे पर एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि ड्राइवर को नींद आने की वजह से यह हादसा हुआ होगा। फिलहाल पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि यूपी के संभल जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर बहराइच से पंजाब जा रही एक डबल-डेकर बस डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 25 से ज़्यादा लोग घायल हो गए।

'क्या तिरंगा लहराना अपराध है?'

तेजप्रताप की गिरफ्तारी पर भड़कीं वीणा मानवी पुलिस पर परेशान करने का लगाया आरोप

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार बंद के दौरान हुई हिंसा को लेकर जनजशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजप्रताप यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस गिरफ्तारी को लेकर बांकीपुर उपचुनाव की प्रत्याशी रही वीणा मानवी ने विरोध दर्ज कराया है। हालांकि, उनका नामांकन रद हो गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन लगातार पार्टी नेताओं को परेशान कर रही है। वीणा मानवी ने कहा कि 13 तारीख से हमें परेशान किया जा रहा है।

बांकीपुर उपचुनाव में नामांकन के दिन उन्हें उठाया, फिर अब तेजप्रताप को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर हम थोड़ा विरोध करते हैं तो इसमें गलत क्या है। ऐसा लगता है कि पूरा बांकीपुर जिला अब जनशक्ति जनता दल पर निर्भर है। उन्होंने आगे कहा कि अगर बच्चों के बीच एक बार राष्ट्रीय ध्वज दिखाया गया, तो क्या वह अपराध था? और अगर आपकी नजर में यह अपराध था भी, तो उन्हें उसी समय वहीं से ले जाना चाहिए था।

लेकिन उन्हें तब उठाने का क्या मतलब है जब वे शाम को परिवार के साथ समय बिता रहे थे या खरीदारी के लिए जा रहे थे? मुझे भी इसके पीछे का कारण नहीं पता है। गौरतलब है कि पुलिस ने शनिवार को बिहार बंद के दौरान समर्थकों को उकसाने, कानून भंग करने और सरकारी काम में बाधा डालने और हिंसक प्रदर्शन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। तेजप्रताप को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किये जाने के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में बेउर जेल भेज दिया है। बता दें कि तेजप्रताप को गिरफ्तार पहले दीघा थाना लाया गया था। उसके बाद रात में करीब 12:15 बजे उन्हें छज्जूबाग स्थित ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के आवास पर पेश किया गया था।

घर पर था 1.28 करोड़ रुपये कैश नौकरों ने चोरी की प्लानिंग बनाकर चुराई रकम, हरदोई पुलिस ने 14 गिरफ्तार किए

हरदोई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कोतवाली शहर पुलिस, स्वाट, सर्विलांस और एसओजी की संयुक्त टीम ने शनिवार देर शाम करीब 1.28 करोड़ रुपये की चोरी के मामले का राजफाश करते हुए 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो बाल अपचारियों को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया है। आरोपियों के पास से चोरी के 1,28,99,310 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। रेलवेगंज निवासी पंकज अग्रवाल ने 17 जुलाई को कोतवाली शहर में तहरीर देकर बताया था कि उनके घर में ही परचून की थोक दुकान संचालित होती है।

16 व 17 जुलाई की रात दुकान पर काम करने वाले शोभित सहित दो अन्य आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर घर में रखी नकदी चोरी कर ली। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने कोतवाली शहर पुलिस, स्वाट, सर्विलांस और एसओजी की संयुक्त टीम गठित की थी। सीओ सिटी अजीत सिंह ने बताया कि इस मामले की जांच पड़ताल की गई, जिसमें शोभित व अन्य दोनों आरोपियों को घर में रखे पैसे होने की जानकारी होने की बात बताई। इन लोगों ने दीपक साहू, सनी गुप्ता, अमान, जय शुक्ला, विशाल उर्फ गोलू, बदन, परम किशोर, केशव, शिवम, सनी वाल्मीकि, प्रिंस और महफूज उर्फ लाली व नीरज को गिरफ्तार किया है।

तेज प्रताप की गिरफ्तारी पर तेजस्वी यादव का पहला रिएक्शन

'चेतावनी देते हैं कि रिहा नहीं किया जाता है तो बड़ा आंदोलन करेंगे'

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में छात्र आंदोलन में शामिल हुए जेजेडी के चीफ तेज प्रताप यादव को बीते शनिवार की रात पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तारी के बाद आज (रविवार) तेजस्वी यादव पटना पहुंचे तो उन्होंने इस पर प्रतिक्रया दी। तेजस्वी यादव ने कहा कि जिन छात्रों ने पेपर लीक को लेकर आंदोलन किया है उन सभी लोगों को हम धन्यवाद देते हैं। उन लोगों ने अपने बेहतर भविष्य के लिए लड़ाई लड़ी है। इसमें विपक्षी दलों ने भी समर्थन किया है।

इस लड़ाई में हम लोग भी शामिल हुए। तेजस्वी यादव ने कहा, सवाल खड़ा होता है कि कल (शनिवार) जो समझौता हुआ कि जितने भी लोगों को पर मुकदमा हुआ है इस आंदोलन में चाहे जिन राज्यों में ये आंदोलन हुआ है, वो वापस लिया जाएगा... बिहार लोकतंत्र की जननी है। बिहार देश को राह दिखाता है। बिहार के हर जिलों में जिस प्रकार से सरकार और पुलिस ने कार्रवाई की, सैकड़ों छात्रों को हिरासत में लिया गया, गलत धाराओं में मुकदमा किया गया, जब तय हो गया कि जितने भी आंदोलनकारी हैं उनके ऊपर से मुकदमा वापस लिया जाएगा तो बिहार में जबरन केस कर जेल में डाला जा रहा है... तेजस्वी यादव ने कहा, हमारे कई विधायक को उठाया गया। माले के विधायक सौरभ को उठाया गया। हमारे बड़े भाई तेज प्रताप को गिरफ्तार किया गया।

धाराएं लगाई गईं। आग्रह नहीं चेतावनी देते हैं कि जिन्हें जेल में डाला गया है, जो छात्र हैं, उनसे मुकदमा वापस लिया जाए। रिहा किया जाए। नहीं किया जाता है तो हम लोग बड़ा आंदोलन करेंगे। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर भी हमला किया। उन्होंने कहा, बिहार के मुख्यमंत्री के चेहरे पर न वोट मिला... ना चेहरे पर वोट हुआ... ना काम पर वोट मिला... जो सड़कछाप गुंडा है। दुर्भाग्य है कि पुलिस को भी गुंडा बनाने का काम किया गया। कल छात्रों पर एके-47 से गोली चलाई गई...

जंगल में खौफनाक मंजर 20 किलो के अजगर ने निगला मोर

संभल, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले से वन्यजीवों से जुड़ी एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। गुन्नौर तहसील के गंगावास गांव के जंगल में करीब आठ फुट लंबे अजगर ने राष्ट्रीय पक्षी मोर का शिकार कर लिया। खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने जब यह भयावह दृश्य देखा तो इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। हालांकि, वन विभाग की टीम के पहुंचने तक मोर की मौत हो चुकी थी। करीब पांच बजे ग्रामीण अपने खेतों में काम कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर एक विशाल अजगर पर पड़ी, जिसने मोर को अपने मजबूत कुंडल में जकड़ रखा था।

मोर खुद को छुड़ाने की कोशिश करता रहा, लेकिन अजगर की पकड़ इतनी मजबूत थी कि वह बच नहीं सका। यह दृश्य देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई और लोगों की भीड़ जंगल की ओर जमा हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक अजगर की लंबाई करीब आठ फुट और वजन लगभग 20 किलोग्राम था। इतना विशाल अजगर देखकर लोग काफी सहम गए। इस दौरान किसी ग्रामीण ने पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

बीजेपी के फायरब्रांड नेता हरिभूषण ठाकुर बचौल को जान से मारने की धमकी पटना के थाने पहुंचे पूर्व विधायक

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अपने बयानों को लेकर अक्सर राजनीतिक सुर्खियों में रहने वाले भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद उन्होंने पटना के पाटलिपुत्र थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने और मामले की जांच की मांग की है। पुलिस ने आवेदन मिलने के बाद कॉल डिटेल और संबंधित मोबाइल नंबर की जांच शुरू कर दी है। पाटलिपुत्र थानेदार को दिए गए आवेदन में हरिभूषण ठाकुर बचौल ने बताया है कि 25 जुलाई की रात वह सिद्धेश्वर नगर स्थित ग्रीन हेरिटेज अपार्टमेंट के सी-ब्लॉक के फ्लैट संख्या-206 स्थित अपने आवास पर मौजूद थे। रात करीब 8:46 बजे उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। इसके कुछ ही देर बाद उनके दूसरे मोबाइल नंबर पर भी उसी व्यक्ति ने कॉल किया। बचौल के अनुसार, कॉल रिसीव करते ही दूसरी ओर से मौजूद व्यक्ति ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉल करने वाला लगातार आपत्तिजनक बातें करता रहा और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देता रहा। हरिभूषण ठाकुर बचौल ने पुलिस से मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित की पहचान करने तथा उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

प्रशांत किशोर ने दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम बांकीपुर उपचुनाव को लेकर लगाया गंभीर आरोप

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव में एक बार फिर जीविका दीदियों का इस्तेमाल किया जा रहा है और वे बीजेपी के पक्ष में काम कर रही हैं। किशोर ने कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में भी जीविका का दुरुपयोग किया गया था। प्रशांत किशोर ने पटना डीएम के सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की गई मतदाता जागरूकता अभियान की तस्वीर का जिक्र करते हुए कहा कि उसमें जीविका दीदियों के साथ बीजेपी का झंडा दिख रहा है।

उन्होंने इसे चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन बताया और कहा कि यह तस्वीर जीविका दीदियों के दुरुपयोग को साबित करती है। किशोर ने बताया कि उन्होंने चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 24 घंटे के अंदर पूरी चुनावी प्रक्रिया से जीविका दीदियों को दूर नहीं किया गया तो वे चुनाव आयोग के सामने धरने पर बैठेंगे। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि पार्टी बांकीपुर में चुनाव हार रही है, इसलिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रही है। बता दें कि बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर सियासी गर्मी बढ़ गई है।

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष जीविका दीदियों जैसी ग्रामीण महिलाओं की स्व-सहायता समूहों को चुनावी लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि दीदियां मतदाताओं को प्रभावित करने और बीजेपी के पक्ष में प्रचार करने का काम कर रही हैं, जो निष्पक्ष चुनाव की भावना के खिलाफ है। प्रशांत किशोर ने पटना डीएम की पोस्ट को लेकर सवाल उठाया कि सरकारी कार्यक्रम में बीजेपी का झंडा कैसे लग सकता है। उन्होंने इसे साजिश बताया और कहा कि यह स्पष्ट रूप से सत्ता का दुरुपयोग है। जन सुराज ने चुनाव आयोग से तुरंत कार्रवाई की मांग की है। बीजेपी की ओर से अभी तक इस आरोप पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। बांकीपुर उपचुनाव में सभी पार्टियां जोर-शोर से प्रचार में जुटी हुई हैं।

'मैं लॉरेंस गैंग से बोल रहा हूं', व्हाट्सएप पर फोटो लगाकर मांगी एक करोड़ की रंगदारी; दहशत में परिवार

मुजफ्फरपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई है। रंगदारी की रकम नहीं देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तस्वीर लगे व्हाट्सएप नंबर से यह रंगदारी साहेबगंज के जिला पार्षद एवं स्कूल संचालक राजेश सहनी से मांगी गई है। इस संबंध में पीड़ित राजेश सहनी ने साहेबगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एक करोड़ रुपये की रंगदारी की धमकी के बाद जिला पार्षद राजेश सहनी और उनका पूरा परिवार दहशत में है। पूरा मामला साहेबगंज थाना क्षेत्र का है, जहां वर्तमान जिला पार्षद एवं स्कूल संचालक राजेश सहनी से बदमाशों ने एक करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की। बदमाशों ने शुक्रवार रात व्हाट्सएप के माध्यम से धमकी भरा संदेश भेजा। माधोपुर हजारी निवासी राजेश सहनी ने साहेबगंज थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में बताया कि उनके मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप नंबर से संदेश आया। उस व्हाट्सएप प्रोफाइल पर लॉरेंस बिश्नोई की तस्वीर लगी हुई थी।

आरजेडी को एक और झटका

तेजस्वी से नाराज लालू यादव के करीबी अर्जुन राय ने छोड़ी पार्टी, अब बीजेपी में होंगे शामिल

मुजफ्फरपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री सह सीतामढ़ी के पूर्व सांसद अर्जुन राय ने पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है। रविवार को मुजफ्फरपुर के चांदनी चौक स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने बताया कि तेजस्वी का राजद और लालू यादव कि नीतियो से दूर चला गया है जिससे वह सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे। अर्जुन राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और बिहार भाजपा के प्रदेश नेतृत्व की कार्यशैली से प्रभावित होकर उन्होंने यह निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि देश और बिहार के विकास को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है। प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले की सराहना करते हुए इसे ऐतिहासिक निर्णय बताया। इसके साथ ही अर्जुन राय ने बिहार में पंचायत चुनाव से पहले प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का भी स्वागत किया और कहा कि सरकार जनहित में लगातार बेहतर कार्य कर रही है।

अर्जुन राय के राजद छोड़कर भाजपा में जाने के फैसले को बिहार की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनके इस कदम का असर विशेष रूप से उत्तर बिहार के चुनावी समीकरणों पर पड़ सकता है। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र इस राजनीतिक बदलाव को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

'देर आए, दुरुस्त आए'

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बोले बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गई हैं, धर्मेंद्र प्रधान के केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफे पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने प्रतिक्रिया दी है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "देर आए, दुरुस्त आए। धर्मेंद्र प्रधान ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है।" बीजेपी नेता मुरली मनोहर जोशी ने छात्रों को उनके आंदोलन के 'शांतिपूर्ण समापन' के लिए बधाई दी। दिल्ली के जंतर-मंतर में छात्रों का आंदोलन समाप्त होने पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने कहा, "मैं आंदोलन को शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त करने के लिए सभी छात्रों की सराहना करता हूं और उन्हें बधाई देता हूं। मुझे उम्मीद है कि अब भारतीय शिक्षा जगत में जल्द ही शांति स्थापित होगी और युवाओं को अपने उज्ज्वल भविष्य व तरक्की के लिए भरपूर अवसर मिलेंगे।" नीट पेपर लीक विवाद को लेकर बढ़ते दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपना इस्तीफा दे दिया। केंद्र सरकार ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हफ्तों तक चले आंदोलन की मुख्य मांग मान ली है। राष्ट्रीय राजधानी से यह आंदोलन देश के कई हिस्सों तक फैल गया था। इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने अपने बयान में कहा कि पिछले 10 दिनों के घटनाक्रम से उन्हें "गहरा दुख" पहुंचा है और यह मुद्दा "व्यक्तिगत प्रतिष्ठा" का विषय नहीं है। आपको बता दें कि बीते दिनों जोशी ने छात्रों के प्रदर्शन को पीड़ादायी बताया था। मुरली मनोहर जोशी ने कहा था कि, यह देखना अत्यन्त पीड़ादायक है कि देश के विभिन्न भागों से आए युवा छात्र कई दिनों से नई दिल्ली की सड़कों पर एकत्रित हैं।

'इस्तीफे से नहीं, राष्ट्रीय नीति से होगा समाधान' पेपर लीक के मुद्दे पर बोले पूर्व सांसद धनंजय सिंह

गोंडा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा पहुंचे जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने पेपर लीक के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाएं लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ा गंभीर मामला हैं और इसका समाधान केवल किसी मंत्री के इस्तीफे से नहीं, बल्कि मजबूत राष्ट्रीय नीति से ही संभव है। उन्होंने केंद्र सरकार से सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक कर स्थायी व्यवस्था बनाने की मांग की। एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पर गोंडा पहुंचे पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि चाहे केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, पेपर लीक की घटनाएं बेहद दुखद हैं। इससे लाखों परीक्षार्थियों का भविष्य प्रभावित होता है और युवाओं में निराशा का माहौल बनता है। उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन के बाद इस्तीफा हुआ है, लेकिन केवल इस्तीफा देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। सरकार को ऐसी ठोस और प्रभावी नीति बनानी होगी जिससे भविष्य में पर्चा लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लग सके। धनंजय सिंह ने दावा किया कि पिछले 35 सालों में सीडीएस और एनडीए जैसी परीक्षाओं के पेपर लीक नहीं हुए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन की जिम्मेदारी सेना को सौंपने पर भी विचार किया जाना चाहिए, ताकि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी बनाई जा सके। पूर्व सांसद ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग उठाना छात्रों का अधिकार है और सरकार की जिम्मेदारी है कि वह जनता के सवालों का जवाब दे।

उन्होंने कहा कि जनता की भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। हालांकि उन्होंने सरकार द्वारा जनता की भावनाओं का सम्मान करने पर बधाई भी दी, लेकिन साथ ही दोहराया कि अब जरूरत स्थायी समाधान की है, ताकि आने वाले समय में किसी भी प्रतियोगी परीक्षा पर सवाल न उठे और युवाओं का भरोसा बना रहे।

फर्रुखाबाद के भाजपा सांसद और उनकी बहन पर दर्ज होगी एफआईआर

कोर्ट ने दिया आदेश; मकान हड़पने और लूट का आरोप

कासगंज, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मकान हड़पने, मारपीट करने और कीमती सामान व जेवर लूटने के मामले में एमपी-एमएलए न्यायालय ने सहावर थाना पुलिस को फर्रुखाबाद से भाजपा सांसद मुकेश राजपूत, उनकी बहन रीना राजपूत व अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना करने का आदेश दिया है। मामला सांसद की बहन और उनके ससुराल पक्ष से जुड़ा हुआ है। अदालत ने यह आदेश 69 वर्षीय सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य लक्ष्मण सिंह की ओर से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173(4) के तहत दाखिल प्रार्थना पत्र की सुनवाई करने के बाद दिया। लक्ष्मण सिंह ने अदालत को बताया कि लक्ष्मीपुर गांव के अलावा उनका एक मकान अवंतीबाई नगर, सहावर में भी है, जिसमें उनका परिवार रहता था। इस मकान के भूतल पर उनका बेटा रविंद्र अपनी पत्नी रीना राजपूत के साथ रहता था।

आरोप है कि 7 सितंबर 2025 की रात को सांसद मुकेश राजपूत और उनकी बहन रीना राजपूत ने षड्यंत्र रचकर उनके मकान पर कब्जा कर लिया और उनके बेटे रविंद्र को घर से बाहर निकाल दिया। पीड़ित ने बताया कि जब यह कब्जा किया गया, तब वहां करीब 50 लोग मौजूद थे।

इनमें सांसद की पत्नी, परिवार के अन्य लोग, सांसद की कार का चालक और गनर भी शामिल थे। ये लोग रीना के कहने पर फर्रुखाबाद और एटा से आए थे। इन लोगों ने घर के ताले तोड़कर लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर लूट लिए। साथ ही, घर में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए और डीवीआर भी उखाड़ ले गए। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में स्थानीय पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन सांसद के दबाव के कारण पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, बल्कि उल्टे पीड़ित पक्ष के खिलाफ ही कार्रवाई करते हुए उन्हें और उनके बेटे राजेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

गुजरात, महाराष्ट्र–ओडिशा में बारिश का रेड अलर्ट

असम में बाढ़ से 7 लाख लोग प्रभावित, 66 मौतें; हिमाचल में लैंडस्लाइड से 134 सड़कें बंद

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से बने लो प्रेशर और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से गुजरात, बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश हो रही है। लेकिन यह बारिश अब भी सामान्य से 16.1% कम है। उत्तर भारत में 31 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में तेज बारिश की संभावना है। हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब समेत कई राज्यों में भारी बारिश होगी। इधर, असम में बाढ़ के हालात अब भी गंभीर हैं। अब तक 66 की मौत हो चुकी है। 7 लाख से ज्यादा लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से 134 सड़कें बंद हैं।

4 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, बिहार के 17 जिलों में यलो अलर्ट है। इन जिलों में 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मध्य प्रदेश के शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश का अलर्ट है। इन जिलों में 4 इंच या उससे ज्यादा बारिश हो सकती है। वहीं, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर समेत 50 जिलों में हल्की बारिश और बादल छाए रहने का अनुमान है। आईएमडी ने अगले 4 दिन कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

उत्तराखंड में आज मानसून सक्रिय है। देहरादून, उत्तरकाशी, नैनीताल और पिथौरागढ़ में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। सभी पर्वतीय जिलों में बिजली गिरने और तेज बारिश की चेतावनी है। उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड से गंगोत्री-यमुनोत्री हाईवे पर मलबा आ गया, जिससे यातायात प्रभावित रहा। वहीं, पिथौरागढ़ में 16 सड़कें बंद हो गईं।

छत्तीसगढ़ के कोरबा में धान की रोपाई के दौरान खेत में बिजली गिरने से 3 किसानों की मौत हो गई। हादसे के वक्त 25-30 किसान खेत में काम कर रहे थे। वहीं, पश्चिम बंगाल तट पर बने लो प्रेशर एरिया के असर से प्रदेश में अगले 3 दिन हल्की से भारी बारिश और कई जगह बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है। इस सीजन में सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 59% सबसे ज्यादा और सरगुजा में 49% सबसे कम बारिश दर्ज हुई है।

हरियाणा में अगले दो दिन मानसून की रफ्तार धीमी रहेगी। आईएमडी के मुताबिक, सिरसा, हिसार, भिवानी, रोहतक समेत पश्चिमी और मध्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा, जबकि पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और एनआरसी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। 27 जुलाई की रात से मौसम फिर बदलेगा। 28-29 जुलाई को प्रदेश में मानसून दोबारा सक्रिय होगा। कई जिलों में तेज बारिश, आकाशीय बिजली और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है।

चंद्रमा से आया नया सबूत

50 वर्ष पुराना महाविनाश का सिद्धांत सवालों के घेरे में, उल्कापिंडों पर क्या पता लगा?

वाशिंगटन, 26 जुलाई (एजेंसियां)। चंद्रमा के शुरुआती इतिहास को लेकर वैज्ञानिकों की 50 वर्षों से चली आ रही अवधारणा अब नए सिरे से जांच के दायरे में आ गई है। चीन के चांग-ई-6 मिशन द्वारा पहली बार चंद्रमा के पृथ्वी से हमेशा छिपे रहने वाले दूरस्थ (फारसाइड) हिस्से से लाए गए चट्टानी नमूनों के अध्ययन में ऐसे प्रमाण मिले हैं। इसने लेट हेवी बॉम्बार्डमेंट सिद्धांत पर गंभीर सवाल खड़े किए। इसके अनुसार, चंद्रमा पर उल्कापिंडों की टक्करें किसी छोटे और विनाशकारी दौर में नहीं, बल्कि अरबों वर्षों तक धीरे-धीरे होती रहीं। शोधकर्ताओं ने कहा, यदि आगे के शोध भी इसकी पुष्टि करते हैं, तो न केवल चंद्रमा के विकासक्रम बल्कि प्रारंभिक पृथ्वी व जीवन की उत्पत्ति से जुड़ी वैज्ञानिक समय-रेखा पर भी नए सिरे से विचार करना पड़ सकता है। शोधकर्ताओं ने प्रभाव के कारण पिघली 28 सूक्ष्म चट्टानी संरचनाओं का विश्लेषण किया।

इनमें से कुछ नमूनों की आयु के संकेत 4.33 अरब वर्ष पुराने आंके गए, जबकि अन्य की आयु 1.13 अरब वर्ष तक की मिली। तीन नमूनों की आयु लगभग 4.16 अरब वर्ष निकली। चांग-ई-6 के नमूनों में वैज्ञानिकों को लगभग 3.9 अरब वर्ष पहले की टक्करों का कोई बड़ा समूह नहीं मिला। यानी नए अध्ययन में महाविनाशकारी दौर का कोई खास प्रमाण नहीं मिला है।

ग्वालियर से गुजरात भेजी गई 912 पेटी बीयर व शराब इंदौर में पकड़ी, 5 आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में शराब तस्करी के एक हाईटेक माड्यूल का पर्दाफाश हुआ है। इंदौर पुलिस ने पांच तस्करों को गिरफ्तार कर ट्रक से 912 पेटी बीयर और अंग्रेजी शराब जब्त की है। इसकी कीमत करीब 55 लाख रुपये आंकी गई है। तस्कर अपनी असली पहचान छिपाने के लिए वर्चुअल नंबरों का उपयोग करते थे और जीपीएस से ट्रक की निगरानी करते थे। पुलिस गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ट्रक के आगे पायलट वाहन चलता था।

जानकारी के अनुसार, आरोपित शराब गुजरात ले जा रहे थे, उन्होंने पुलिस को बताया कि शिवपुरी के माफिया मोनू ने यह शराब इंदौर के राऊ गोल चौराहा ले जाने के लिए कहा था, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर पहले ट्रक चालक आकाश और उसके साथी राहुल को एचआर रिसोर्ट के पास पकड़ा। फिर कार रुकवाकर उसमें सवार दीपांशु, नीतेश और विजय को गिरफ्तार कर लिया।

145 किमी प्रति घंटे की स्पीड से चीन पर तूफानी आफत

साढ़े 3 लाख लोगों का रेस्क्यू, कई उड़ानें रद्द

हांगकांग, 26 जुलाई (एजेंसियां)। टाइफून नोल रविवार सुबह दक्षिणी चीन (हांगकांग सहित) के तट से टकराया और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश लेकर आया। इसके कारण ग्वांगडोंग प्रांत में लाखों लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाना पड़ा, इलाके में हाई अलर्ट जारी किया गया और दर्जनों उड़ानें रद्द कर दी गईं। चीन के राष्ट्रीय मौसम केंद्र ने बताया कि नोल रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 3:50 बजे दक्षिणी ग्वांगडोंग प्रांत के हुइझोउ शहर के हुइडोंग काउंटी के तट पर पहुंचा।

हांगकांग वेधशाला ने बताया कि नोल, जिसके केंद्र के पास हवा की अधिकतम गति 145 किमी/घंटा (90 मील/घंटा) थी, रविवार को ग्वांगडोंग के अंदरूनी इलाकों की ओर बढ़ रहा था और धीरे-धीरे कमज़ोर पड़ रहा था। इसकी वजह से इलाके के कुछ हिस्सों में तेज

हवाएं और भारी बारिश ला रहा था। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, दोपहर तक ग्वांगडोंग प्रांत में सुरक्षा के लिए 3 लाख 40 हजार से ज्यादा लोगों को दूसरी जगहों पर पहुंचाया गया था। चाइना न्यूज सर्विस के अनुसार, प्रांत में रविवार के लिए ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी गई थीं। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र को उम्मीद थी कि वीकेंड में दक्षिणी ग्वांगडोंग और दक्षिण-पूर्वी फुजियान प्रांतों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और तेज हवाएं चलेंगी। हांगकांग एयरपोर्ट की वेबसाइट पर दिखाया गया कि रविवार के लिए 150 से ज़्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। स्थानीय पुलिस ने बताया कि जैसे ही नोल हांगकांग के करीब पहुंचा, दोपहर एक ऊंची इमारत पर लगा बड़ा मचान गिर गया। पुलिस ने यह भी कहा कि शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार किसी के घायल होने की खबर नहीं है। ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन ने बताया कि नोल दक्षिणी और पूर्वी ताइवान के कुछ हिस्सों में बारिश ला रहा था। यह ताइवान के दक्षिण में समुद्र के ऊपर से गुजर रहा था और शनिवार को द्वीप से दूर जा रहा था।

इस महीने की शुरुआत में, टाइफून बावी पूर्वी चीन में तेज हवाएं और बारिश लेकर आया था, जिसके कारण 20 लाख से ज़्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाना पड़ा था। यह 11 जुलाई को तट से टकराया था। एक और टाइफून, मेसाक, 3 जुलाई को दक्षिणी चीन में तट से टकराया था।

सूरत में मछुआरों ने नदी में मछली पकड़ने के लिए फेंका था जाल, फंस गया मगरमच्छ का बच्चा, मचा हड़कंप

सूरत, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सूरत के अमरोली छपराभाठा क्षेत्र में मछली पकड़ने गए मछुआरों के जाल में मगरमच्छ का बच्चा फंस गया, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। इसके बाद मगरमच्छ के बच्चे को रेस्क्यू कर वन विभाग को सौंपा गया। सूरत की तापी नदी किनारे मछली पकड़ने के लिए डाले गए जाल में करीब 3 फुट लंबा मगरमच्छ का एक बच्चा फंस गया। सूचना मिलते ही ग्रीन गार्डियन ग्रुप की टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षित रेस्क्यू कर वन विभाग को सौंप दिया। सूरत के अमरोली छपराभाठा क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब मछुआरों ने नदी से जाल खींचा तो उसमें मछलियों की जगह मगरमच्छ का बच्चा फंसा मिला। जाल में फंसा शावक छटपटा रहा था, जिसे देखकर आसपास बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। घटना की सूचना स्थानीय मगरमच्छ रेस्क्यू टीम को दी गई। सूचना मिलते ही संस्था के स्वयंसेवक रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचे और सावधानी पूर्वक मगरमच्छ के बच्चे को बिना किसी चोट के जाल से बाहर निकाला।

नेपाल में फिर चलेंगे 200-500 के भारतीय नोट, 25,000 रहेगी सीमा, शर्तें भी लागू

काठमाण्डु, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और सबसे ज्यादा पर्यटक भी भारत से ही नेपाल आते हैं। हजारों नेपाली लोग भारत में काम करते हैं, पढ़ते हैं और व्यापार भी करते हैं। ऐसे में नेपाल सरकार ने नया नोटिस जारी किया है जिसमें कहा गया है कि नेपाली नागरिक और विदेशी पर्यटक 5,000 अमेरिकी डॉलर तक बिना कस्टम में घोषणा किए नेपाल ला सकते हैं। 5,000 डॉलर से ज्यादा रकम लाने पर उसे कस्टम अधिकारी को जरूर बताना होगा।

नेपाल ने भारतीय और नेपाली नागरिकों को 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट 25,000 रुपये तक की कीमत में देश में लाने या ले जाने की इजाजत दे दी है, बशर्ते वे 9 नवंबर, 2016 को या उसके बाद जारी किए गए हों। इसके साथ ही 2016 से पहले जारी किए गए 500 और 1,000 रुपये के भारतीय नोट नेपाल में प्रतिबंधित रहेंगे। नए नियमों को स्पष्ट करते हुए, एनआरबी के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने शनिवार को कहा कि नेपाली नागरिक भारत के अलावा किसी अन्य देश से नेपाल में भारतीय मुद्रा नहीं ला सकते हैं।

इसी तरह, वे भारत को छोड़कर नेपाल से किसी तीसरे देश में भारतीय मुद्रा नहीं ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि नए प्रावधान से नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों और भारत के साथ व्यापार और कारोबार करने वाले नेपाली नागरिकों को आसानी होगी। उन्होंने कहा कि ये कदम दोनों पड़ोसी देशों के बीच भारतीय मुद्रा की आवाजाही पर लगी पाबंदियों को आसान बनाता है, जिनके बीच लोगों के बीच करीबी संबंध हैं और खुली सीमा है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि नेपाली नागरिक और विदेशी पर्यटक बिना कस्टम घोषणा किए 5,000 अमेरिकी डॉलर या अन्य विदेशी मुद्राओं में इसके बराबर की राशि नेपाल ला सकते हैं। 5,000 अमेरिकी डॉलर से ज्यादा की राशि आने पर कस्टम को घोषित करनी होगी। भारत ने 8 नवंबर, 2016 को 500 और 1,000 रुपये के नोट बंद कर दिए थे। इनकी जगह नए डिजाइन वाले 500 रुपये के नोट और 2,000 रुपये के नए नोट लाए गए थे, जिन्हें बाद में चलन से हटा लिया गया।

नाटो के मिलिट्री हेडक्वार्टर में जासूसी? कनाडा की महिला इंटर्न को बेल्जियम में किया गया गिरफ्तार

ब्रसेल्स, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बेल्जियम के अधिकारियों ने बताया कि नाटो मिलिट्री अलायंस के ऑपरेशनल हेडक्वार्टर में इंटर्न के तौर पर काम कर रही एक कनाडाई महिला को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बेल्जियम के फेडरल प्रॉसिक्यूटर ऑफिस ने कहा कि नाटो की सिक्योरिटी सर्विस से बेल्जियम की मिलिट्री इंटेलिजेंस को जानकारी मिलने के बाद जासूसी की जांच शुरू की गई। इसके बाद अधिकारियों ने चीनी मूल की एक कनाडाई नागरिक को हिरासत में लिया। इससे एक दिन पहले संदिग्ध के घर और नाटो के बड़े कमांड सेंटर में उसके काम करने की जगह पर छापेमारी की गई थी। प्रॉसिक्यूटर ने एक बयान में कहा, उस पर किसी तीसरे देश के लिए जासूसी करने और एक क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन की सदस्य होने का शक है। बता दें कि एलाइड पावर्स का स्ट्रैटेजिक हेडक्वार्टर, जिसे आकार के नाम से जाना जाता है, बेल्जियम के दक्षिणी शहर मॉन्स में फ्रांस की सीमा के पास स्थित है। आकार में मिलिट्री अधिकारी जॉइंट स्ट्रैटेजी, टैक्टिक्स और ऑपरेशन की योजना बनाते हैं और उन्हें कमांड करते हैं।

लाल सागर में तनाव बरकरार

हूतियों ने सऊदी तेल टैंकर को बनाया निशाना, जहाजों पर भी मंडरा रहा खतरा

न्यूयॉर्क, 26 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों से लगातार खतरों के बावजूद दर्जनों जहाज संकरी बाब अल-मंडेब स्ट्रेट से गुजर रहे हैं। शिपिंग डेटा विश्लेषण से ये जानकारी सामने आई है। हालांकि रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि संघर्ष और समुद्री सुरक्षा को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के कारण कई जहाजों को अपना रास्ता बदलना पड़ रहा है और अपनी यात्रा पूरी करने से पहले ही यू-टर्न लेना पड़ रहा है। पिछले हफ़्ते हूती विद्रोहियों ने कम से कम तीन तेल टैंकरों को निशाना बनाया। इनमें से सबसे हालिया हमला शुक्रवार को हुआ।

लाल सागर में किसी भी तरह की लगातार रुकावट से ग्लोबल व्यापार को एक और झटका लग सकता है, जो पहले से ही मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के दबाव से जूझ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही लड़ाई अब अपने पांचवें महीने में है। इसके चलते होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाला आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यह एक अहम समुद्री रास्ता है, जिसके जरिए पहले दुनिया की कुल तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता था। मिडिल ईस्ट तनाव और हमलों के बीच सऊदी अरब रोजाना लाखों बैरल कच्चा तेल एक जमीनी पाइपलाइन के जरिए भेज रहा है, जो फारस की खाड़ी को लाल सागर से जोड़ती है। इस कच्चे तेल का एक बड़ा हिस्सा बाद में बाब-अल-मंडेब स्ट्रेट से गुजरता है,

जो हूती-नियंत्रित इलाके के पास स्थित एक संकरा और अहम रास्ता है। इस वैकल्पिक सप्लाई लाइन पर खतरा बढ़ गया है, क्योंकि इस हफ़्ते की शुरुआत में हूतियों ने सऊदी अरब से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की योजना का ऐलान किया था। डेटा से पता चला कि समुद्री गतिविधियों में एक समान रूप से कमी नहीं आई है। गुरुवार को 43 जहाजों ने बाब अल-मंडेब को पार किया, जो पिछले दिन के 35 जहाज़ों की तुलना में अधिक था। यह तब हुआ, जब हूतियों ने सऊदी तेल टैंकरों पर हमलों की जिम्मेदारी ली थी। शुक्रवार को लाल सागर में सऊदी-संबद्ध एक जहाज को भी निशाना बनाया गया। अधिकारियों ने मामूली नुकसान की पुष्टि की और बताया कि कोई हताहत नहीं हुआ, जिससे जहाज अपने रास्ते पर आगे बढ़ सका।

कबाड़ बिनने वालों ने की थी बिल्डर के घर चोरीः 5 करोड़ की चोरी का 3 दिन में खुलासा

बिलासपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बिल्डर के घर पर 20 तोला सोना और कीमती पत्थर समेत करीब पांच करोड़ की चोरी की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी रजनेश सिंह ने एसीसीयू और सिविल लाइन पुलिस को टीम बनाकर चोरों को पकड़ने के निर्देश दिए। तीन दिन तक चली जांच के बाद पुलिस ने मामले में तीन नाबालिग को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में चोरी के ज्यादातर सामान बिल्डर के घर पर ही मिल गए। वहीं, पुलिस ने चोरों के कब्जे से एक लाख छह हजार 635 रुपये और चोरी के सामान जब्त किए हैं। आरोपित को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश करने कार्रवाई की जा रही है। सीएसपी निमितेष सिंह ने बताया कि बिल्डर रजनिश सेठ 18 जुलाई को परिवार के साथ ऋषिकेश घुमने गए थे।

घर की देखरेख एक गार्ड के जिम्मे था। गार्ड ने घर के पीछे विंडो एसी को निकला देखकर मकान मालिक को सूचना दी। तब मकान मालिक के रिश्तेदार वहां पहुंचे। इधर मकान मालिक ने वीडियो काल पर मकान को देखकर करीब 20 तोला सोना और कीमती पत्थर समेत करीब पांच करोड़ का सामान चोरी होने की बात कही।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर जम्मू-कश्मीर में सियासत तेज

एनसी, पीडीपी और कांग्रेस ने बताया युवाओं की जीत

श्रीनगर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का जम्मू-कश्मीर की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों ने स्वागत किया है। पीडीपी, ने आज नेशनल कान्फ्रेंस और कांग्रेस नेताओं ने इसे देश के युवाओं, छात्रों और लोकतांत्रिक आवाज की जीत करार दिया है। पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि प्रधान का इस्तीफा उन युवाओं की जीत है, जिन्होंने लंबे समय तक संघर्ष किया, लेकिन आंदोलन को शांतिपूर्ण बनाए रखा। महबूबा ने पत्रकारों से कहा कि छात्र कई दिनों तक कठिन परिस्थितियों में डटे रहे, लेकिन उन्होंने हिंसा का सहारा नहीं लिया। उनके अनुसार, युवाओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास दिखाते हुए देश के सामने मिसाल पेश की है। युवाओं ने धर्म और समुदाय के आधार पर विभाजन की राजनीति को खारिज किया है।

यह दिखाता है कि महात्मा गांधी के विचारों पर आधारित भारत आज भी जीवित है और आगे बढ़ रहा है। इस आंदोलन में जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी समर्थन मिला, जबकि कई बार उन्हें गलत नजरिए से देखा जाता रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश का युवा भविष्य में जम्मू-कश्मीर के मुद्दों को समझेगा और वहां के लोगों के अधिकारों की आवाज उठाएगा। महबूबा ने कहा कि प्रधान का इस्तीफा इस बात की शुरुआत है कि देश में जवाबदेही और

लोकतांत्रिक मूल्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। नेकां के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने भी इस्तीफे को छात्रों की जीत बताया। यह उन सभी विद्यार्थियों की सफलता है, जिन्होंने अपने अधिकारों और बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए आवाज उठाई। देश के छात्रों की मांगों को सुना जाना सकारात्मक कदम है।

उन्होंने उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने इस मुद्दे को लेकर संघर्ष किया और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग की। केंद्र को युवाओं की चिंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए और उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई करनी चाहिए। उनके अनुसार, छात्रों का आंदोलन व्यापक जनसमर्थन वाला और स्वाभाविक था। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हमीद करा ने भी युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि यह लाखों छात्रों और युवा अभ्यर्थियों की सामूहिक आवाज की जीत है।

नरवर किले से तोप चुराकर जमीन में गाड़ी! शातिर गिरोह का पर्दाफाश, एमपी-राजस्थान पुलिस का एक्शन

शिवपुरी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के सुप्रसिद्ध और ऐतिहासिक नरवर किले से प्राचीन तोप गायब होने के मामले में पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। मध्य प्रदेश और राजस्थान पुलिस की टीमों ने आपसी तालमेल से एक बड़ा ऑपरेशन चलाकर वारदात में शामिल दो आरोपियों को धर दबोचा है। इसके साथ ही वारदात में प्रयुक्त पिकअप लोडिंग गाड़ी को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। घटना के तुरंत बाद पुलिस टीमों ने नरवर किले के आसपास और प्रमुख रास्तों पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज खंगालने के दौरान एक संदिग्ध पिकअप गाड़ी दिखाई दी। गाड़ी की नंबर प्लेट के आधार पर पुलिस को सुराग मिला कि वाहन राजस्थान का है। इस सुराग का पीछा करते हुए पुलिस टीम राजस्थान के करौली जिले में हिंडौन सिटी के अंतर्गत आने वाले मीणा गांव पहुंची। राजस्थान में आरोपियों तक पहुंचने के दौरान पुलिस को घटना से जुड़ी चौंकाने वाली जानकारियां मिलीं। स्थानीय लोगों से गहन पूछताछ के बाद पुलिस को सूचना मिली कि आरोपियों ने तोप को जमीन में गाड़कर छिपा दिया है। सूचना के आधार पर एमपी और राजस्थान पुलिस ने संयुक्त रूप से जमीन की खुदाई कराई, हालांकि तोप अभी बरामद नहीं हो सकी है। पुलिस ने मौके से दो मुख्य संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है।

'छात्रों की सफलता ने साबित किया

सरकार को चुनौती दे सकते हैं जेन-जी', विजय मार्च में बोले राज ठाकरे

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में नीट परीक्षा के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने विजय मार्च निकाला। इस रैली के दौरान राज ठाकरे ने कहा कि छात्रों के विरोध-प्रदर्शन की सफलता ने साबित कर दिया है कि 'जेन-जी' सरकार को चुनौती दे सकती है; इस रैली में उनके चचेरे भाई उद्धव ठाकरे भी मौजूद थे। मुंबई में उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे की रैली में उन नीट परीक्षार्थियों को श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने आत्महत्या कर ली थी।

इस दौरान शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने कहा, 'युवाओं ने एक तानाशाह और तानाशाही को हिलाकर रख दिया है। यह युवाओं की ताकत है, यह नया भारत है। 'मंत्री प्रधान' से 'प्रधान मंत्री' बनने का सफर अब बहुत छोटा रह गया है। लोग नितिन गडकरी के इथेनॉल थोपने के तरीके और निर्मला सीतारमण के बयानों से नाराज़ हैं। अब यह पीढ़ी सवाल पूछेगी'। इससे कुछ दिन पहले एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उद्धव ठाकरे ने कहा कि सरकार छात्रों के साथ बेरहमी से पेश आ रही है, लेकिन अब छात्र किसी से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि छात्र अपने अधिकारों के लिए मजबूती से आवाज उठा रहे हैं।

वहीं, राज ठाकरे ने कहा कि छात्रों का आंदोलन अब बहुत बड़ा रूप ले चुका है, जिसके कारण सरकार बैकफुट पर आ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की मांगों को नजरअंदाज नहीं कर सकती। बता दें कि, 3 मई 2026 में छात्रों ने नीट पेपर लीक होने के कारण रद्द हो गए। इसके बाद 20 जून से जंतर मंतर पर सीजेपी का आंदोलन शुरू हुआ। वहीं, 28 जून से सोनम वांगचुक भी जुड़ गए। सीजेपी ने बीते 20 जुलाई को संसद चलो मार्च की अगुवाई की। इस दौरान पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज की। वहीं, गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने, मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा।

बेडशीट, फोटो फ्रेम और फ्लोर मैट में छिपाकर न्यूजीलैंड भेजी जा रही थी एफेड्रिन, 5 करोड़ की ड्रग्स जब्त

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बेडशीट, फोटो फ्रेम और फ्लोर मैट जैसे रोजमर्रा के सामान के बीच बड़ी चालाकी से छिपाकर न्यूजीलैंड भेजी जा रही करीब 11 किलो एफेड्रिन को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मुंबई में जब्त कर एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। तस्करों ने कूरियर एजेंसियों और जांच एजेंसियों को चकमा देने के लिए ड्रग्स को इस तरह पैक किया था कि सामान्य जांच में उस पर किसी को शक न हो। मामले में चेन्नई के एस। हमीद को गिरफ्तार किया गया है, जिसे इस पूरे नेटवर्क की अहम कड़ी माना जा रहा है। जब्त ड्रग्स की कीमत करीब पांच करोड़ रुपये है।

जोनल यूनिट को काफी समय से इस अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह की गतिविधियों की जानकारी मिल रही थी। जांच में सामने आया कि गिरोह का संचालन चेन्नई से किया जा रहा था, जबकि पार्सल मुंबई और पुणे जैसे शहरों से बुक कराए जाते थे ताकि शक न हो। सभी पार्सलों के लिए फर्जी पहचान और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया था और उनकी अंतिम मंजिल न्यूजीलैंड थी। 21 जुलाई को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर एनसीबी ने मुंबई के एक कूरियर सेंटर में न्यूजीलैंड भेजे जा रहे दो संदिग्ध पार्सलों को रोक लिया। जांच के दौरान इन पार्सलों में फ्लोर मैट मिले। फ्लोर मैट और उसके अंदर लगी कपड़े की परतों को अलग किया तो उनके बीच बेहद सफाई से छिपाकर रखी गई 7 किलोग्राम एफेड्रिन बरामद हुई।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 27 जुलाई - 2026

शिक्षा व्यवस्था में भरोसे की चुनौती

नीट पेपर लीक कांड के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का त्यागपत्र राजनीतिक जवाबदेही का महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर सामने आया है। विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े इस मामले में पूरे देश में जबर्दस्त आक्रोश दिखा। छात्रों के लगातार विरोध-प्रदर्शनों और बढ़ते जनदबाव के कारण अंततः सरकार को यह कदम उठाना पड़ा। इस निर्णय ने साबित कर दिया कि लोकतंत्र में जनता, विशेषकर युवाओं की आवाज को अनदेखा नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही इससे कई गंभीर प्रश्न भी खडे हो गए हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या केवल एक मंत्री का इस्तीफा उस गहरे संकट का समाधान है, जिसने देश की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को कठघरे में खड़ा कर दिया था? सरकार का पक्ष था कि जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के बीच अराजक तथा राष्ट्रविरोधी तत्व स्थिति का लाभ उठा सकते थे, इसलिए यह कदम उठाना आवश्यक था। स्वयं धर्मेंद्र प्रधान ने भी त्यागपत्र देते समय इसी आशंका का उल्लेख किया है। लेकिन यह सवाल आज भी बना हुआ है कि यदि जवाबदेही स्वीकार करनी ही थी, तो नीट पेपर लीक सामने आने के तुरंत बाद ऐसा क्यों नहीं किया गया? उस समय भी छात्रों, अभिभावकों और विपक्ष ने यही मांग उठाई थी। यदि प्रारंभिक स्तर पर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई होती, परीक्षा सुरक्षा को मजबूत किया जाता और जवाबदेही तय की जाती, तो शायद आंदोलन इतना लंबा और उग्र रूप नहीं ले पाता। विचारणीय है कि सरकार ने काफी देर बाद पेपर लीक के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई, परीक्षा प्रणाली में सुधार और जांच को तेज करने जैसे कदम उठाए, जबकि यह कदम तो बहुत पहले ही उठाया जा सकता था। शासन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन संकट आने के बाद नहीं, बल्कि संकट को समय रहते रोकने की क्षमता से होता है। शिक्षा जैसी संवेदनशील व्यवस्था में विलंब से उठाए गए कदम युवाओं का विश्वास कमजोर करते हैं। स्वाभाविक रूप से विपक्ष इस घटनाक्रम को अपनी राजनीतिक सफलता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, लेकिन उसके सामने भी कई असहज प्रश्न हैं। जिन राज्यों में विपक्ष की सरकारें हैं, विशेषकर कर्नाटक, पंजाब तथा अन्य राज्यों में भी भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक तथा अनियमितताओं के मामले सामने आते रहे हैं। यदि केंद्र में मंत्री से इस्तीफे की मांग उचित है, तो राज्यों में भी वही सिद्धांत समान रूप से लागू होने चाहिए। शिक्षा जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषय पर राजनीतिक सुविधा नहीं, बल्कि समान जवाबदेही ही लोकतंत्र की कसौटी होनी चाहिए। इसी बीच संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा से जुड़े मामलों में दर्ज एफआईआर वापस लेने पर सहमति ने भी नई बहस छेड़ दी है। लोकतांत्रिक विरोध का सम्मान आवश्यक है, लेकिन यदि हिंसा और अराजकता में शामिल तत्वों के प्रति नरमी बरती जाती है, तो इससे कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लग सकते हैं। विरोध और हिंसा के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की जिम्मेदारी है। वास्तविक समाधान केवल मंत्री बदलने में नहीं, बल्कि परीक्षा प्रणाली में व्यापक और स्थायी सुधार लागू करने में है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, अत्याधुनिक डिजिटल निगरानी, परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही, समयबद्ध जांच, दोषियों को कठोर दंड तथा पूरी प्रक्रिया में तकनीक आधारित पारदर्शिता सुनिश्चित करना अब अनिवार्य हो चुका है। नए शिक्षा मंत्री के सामने सबसे बड़ी चुनौती छात्रों का टूटा हुआ विश्वास पुनः स्थापित करना और ऐसी परीक्षा व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें प्रतिभा का मूल्य केवल योग्यता से तय हो। त्यागपत्र राजनीतिक जवाबदेही का प्रतीक अवश्य है, किंतु देश के करोड़ों युवाओं को वास्तविक न्याय तभी मिलेगा, जब शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में आमूलचूल सुधार धरातल पर दिखाई देंगे। यही इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है।

लोकतंत्र शोर से नहीं, मीडिया के सख्त सवालों से परिपक्व होगा

संजय सक्सेना

समय के साथ लोगों की सोच और नजरिया काफी बदल गया है। खासकर आज की युवा पीढ़ी में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बदलाव की वजह सोशल मीडिया और मोबाइल है, जिसमें सब कुछ खुला हुआ है। डिजिटल क्रांति और 24/7 न्यूज चैनलों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिस युग में सुकरात और कौटिल्य जैसे विचारकों को ज्ञान और अनुभव के वर्षों बाद सम्मान मिलता था, आज रील्स और ट्वीट्स के 15 सेकेंड में हर इंसान खुद को महाज्ञानी घोषित कर चुका है। लेकिन इस पूरे तमाशे का सबसे विकृत पहलू यह है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ (मीडिया) और सोशल मीडिया के दौर ने देश के खारिज किए गए नेताओं को एक ऐसा मुफ्त का लाउडस्पीकर दे दिया है, जो बिना किसी जवाबदेही के दिन-रात बजता रहता है। जनता जिन्हें चुनाव में नकार देती है, जिन्हें जमीन पर दो लोग सुनने को तैयार नहीं होते, वही नेता शाम 8 बजे टीवी स्क्रीन पर आकर देश और दुनिया को नैतिकता और शासन का पाठ पढ़ाते हैं। मीडिया उन्हें रहनुमा की तरह पेश करता है, लंबी-लंबी बाइट्स दिखाता है, लेकिन अफसोस, उनसे एक तीखा या सही सवाल पूछने का साहस कोई पत्रकार नहीं जुटा पाता।

आज का इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकारिता का धर्म निभाने के बजाय पौराणिक नारद मुनि की भूमिका में आ चुका है, लेकिन एक नकारात्मक अर्थ में। मीडिया का काम अब सच उजागर करना नहीं, बल्कि दो नेताओं को स्टूडियो में आमने-सामने बिठाकर उनमें आग लगाना रह गया है। देश में स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, कृषि और वैज्ञानिक विकास जैसे बुनियादी मुद्दे अब गौण हो चुके हैं। मीडिया के लिए वही खबर प्राइम टाइम के लायक है, जो समाज में सनसनी फैलाए या नफरत का तड़का लगाए। जब कोई खारिज किया गया नेता स्टूडियो में बैठकर बेतुके दावे करता है, तो एंकर उनसे यह नहीं पूछता कि आपने अपने कार्यकाल में इस समस्या के लिए क्या किया? या जनता ने आपको क्यों हराया? इसके बजाय, एंकर सिर्फ एक पक्ष के नेता का बयान दूसरे के सामने उछालकर बहस को गाली-गलौज का मंच बना देता है। सोशल मीडिया और न्यूज चैनलों के इस दौर की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि मीडिया का पूरा ध्यान या तो वंशवादी-विरासती राजनीति के राजकुमारों पर रहता है, या फिर रोज बखेड़ा खड़ा करने वाले ट्रोल-नेताओं पर। इस तमाशे के बीच वे नेता पूरी तरह अनदेखा कर दिए जाते हैं, जो किसी राजनीतिक घराने से नहीं आते, बल्कि अपनी शिक्षा, जमीनी संघर्ष और कार्य-योग्यता के बल पर आगे बढ़े हैं। इसके कई उदाहरण मौजूद हैं। डॉ. एस. जयशंकर किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आते।

वे एक पूर्व नौकरशाह और कूटनीतिज्ञ हैं, जिन्होंने अपनी प्रशासनिक और बौद्धिक क्षमता के बल पर देश की विदेश नीति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जब वैश्विक मंचों पर भारत का रुख तय करने की बात आती है, तो जयशंकर जैसे योग्य नेताओं की नीतिगत बातें 2 मिनट के क्लिप में सिमट जाती हैं। वहीं दूसरी ओर, चुनाव हारे हुए नेता जब विदेश नीति पर कोई बचकाना बयान देते हैं, तो मीडिया उस पर 2 घंटे का प्राइम टाइम डिबेट चलाता है। योग्यता को दरकिनार कर सनसनी को तरजीह दी जाती है। तमिलनाडु की राजनीति में के. अन्नामलाई एक ऐसा नाम हैं, जो बिना किसी राजनीतिक विरासत के आगे आए। वे एक पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं, जिन्होंने आईआईएम से पढ़ाई की और बाद में अपनी प्रशासनिक नौकरी छोड़कर जमीन पर राजनीति शुरू की। मीडिया अक्सर ऐसे नेताओं के विजन, उनकी प्रशासनिक सोच या उनके द्वारा उठाए गए बुनियादी मुद्दों पर गहराई से रिपोर्टिंग नहीं करता।

प्राकृतिक संपदा ही मानवता का भविष्य है

रघु ठाकुर

वेदांता ग्रुप के मालिक उद्योगपति अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर एक लेख लिखा है जिसमें उन्होंने देश में कुछ समय पूर्व से हो रहे तेल के संकट जो अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण हो रहा था, का उल्लेख करते हुए दुख व्यक्त किया, और लिखा है कि एक ऐसा युद्ध जिससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है, उसकी कीमत देश को रॉ मटैरियल की कमी के चलते उठाना पड़ा है। उन्होंने यह एक वाजिब सवाल उठाया है कि हम देश की जरूरत का 90 प्रतिशत तेल, 95 प्रतिशत कॉपर, 99.5 प्रतिशत सोना विदेश से क्यों आयात करते हैं, जबकि धरती माता ने हमें सब कुछ दिया है। उन्होंने कहा कि 40 साल इस उद्योग में काम करते हुए वे यह मानते हैं कि भारतीय भूगर्भ दुनिया में सबसे बेहतरीन है। इसी लेख में उन्होंने अपने जीवन को उद्धत करते हुए बताया है कि 19 साल की उम्र में वे बिहार से मुंबई आये थे, जीरो से कोराबार शुरू किया और उस समय इनके कोई संपर्क नहीं थे, कोई गॉडफादर नहीं था तथा उन्होंने याने वेदांता कंपनी ने सरकार की निजीकरण योजना के तहत हिंदुस्तान जिंक व बालको खरीदा, हालांकि उन्हें दुख है कि इनके शत प्रतिशत शेयर अभी तक उन्हें नहीं मिले हैं। देश की खनिज आत्मनिर्भरता के लिये उन्होंने बड़े पैमाने पर देश के खनिज उत्पादन तेल और गैस के उत्पादन, लोहे का उत्पादन का लक्ष्य रखा है। यह तथ्य है कि अनिल अग्रवाल के आर्थिक साम्राज्य की वृद्धि श्री अंबानी, श्री अडानी के समान चमत्कारिक हुई है। परंतु उनके दावों व निष्कर्षों की तार्किक पड़ताल जरूरी है। उन्होंने यह नहीं बताया जब वे बिहार से चलकर मुंबई आये थे तो उनके पास कितनी पूंजी थी। सरकार के निजीकरण कार्यक्रम के तहत हिंदुस्तान जिंक व वालको के शेयर खरीदे तब उसके लिए पूँजी कहां से आई और उन कंपनियों के शेयर होल्डर उस जमाने में कौन लोग थे? क्या हिंदुस्तान जिंक व बालको के 74 प्रतिशत, और 51 प्रतिशत शेयर्स उन्हें मुफ्त में प्राप्त हुए थे, जब उनका कोई संपर्क ही नहीं था तो उन्हें इतनी बड़ी धन राशि कहां से प्राप्त हुई? क्योंकि मेरी जानकारी में ऐसी कोई सूचना नहीं है कि उनकी करोड़ों की कोई लॉटरी खुली हो। आम चर्चा तो यह है कि देश के भ्रष्ट राजनेता और कुछ बड़े उद्योगपति अपने विश्वस्त लोगों से कारखाने खड़े कराते हैं, उसमें बेनामी शेयर्स की राशि डालते हैं, जो एक प्रकार का निवेश होता है और फिर प्रतिवर्ष प्रीमियम के नाम पर बड़ी-बड़ी राशियां लेते रहते हैं, जिससे पूंजी बढ़ती है और राजनेताओं के भारी भरकम खर्च भी चलते हैं। अनिल अग्रवाल ने ब्रिटेन से ओएनजीसी के तेल व गैस के लिये पूंजी प्राप्त की। जापान के मितसुई से सेसा गोवा आयरन अयस्क खरीदा। वे कहते हैं कि हर इस अधिकरण के पीछे एक ही सपना था कि प्रोडक्शन इतना बढ़ाया जाए कि देश आयातक नहीं निर्यातक बन जाये। वे अपनी पीठ यह कहकर थपथपाते हैं कि जिंक का उत्पादन 10 गुना, एल्यूमीनियम का 20 गुना बढ़ाया जिससे 1000 से अधिक कंपनियां खड़ी हुईं और इन 10 सालों में वेदांता ने सरकारी खजाने में 4.5 लाख करोड़ रुपया दिया।

अनिल अग्रवाल को मैं बताऊँ कि पिछले लगभग 30-40 सालों में जापान और चीन ने भारत से लोह अयस्क खरीदा तथा उसे समुद्रतल के नीचे डंप किया। जबकि उनके पास पर्याप्त लोहा था और उन्हें बाहर से खरीदने की कोई जरूरत नहीं थी। परंतु ये देश ज्यादा समझदार व राष्ट्रभक्त है कि उन्होंने अपने देश के खनिजों को सुरक्षित रखने और उनका भंडार बढ़ाने के लिये उपाय किये। वे जानते हैं कि खनिज के भंडार धीरे-धीरे समाप्त हो जायेंगे और इसीलिये उन्हें यथा संभव बचाया जाये। परंतु भारत की सरकार वैश्वीकरण के प्रभाव में इतनी ग्रस्त रही है कि उन्होंने कभी देश के व्यापक हित को नहीं सोचा। उनने यह नहीं सोचा कि जो खनिज हम निकालकर बेचेंगे यह दोबारा पैदा नहीं होगा। अगर यह खनिज के भण्डार देश में हैं तो देश की प्रकृति की देन है जिसे ईश्वरीय देन भी कहा जा सकता है। यह भण्डार न किसी सरकार ने बनाये और न ही किसी वेदांता ने। आज आप इन्हें खोदकर, उनका निर्यात कर सकते और कुछ संपन्न हो सकते हैं परंतु यह संपन्नता स्थाई नहीं हो सकती। 19वीं सदी में जिन क्षेत्रों में कोयला निकला था उनमें से आज कितनी ही कोयला खदानें बंद हो चुकी हैं और स्थिति यह है कि हमें अपनी पूर्ति के लिये कोयला आयात करना पड़ रहा है। देश में जहां-जहां कोयले के भण्डार थे और उनका खनन हुआ निसंदेह सरकार के खजाने में पैसा आया, महानगरों में, कारखानों को बिजली पहुंची, उद्योगपतियों की तिजोड़िया भरी, परंतु जिन गरीबों की जमीन के नीचे कोयला निकला, या जिंक, एल्यूमीनियम, तांबा आदि निकला वह गरीब तो विस्थापन के शिकार हो गये। देश के चार छह उद्योगपति अरबपति से खरबपति बन गये, बीच के दलाल, ठेकेदार और राजनेता करोड़पति बन गये परंतु लगभग 30 करोड़ लोग इस विस्थापन के शिकार होकर, भुखमरी, बीमारी व गरीबी के समुद्र में फेंक दिये गये। अनिल अग्रवाल की कंपनी का विकास जहां राष्टीय हितों के खिलाफ है और केवल पूंजीपतियों, उद्योगपतियों के हक में है परंतु वह देश के लिये अनुकूल नहीं है। वह लिखते हैं कि जिस प्रकार रियोटिन्टो और बीएचपी ने आस्ट्रेलिया के विकास के लिये जो भूमिका अदा की वही भूमिका वेदांता भारत के लिये करना चाहता है। रियोटिन्टो एक वैश्विक सोना खदानें खोजने वाली कंपनी है और उसने आस्ट्रेलिया के सोने व खनिजों को खोजकर अपनी पूंजी में लाखों गुना का इजाफा किया है परंतु इससे आस्ट्रेलिया की वास्तविक स्थिति बहुत मजबूत नहीं हुई। चूंकि आस्ट्रेलिया में जमीन अधिक व आबादी कम है अतः इन खनिज उत्खनन के दुरुप्रभाव पर चर्चा कम हुई, पर वह दिन आने वाला है कि जब आस्ट्रेलिया की सभी खजिन संपदा लुट जायेगी और वह दूसरों का मोहताज बन जायेगा। अनिल जी कहते हैं कि जब देश में उद्योग तकनीक विशेषज्ञ व वित्त नहीं था तब वेदांता ने विदेश से 35 अरब डॉलर जुटाकर भारत में निवेश किया। अनिल जी जरा बतायें, 10 सालों में उन्होंने सरकारी खजाने में 4.5 लाख करोड़ दिये हैं, तब वेदांता के खजाने में क्या 20 लाख करोड़ रुपये से कम जमा हुए हैं? दुनिया के खनिज पूंजीपतियों ने वेदांता के माध्यम से 35 अरब डॉलर की पूंजी लगाई थी, क्या उन्होंने अभी तक 400 अरब डॉलर से कम मुनाफा कमाया है? रियोटिन्टो ने आस्ट्रेलिया को न विकसित बनाया, न मजबूत बनाया बल्कि वास्तविक रूप में गरीबी के द्वार पर लाकर खड़ा कर दिया है। खनिज जो स्थाई संपत्ति होती है वह भी चली गई और लाभ एक दो कंपनियों के खाते में पहुंच गया। अनिल जी लिखते हैं कि दुनिया के अधिकांश विकसित देश अपने प्राकृतिक स्त्रोत से बने हैं जबकि तथ्य यह है कि प्राकृतिक स्त्रोतों या खनिजों के आधार पर बने विकसित देश कुछ ही दशकों में बर्बादी के मुंह में फँस जाते हैं।

जहां तक उन्होंने दस लाख बैरल तेल प्रतिदिन के उत्पादन का लक्ष्य रखा है जिसे वह निर्यात भी करेंगे क्योंकि उनकी चिंता तो तेल और गैस के आयात के नाम पर देश को भयभीत करने की है। मेरी राय में तेल के मामले में भी भारत आसानी से आत्मनिर्भर बन सकता है, बर्शते वह अपने तेल की फिजूलखर्ची कम करे। जैसा कि हम कहते रहे हैं कि एक परिवार एक कार का कानून बने, अगर वह बन जाये तो देश में औसतन प्रतिदिन 100 करोड़ लीटर व माह में 3000 हजार करोड़ लीटर और साल में 36000 करोड़ लीटर तेल जिसकी कीमत 36 लाख करोड़ रुपये होगी वह बच सकती है।

कांग्रेस की आक्रामकता और पंजाब सरकार के सामने कसौटी

अशोक भाटिया

भारतीय लोकतंत्र में नैतिक जिम्मेदारी और राजनीतिक शुचिता का मुद्दा समय-समय पर करवटें लेता रहा है। हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसी लोकतांत्रिक परिपक्वता और जवाबदेही की एक मिसाल बनकर सामने आया है। नीट-यूजी परीक्षा के विवादों, पेपर लीक के आरोपों और देशव्यापी छात्र आंदोलनों के लंबे दौर के बाद केंद्र सरकार के इस बड़े चेहरे का जाना महक एक व्यक्ति का इस्तीफा नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक दबाव की बड़ी जीत है। लेकिन राजनीति का एक शाश्वत नियम है कि जब दिल्ली में पत्ता हिलता है, तो उसकी सरसराहट राज्यों की राजधानियों तक भी पहुंचती है। धर्मेंद्र प्रधान के इस कदम ने न केवल केंद्र सरकार की जवाबदेही को रेखांकित किया है, बल्कि देश की राजनीति में एक नया नैतिक मानदंड भी स्थापित कर दिया है। इस घटनाक्रम के तुरंत बाद, देश भर में विपक्षी ताकतों और खासकर आम आदमी पार्टी ने इसे लोकतंत्र की जीत बताया, लेकिन अब यही नैतिकता का तीर घूमकर खुद आम आदमी पार्टी की सरकार की तरफ मुड़ता दिख रहा है। विशेष रूप से पंजाब की सियासत में इस इस्तीफे के बाद से एक भारी भूचाल आया हुआ है, जहां मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस अब बेहद आक्रामक आंदोलन के मूड में है और राज्य के दो बड़े मंत्रियों के इस्तीफे की मांग जोर पकड़ रही है। जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने अपना इस्तीफा सौंपा, तो आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से लेकर पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा तक, पूरी पार्टी ने इसे युवाओं के संघर्ष और ईमानदारी की जीत के रूप में प्रचारित किया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शिक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर हुई चूक पर शीर्ष नेतृत्व की जवाबदेही तय होनी ही चाहिए। लेकिन पंजाब की सियासत पर नजर रखने वाले विश्लेषकों का मानना है कि नैतिकता का यह सिद्धांत एकतरफा नहीं हो सकता। पंजाब में पिछले कुछ समय से कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक विफलताएं, खनन और कुछ विभागों में पारदर्शिता की कमी को लेकर विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है। अब धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को हथियार बनाकर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और अन्य ताकतों ने 'आप' सरकार पर जबरदस्त नैतिक दबाव बना दिया है। पंजाब के राजनीतिक गलियारों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि यदि केंद्र में पेपर लीक और प्रशासनिक चूकों के लिए कोई मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ सकता है, तो पंजाब में विभिन्न मुद्दों और प्रशासनिक विफलताओं के घेरे में आए मंत्रियों पर कार्रवाई क्यों नहीं होनी चाहिए? विपक्ष का सीधा हमला मुख्यमंत्री भगवंत मान की कैबिनेट के उन दो प्रमुख चेहरों पर है, जिनके विभागों को लेकर हाल के दिनों में गंभीर सवाल उठे हैं।पंजाब की सियासत में इस समय सबसे बड़ा और तीखा हमला कांग्रेस पार्टी की ओर से देखा जा रहा है। पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी ने इस मुद्दे को लेकर एक व्यापक रणनीति तैयार की है। कांग्रेस का तर्क बेहद सीधा और मारक है—जो आम आदमी पार्टी दिल्ली में बैठकर नैतिकता के लंबे-चौड़े भाषण देती है और केंद्रीय मंत्रियों के इस्तीफे पर जश्न मनाती है, वह अपने राज्य के मंत्रियों की गंभीर गलतियों पर पर्दा क्यों डाल रही है?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि पंजाब की जनता ने 'बदलाव' के नाम पर आम आदमी पार्टी को सत्ता सौंपी थी, लेकिन आज राज्य में प्रशासनिक अराजकता का माहौल है। कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मुद्दे को केवल बयानों तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि ब्लॉक स्तर से लेकर चंडीगढ़ में राजभवन और मुख्यमंत्री आवास के घेराव तक एक बड़ा जन-आंदोलन शुरू करने जा रही है। कांग्रेस की इस आक्रामकता ने पंजाब की भगवंत मान सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में आने पर मजबूर कर दिया है, क्योंकि कांग्रेस इस आंदोलन के जरिए सीधे तौर पर युवाओं, बेरोजगारों और आम जनता की भावनाओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है। पंजाब में इस समय मंत्रियों के इस्तीफे की मांग और कांग्रेस के नेतृत्व में खड़े हो रहे आंदोलन के पीछे कई गहरे आंतरिक कारण हैं:जैसे प्रशासनिक जवाबदेही की कमी: पंजाब में कई सरकारी परीक्षाओं, भर्तियों और प्रशासनिक फैसलों को लेकर लगातार उंगलियां उठती रही हैं। कांग्रेस का आरोप है कि युवाओं को रोजगार देने के वादे पर सत्ता में आई सरकार के राज में कई विसंगतियां और भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं, जिन पर मुख्यमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं।नैतिक मापदंडों का दोहरा रवैयाः विपक्षी नेताओं का कहना है कि राजनीति में मापदंड सबके लिए समान होने चाहिए। अगर केंद्र की गलती पर इस्तीफा सही है, तो पंजाब सरकार के मंत्रियों की गलतियों पर चुप्पी क्यों? कांग्रेस इसे 'आप' का पाखंड करार दे रही है।जनता का बढ़ता असंतोषः पंजाब का युवा और किसान वर्ग हमेशा से अपने अधिकारों के प्रति मुखर रहा है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद राज्य के युवाओं में भी यह संदेश गया है कि लोकतांत्रिक दबाव के आगे सरकारों को झुकना ही पड़ता है। इसी भावना को कांग्रेस एक बड़े राष्ट्रव्यापी और राज्यव्यापी आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रही है।

यह इस समय पंजाब की राजनीति का सबसे बड़ा और यक्ष प्रश्न बना हुआ है। सूत्रों और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पंजाब कैबिनेट के दो मंत्रियों पर इस समय गाज गिरने की पूरी संभावना जताई जा रही है या कम से कम उन पर इस्तीफे का भारी दबाव है। हालांकि, आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसी किसी भी संभावना से इनकार किया है और इसे विपक्ष की राजनीति बताया है। लेकिन पर्दे के पीछे की कहानी कुछ अलग बयां करती है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए आंतरिक संतुलन और जनता के बीच अपनी छवि को बचाना सबसे बड़ी चुनौती होती है। 'आप' इस समय दोहरी मुसीबत में है। एक तरफ अगर वह अपने मंत्रियों का इस्तीफा नहीं लेती है, तो कांग्रेस उसे 'नैतिकता विरोधी' और 'दोहरे चरित्र वाली पार्टी' साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। दूसरी तरफ, यदि मंत्रियों के इस्तीफे ले लिए जाते हैं, तो यह सीधे तौर पर कांग्रेस और विपक्ष की बड़ी राजनीतिक जीत मानी जाएगी और इससे सरकार की अपनी कमजोरी उजागर होगी। इसके बावजूद, अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि पार्टी अपनी 'ईमानदार और जवाबदेह सरकार' की छवि को बचाए रखने के लिए आने वाले दिनों में कैबिनेट में बड़ा फेरबदल कर सकती है, जिसमें इन दो विवादित मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनके विभाग बदले जा सकते हैं। आम आदमी पार्टी का उदय ही पारंपरिक राजनीति के खिलाफ, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और उच्च नैतिक मूल्यों के आधार पर हुआ था।

अब्दुल कलामः सत्ता नहीं संस्कारों से बने महान

योगेश कुमार गोयल

'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। देश के महान् वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वह एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम ने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों को दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी के दिल को जीत लिया।

देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020ः ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर। देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020ः ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

नींद हो गई है गगन कुसुम

डॉ टी महादेव राव

हम लोगों का मोबाइल नंबर इन क्रूरों को कहां से मिल जाता है पता नहीं। ठीक वैसे ही जैसे चुनावों के वक्त नेता और चेले आकर हमारा कुशल क्षेम पूछते हैं और बाद में धता बताकर चल देते हैं। दोपहर को जब भरपेट खाने के बाद संसद और विधान सभा में नेताओं की तरह झपकी लेने का मौका आता है तो ये दुष्ट कॉल करते हैं। एक तो समस्याएं दिनों दिन बढ़ रही हैं कि रातों की नींद हराम है। दोपहर को झपकी भी नहीं लेने देते राक्षस।

आपको हम लोन देना चाहते हैं। क्या आप लेंगे। ऐसा पूछता है बन्दा जैसे शादी के लिए लड़की दे रहा है। अपने लोन का बखान भी बिल्कुल लड़की के गुणों और सुंदरता की तरह करके दुविधा में डाल देता है। जब कहो कोई दिलचस्पी नहीं तो फोन काटकर तुरत फोन करता है कि भविष्य में जरूरत हो तो हमें फोन करें उधारचंद मेरा नाम और फोन नंबर बताता है। दस बारह फोन तो सामान्य सी बात है ठीक वैसे ही जैसे झूठ बोलना और सब्जबाग दिखाना नेताओं का शगल है।

नींद के आगोश में जाने की कोशिशों में एक और फोन आ जाता है। आप समुद्र से दो सौ फीट की दूरी पर बना बहुत अच्छा तीन बेडरूम वाला फ्लैट लीजिए। प्राकृतिक सौंदर्य और खुली हवा का आनंद प्राप्त कीजिए। दाम भी बिल्कुल वाजिब है। डेढ़ करोड़।

मैं पूछता हूं आजकल समुद्र बड़ी तेजी से जमीन की तरफ आ रहा है। ऐसे में दो सौ मीटर की दूरी पर बना घर सुरक्षित होगा क्योंकि हाल ही में समुद्र चालीस फीट जमीन की तरफ आ गया है अगर ऐसा तो चार-पांच बार हुआ तो जो घर बताया जा रहा है वह तो डूब जाएगा तब आप क्या करोगे?आप इंश्योरेंस लेंगे न? उसके हिसाब से उसका भुगतान भी हो जाएगा। मतलब आप कुछ नहीं कर पाओगे अगर आप इस घर की दस पंद्रह साल की गारंटी लेते हो तो कोई बात नहीं। हम कैसे गारंटी ले सकते हैं। आपके घर लेने के बाद उसका इंश्योरेंस कराना होगा और जब कुछ हो जाता है, जब कोई घटना घटती है तो बीमा कंपनी से आपका खामियाजा वसूल कर सकते हैं। मैंने फोन काट दिया। उसने फिर फोन किया। मैने काटा और ब्लैक लिस्ट में डाल दिया।

सोने ही जा रहा था कि फोन बज उठा। सर आपको हम लोन देना चाहते हैं। मैं बीच में ही बोल पड़ा वापस न करने वाली राशि कुछ दे सकते हो तो दो। मुझे लोन शब्द सूट नहीं करता। आपको क्या लगता है कि हम खैरात बांटने बैठे हैं? जब लूटना ही है तो इस समय फोन करके मुझे परेशान करने की जरूरत क्या है? आइंदा फोन मत करना मूर्ख कहीं के।मुझे मूर्ख तो सिर्फ मेरा बॉस कहता है। आपको कैसे पता चला? निर्लज्ज मेरा मतलब बेशरम आदमी। कोई दो सेकंड बात कर ले तो पता चलेगा कि मूरख हो। उसने फोन काट दिया। मैं फोन ऑफ करके सो गया। अचानक लगा कोई दरवाजा खटखटा रहा है, कॉलिंग बेल होने के बावजूद। मैंने सोचा कोई इमरजेंसी होगी। जाकर दरवाजा खोला। दो युवा खड़े थे। बड़े बड़े शब्दकोश हाथ में लिए हुए। मैंने पूछा दरवाजा क्यों खटखटाया? कॉलिंग बेल दबाते तो आप डिस्टर्ब होते। अभी क्या मैं बड़ा प्रसन्न हूं। डिस्टर्ब नहीं किया तुम लोगों ने? मुझे डिक्शनरी वगैरह नहीं खरीदनी है।

गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई: ज्ञान, संस्कार और श्रद्धा का महापर्व

पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है। इसे साल की सबसे पुण्यदायी पूर्णिमाओं में से एक बताया है। साल 2026 में पूर्णिमा तिथि 28 जुलाई को शाम 6 बजकर 18 मिनट से शुरू होकर 29 जुलाई को रात 8 बजकर 5 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर गुरु पूर्णिमा का पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा के दिन क्या करना चाहिए

गुरु का सम्मान करें: गुरु ही जीवन में सही और गलत का अंतर समझाते हैं और सफलता का मार्ग दिखाते हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरु, माता-पिता और सभी वरिष्ठजनों का सम्मान करें, उनके प्रति आभार व्यक्त करें। एक सच्चा धन्यवाद और सम्मान का भाव रिश्तों को मजबूत बनाता है।

ज्ञान का सम्मान: गुरु पूर्णिमा ज्ञान के महत्व को समझने का भी दिन है। इस दन संकल्प लें कि अपने ज्ञान का उपयोग हमेशा अच्छे काम के लिए करेंगे। पढ़ाई को समझने और जीवन में अपनाने का प्रयास करें। ज्ञान का सम्मान करने वाला व्यक्ति ही आगे बढ़ता है।

नए लक्ष्य तय करें: यह दिन जीवन में नए संकल्प लेने के लिए भी शुभ माना जाता है। अपनी पढ़ाई, करियर या व्यक्तिगत विकास से जुड़े लक्ष्यों को स्पष्ट करें। उन्हें डायरी में लिखें और उन्हें पूरा करने की योजना बनाएं। सही दिशा में किया गया छोटा प्रयास भी भविष्य में बड़ी सफलता का आधार बनता है।

इन चीजों का करें दान: जरूरतमंद बच्चों को किताबें, कॉपी, पेन या अन्य शैक्षणिक सामग्री दान करें। ऐसे कई बच्चे हैं जो संसाधनों की कमी के कारण पढ़ाई नहीं कर पाते। शिक्षा से जुड़ी वस्तुओं का दान उनके भविष्य को बेहतर बनाने में मददगार होता है।

सेवा और विनम्रता अपनाएं: गुरु पूर्णिमा का संदेश केवल गुरु वंदना तक सीमित नहीं है। यह पर्व सेवा, विनम्रता और अच्छे व्यवहार का महत्व भी सिखाता है। दूसरों की मदद करने और सभी के प्रति सम्मान का भाव रखने से व्यक्तित्व निखरता है। यही गुण जीवन में सफलता और सम्मान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रिश्तों में विश्वास और समझदारी क्यों है जरूरी? संत कबीर का यह प्रसंग देगा हर सवाल का जवाब

एक बार की बात है कि संत कबीर दास प्रवचन दे रहे थे। जब प्रवचन समाप्त हुआ तब सभी लोग वहां से जाने लगे, मगर एक व्यक्ति वहां पर बैठा रहा। कबीर समझ गए कि यह व्यक्ति किसी बात को लेकर परेशान है। कारण पूछा तो उस व्यक्ति ने कहा, ''मैं गृहस्थ हूं। घर में सभी लोगों से मेरा झगड़ा होता रहता है। मैं जानना चाहता हूं कि मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह कैसे दूर हो सकता है।''कबीर थोड़ी देर चुप रहे। फिर उन्होंने अपनी पत्नी से कहा, ''दीपक जला कर लाओ।'' कबीर की पत्नी दीपक जला कर ले आईं। वह आदमी हैरानी से देखता रहा। थोड़ी देर बाद कबीर बोले, ''कुछ मीठा दे जाना।''

इस बार उनकी पत्नी मीठे की बजाय नमकीन ले आईं। उस आदमी ने सोचा कि यह तो शायद पागलों का घर है। मीठा के बदले नमकीन, दिन में दीपक, यह सब क्या है?

वह बोला, ''ठीक है, मैं चलता हूं।'' कबीर ने पूछा, ''आपको अपनी समस्या का समाधान मिल गया या अभी कुछ संशय बाकी है?'' वह व्यक्ति बोला, ''मेरी समझ में कुछ नहीं आया।''

कबीर ने कहा, ''मैंने दीपक मंगवाया तो मेरी घरवाली कह सकती थी कि तुम क्या सठिया गए हो?

इतनी दोपहर में दीपक की क्या जरूरत है?

लेकिन नहीं, उसने सोचा कि जरूर किसी काम के लिए मंगवाया होगा। इसके बाद मैंने मीठा मंगवाया तो वह नमकीन दे गई। मैं चुप रहा, यह सोचकर कि हो सकता है घर में कोई मीठी वस्तु न हो। यही तुम्हारे सवाल का जवाब है। आपसी विश्वास बढ़ाने और तकरार में न फंसने से विषम परिस्थितियां अपने आप दूर हो जाती हैं।'' इतनी देर में वह व्यक्ति समझ चुका था कि गृह क्लेश का रोना रोने से कुछ नहीं होता। यही गृहस्थी का मूल मंत्र है।

सावन में किस ज्योतिर्लिंग का दर्शन करना आपके लिए रहेगा शुभ?

देशभर में 12 ज्योतिर्लिंग हैं। पूरे वर्षभर लोग इनके दर्शन और पूजा करते हैं। लेकिन सावन माह में ज्योतिर्लिंग के दर्शन और पूजन का विशेष महत्व होता है। शिव पुराण में द्वादश ज्योतिर्लिंगों का वर्णन है, जिनका 12 राशियों से संबंध है। 12 ज्योतिर्लिंगों में सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, वैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वरम और घृष्णेश्वर शामिल हैं। यदि आपको इस साल सावन में ज्योतिर्लिंग का दर्शन करना है तो आप अपनी राशि के अनुसार अत्यंत शुभ फलदायी ज्योतिर्लिंग का दर्शन करके पुण्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सभी 12 राशियों के लिए कौन सा ज्योतिर्लिंग शुभ है?

मेष: मेष राशिवालों का द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से श्री रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग का दर्शन करना शुभ फलदायी रहता है। इस ज्योतिर्लिंग का संबंध मेष राशि से है।

वृषभ: वृषभ राशिवालों को सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का दर्शन करना चाहिए। आपकी राशि के अनुसार यह ज्योतिर्लिंग अत्यधिक फलदायी रहेगा।

मिथुन: आपकी राशिवालों को सावन में नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की पूजा करनी चाहिए। महादेव की कृपा से आपकी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

कर्क: सावन माह में कर्क राशिवालों को ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग का दर्शन करना अच्छा रहता है। आपके काम सफल होंगे।

सिंह: सिंह राशिवालों को सावन में देवघर के वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का दर्शन करना चाहिए। इसका संबंध सिंह राशि से है। शिव कृपा से आपके सुख, सौभाग्य, आरोग्य में वृद्धि होगी।

कन्या: सावन में कन्या राशिवालों को मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग का दर्शन और पूजन करना चाहिए। इनकी कृपा से आपके लिए जल्द विवाह के योग बनेंगे। वैवाहिक जीवन के कष्ट दूर होंगे।

तुला: आपकी राशि के लोगों को महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का दर्शन करना चाहिए, जो उज्जैन में स्थित है। यहां पर पूजा और दर्शन करने से अकाल मृत्यु का भय भी दूर हो जाता है।

वृश्चिक: सावन में वृश्चिक राशि के लोगों को श्रीघृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग की पूजा और दर्शन करना चाहिए। भोलेनाथ के आशीर्वाद से दांपत्य जीवन सुखमय होता है।

धनु: काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग की पूजा करने से धनु राशिवालों के कष्ट, दुख, रोग, दोष आदि मिटते हैं। इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन से आपको मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

मकर: मकर राशिवालों को सावन में एक बार भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग का दर्शन और पूजन जरूर करना चाहिए। आपके जीवन की शुभ इच्छाएं पूरी हो सकती हैं।

कुंभ: आपकी राशि के लोगों को सावन में केदारनाथ ज्योतिर्लिंग की पूजा करनी चाहिए। यहां तक पहुंचने की राह कठिन है, लेकिन एक बार दर्शन से आपके जीवन में सुख और समृद्धि आएगी।

मीन: मीन राशिवालों को त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग जाना चाहिए। वहां पर विधि विधान से पूजा और दर्शन करने से भौतिक सुख और सुविधाओं में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

दर्शन से पहले किन बातों का ध्यान रखें

जब भी आप ज्योतिर्लिंग के दर्शन और पूजन के लिए जाएं तो उससे पहले स्वयं को पवित्र कर लें।

स्नान करके साफ कपड़े पहनें। कपड़े मर्यादित होने चाहिए। ऐसी जगहों पर पारंपरिक कपड़े पहनकर जाएं तो ज्यादा अच्छा रहेगा।

कई स्थानों पर वेश-भूषा सही न होने पर मंदिर में प्रवेश नहीं मिलता है। ज्योतिर्लिंग दर्शन से पूर्व आपको मांस, मदिरा, सिगरेट, पान आदि से दूर रहना चाहिए। सावन में कांवड़ यात्रा करते हैं, यदि आपसे संभव हो तो आप अपनी राशि के अनुसार ज्योतिर्लिंग पर कांवड़ लेकर जा सकते हैं।

प्रेरक कथा: वनवासी ने चंदन का कोयला बनाकर बेचा

अवसर का लाभ तभी मिलता है, जब उसके महत्व को समझा जाए, बिना जानकारी किया गया काम नुकसान पहुंचाता है

जीवन में कई बार हमें ऐसे अवसर मिलते हैं, जो हमारे जीवन की दिशा बदल सकते हैं, लेकिन अगर अवसरों के वास्तविक महत्व का ज्ञान न हो, तो वही अवसर हमारे हाथों से निकल जाते हैं। यह बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं-

पुराने समय में एक राजा शिकार के लिए जंगल में गया। वह शिकार की तलाश में इतना आगे निकल गया कि अपने राज्य लौटने का रास्ता ही भूल गया। घंटों तक भटकने के कारण वह भूख और प्यास से व्याकुल हो गया। तभी उसे जंगल के बीच एक छोटी-सी झोपड़ी दिखाई दी। वहां रहने वाले वनवासी ने बिना किसी परिचय के राजा का आदर-सत्कार किया, उसे भोजन कराया और पानी पिलाया।

वनवासी के व्यवहार से राजा प्रसन्न हुआ। उसने अपनी पहचान बताते हुए कहा, मैं इस राज्य का राजा हूं। तुम्हारी सेवा से प्रसन्न होकर मैं तुम्हें अपने नगर का एक चंदन का बाग उपहार में देता हूं। राजा के आदेश पर वनवासी को वह बहुमूल्य बाग मिल गया।

वनवासी को चंदन की लकड़ी के वास्तविक मूल्य और उपयोग की जानकारी नहीं थी। वह पेड़ों को काटता, उनकी लकड़ियां जलाकर कोयला बनाता और बाजार में बेच देता। उसे लगता था कि यही सबसे अच्छा लाभ है। धीरे-धीरे पूरे बाग के लगभग सभी चंदन के पेड़ समाप्त हो गए। केवल एक अंतिम पेड़ बचा। जिस दिन वह अंतिम पेड़ काटकर कोयला बनाने वाला था, उसी दिन तेज बारिश शुरू हो गई। भीगी लकड़ियों से कोयला बनाना संभव नहीं था। मजबूरी में उसने लकड़ी को उसी रूप में बाजार ले जाकर बेचने का निर्णय लिया।

जैसे ही वह चंदन की लकड़ियां लेकर बाजार पहुंचा, उनकी सुगंध चारों ओर फैल गई। व्यापारियों ने ऊंची कीमत देकर सारी लकड़ियां खरीद लीं। वनवासी को पहली बार पता चला कि जिस लकड़ी को वह जलाकर मामूली कोयला बना रहा था, उसकी वास्तविक कीमत उससे कई गुना अधिक थी।

यह जानकर वह गहरे पश्चाताप में डूब गया। उसने सोचा, यदि मुझे पहले ही चंदन का महत्व पता होता, तो मैं पूरे बाग से अपार संपत्ति अर्जित कर सकता था, लेकिन अज्ञानता ने उसके बहुमूल्य अवसर को साधारण कोयले में बदल दिया।

कथा की सीख

ईश्वर हर व्यक्ति को प्रतिभा, समय, अवसर और संसाधन देता है। अंतर केवल इतना होता है कि कुछ लोग उनके महत्व को पहचान लेते हैं और कुछ लोग अज्ञान या जल्दबाजी में उन्हें व्यर्थ कर देते हैं।

पहली सीख है- लगातार ज्ञान प्राप्त करते रहें। किसी भी अवसर का लाभ तभी मिलता है, जब उसके मूल्य को समझा जाए। बिना जानकारी के लिया गया निर्णय अक्सर नुकसान पहुंचाता है।

दूसरी सीख यह है कि किसी भी संसाधन का सही उपयोग करना सीखें। समय, स्वास्थ्य, शिक्षा, संबंध और अनुभव जीवन के चंदन हैं। यदि इन्हें छोटी-छोटी जरूरतों में नष्ट कर दिया जाए, तो भविष्य में पछतावा ही हाथ लगता है।

तीसरी सीख, सीखने की आदत कभी न छोड़ें। बदलते समय के साथ नई जानकारी और नए कौशल हमें बेहतर अवसरों तक पहुंचाते हैं। जो व्यक्ति सीखना बंद कर देता है, उसकी प्रगति भी रुक जाती है।

चौथी सीख है कि धैर्य रखें। वनवासी ने जल्दी लाभ के लिए चंदन जला दिया। यदि वह थोड़ा सोचता और जानकारी प्राप्त करता, तो कहीं अधिक लाभ हासिल कर सकता था। जीवन में त्वरित लाभ की बजाय दीर्घकालिक सोच अधिक लाभदायक होती है।

पांचवीं सीख, सही लोगों की सलाह लेने में संकोच न करें। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन कई गलतियों से बचा सकता है। ज्ञान साझा करने से बढ़ता है और निर्णय अधिक प्रभावी बनते हैं।

छठी सीख, अपनी क्षमताओं को कभी कम मत आंकिए। कई बार हमारे भीतर ही ऐसी प्रतिभा छिपी होती है, जिसका मूल्य हमें स्वयं नहीं पता होता। यदि हम उसे पहचान लें, उसे निखारें और सही दिशा में उपयोग करें, तो साधारण जीवन भी असाधारण उपलब्धियों से भर सकता है।

30 जुलाई से शुरू होगा सावन, भगवान शिव की पूजा का सही तरीका और धार्मिक मान्यता

30 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलने वाले सावन माह में भगवान शिव की पूजा, जलाभिषेक और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व माना जाता है. इस वर्ष सावन में चार सोमवार का शुभ संयोग बन रहा है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दौरान विधि-विधान से शिव आराधना करने, व्रत रखने और 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करने से सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

सनातन धर्म में सावन का माह बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह महीना भगवान शिव की भक्ति और आराधना के लिए सबसे पवित्र माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष 30 जुलाई से सावन माह शुरू हो रहा है, जिसका समापन 28 अगस्त को होगा।

पूरे सावन में देशभर के शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ेगी और श्रद्धालु जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक तथा रुद्राभिषेक कर भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। खास बात यह है कि इस बार सावन में कई अद्भुत संयोग भी बन रहे हैं।

सावन में बन रहा है चार सोमवार का शुभ संयोग

ज्योतिषाचार्य पंडित कल्कि राम के अनुसार इस बार श्रावण मास में चार सोमवार का शुभ संयोग बन रहा है। सावन के सोमवार 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त और 24 अगस्त को पड़ेंगे। इन दिनों व्रत रखकर भगवान शिव का अभिषेक करने और 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि सावन सोमवार का व्रत करने से वैवाहिक सुख, संतान सुख, आरोग्य और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट विष का पान भगवान शिव ने किया था। इसके बाद देवताओं ने उन्हें शीतलता प्रदान करने के लिए जलाभिषेक किया। तभी से श्रावण मास में शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, दही, शहद, बेलपत्र, भांग और धतूरा अर्पित करने की परंपरा चली आ रही है। श्रद्धालु इस महीने कांवड़ यात्रा के माध्यम से भी पवित्र नदियों का जल लाकर शिवलिंग पर अर्पित करते हैं।

रुद्राभिषेक से दूर होते हैं ग्रह दोष और जीवन की बाधाएं

पंडित कल्कि राम बताते हैं कि श्रावण मास में रुद्रसूक्त और महामृत्युंजय मंत्र के साथ किया गया रुद्राभिषेक अत्यंत फलदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इससे ग्रह दोष, रोग, मानसिक तनाव और जीवन की अनेक बाधाएं दूर होती हैं। विधि-विधान से किए गए इस अनुष्ठान से परिवार में सुख-शांति, समृद्धि, आरोग्य और दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

सावन में संयम, सेवा और सात्विक जीवन का भी है महत्व

श्रावण मास केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संयम, सेवा, दान और सात्विक जीवन अपनाने का भी संदेश देता है। इस दौरान क्रोध, असत्य, नशा और तामसिक भोजन से दूर रहकर भगवान शिव का स्मरण करना और नियमित रूप से 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करना अत्यंत शुभ माना गया है। श्रद्धालुओं के लिए यह महीना आध्यात्मिक उन्नति, आत्मशुद्धि और शिव कृपा प्राप्त करने का सर्वोत्तम अवसर माना जाता है।

बाढ़ प्रभावित असम को मदद की जरूरत, भूमि पेडनेकर की लोगों से अपील, ज्यादा से ज्यादा करें दान

असम में पिछले कुछ समय से बाढ़ के कारण हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। इस बड़ी आपदा को देखते हुए अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए लोगों से मदद की अपील की। भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीएक डियो जारी किया, जिसमें वह असम के बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आने की अपील करती नजर आ रही हैं। जारी किए गए वीडियो में अभिनेत्री कहती हैं, नमस्ते, देश में इस समय जो कुछ भी हो रहा है, उसके बारे में हम सभी जानते हैं। मैं लोगों के जोश और एकजुटता को सलाम भी करती हूं, लेकिन देश का एक हिस्सा ऐसा भी हैं, जिसे इस समय हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है और वह असम।

उन्होंने असम के हालातों के बारे में बताते हुए कहा, असम इस समय भयंकर बाढ़ का सामना कर रहा है। वहां के हालात इतने खराब है कि 7.5 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा है। अब तक 40 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। पूरे के पूरे गांव बाढ़ में बह गए हैं। पशु भी बह गए हैं। लोगों ने अपनी मेहनत की सारी कमाई और घर-बार खो दिया है।

अभिनेत्री ने जोर देते हुए कहा कि इस मुद्दे पर ज्यादातर लोग बात ही नहीं कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि जैसे पिछले साल पूरा देश पंजाब, जम्मू, बिहार और महाराष्ट्र के लोगों की मदद के लिए आगे आया था। ठीक उसी तरह सभी लोग असम के साथ खड़े हों।

उन्होंने कहा, उस समय आप सभी ने राहत सामग्री और जरूरत की चीजें भेजकर मानवता का शानदार उदाहरण पेश किया था। अब फिर वही समय आ गया है। इस बार असम को हमारी मदद की जरूरत है।

भूमि ने लोगों से अपील की कि वे भोजन, गद्दे, स्वच्छता से जुड़ी सामग्री और राहत एवं बचाव कार्यों के लिए जितना हो सके, दान करें। उन्होंने कहा, अगर आप वहां की तस्वीरें और वीडियो देखेंगे तो आपका दिल टूट जाएगा। हालात बेहद दर्दनाक हैं और असम को सच में हमारे सहयोग की जरूरत है। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि अपनी क्षमता के अनुसार ज्यादा से ज्यादा दान करें और इस संदेश को भी आगे बढ़ाएं, ताकि हमारी मदद असम के जरूरतमंद लोगों तक पहुंच सके। जय हिंद।

अभिनेत्री ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, असम बाढ़ में डूब रहा है। आप हर बार उनकी मदद के लिए आगे आए हैं। अब एक बार फिर उनके साथ खड़े होने का समय है।

'सर्वगुण संपन्न' में नॉन ग्लैमरस रोल में दिखेंगी वाणी कपूर

वाणी कपूर की अगली फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' है। इसकी निर्देशक सोनाली रतन देशमुख हैं। उन्होंने इस फिल्म के आइडिया से लेकर वाणी के इससे जुड़ने और कहानी के फोकस पर खास बातचीत की.।

निर्देशक सोनाली 'सर्वगुण संपन्न' को लेकर कहती हैं...'फिल्म की शुरुआत किसी स्टार को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि एक वन-लाइनर आइडिया से हुई थी। 'शिद्दत' के बाद मैडॉक फिल्म्स की क्रिएटिव हेड शारदा कार्की ने मुझे लेखक सुमित घिल्डियाल के साथ तैयार की गई कहानी सुनाई, जिसमें मुझे अलग तरह की मानवीय कॉमेडी नजर आई।

इसके बाद स्क्रिप्ट पर कई महीनों तक काम हुआ। कहानी को बार-बार लिखा गया ताकि हास्य परिस्थितियों से पैदा हो और भावनात्मक संतुलन भी बना रहे। वन-लाइनर सिर्फ दिशा देता है, असली फिल्म स्क्रीनप्ले में तैयार होती है।'

फिल्म पूरी तरह फैमिली ड्रामा

सोनाली का कहना है कि 'फिल्म की बाहरी परत देखकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। किसी एडल्ट स्टार से मिलती-जुलती शक्ल कहानी की सिर्फ शुरुआती वजह है, जबकि पूरी फिल्म एक छोटे शहर की लड़की की जिंदगी में आए बदलावों और पारिवारिक रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।

किरदार को जीने पर रहा वाणी का पूरा जोर

बकौल सोनाली...'फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले वाणी ने करीब तीन महीने तक अपने किरदार पर काम किया। इस दौरान लगातार स्क्रिप्ट रीडिंग, वर्कशॉप और किरदार की मानसिकता, भाषा, बॉडी लैंग्वेज व व्यवहार पर विस्तार से चर्चा की गई। हमारा उद्देश्य वाणी से सिर्फ अभिनय कराना नहीं था, बल्कि उन्हें उस लड़की की दुनिया और व्यक्तित्व में पूरी तरह ढालना था, ताकि स्क्रीन पर उनका किरदार पूरी तरह स्वाभाविक लगे।'

ऋषिकेश भी फिल्म में, सिर्फ लोकेशन नहीं, कहानी का अहम किरदार भी

सोनाली बताती हैं...'फिल्म के लिए ऋषिकेश का चयन केवल खूबसूरत लोकेशन की वजह से नहीं किया गया। धार्मिक माहौल, छोटे शहर की सामाजिक संरचना और पारिवारिक जीवन कहानी का अहम हिस्सा हैं। शूटिंग ऋषिकेश के साथ हरिद्वार और देहरादून में भी हुई, लेकिन कहानी की आत्मा ऋषिकेश में ही बसती है।'

रिश्तों की केमिस्ट्री पर फोकस, दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाने का लक्ष्य

सोनाली ये भी कहती है कि 'फैमिली कॉमेडी में पंचलाइन से ज्यादा रिश्तों की केमिस्ट्री काम करती है। अगर फिल्म खत्म होने के बाद दर्शक मुस्कुराते हुए सिनेमाघर से बाहर निकलेंगे, तो वही 'सर्वगुण संपन्न' की सबसे बड़ी सफलता होगी।'

स्क्रिप्ट लॉक होने के बाद फिल्म से जुड़ी थीं वाणी

सोनाली के अनुसार, 'स्क्रिप्ट के कई ड्राफ्ट पूरे होने के बाद ही वाणी को कहानी सुनाई गई। इस बार वाणी अपने अब तक के ग्लैमरस स्क्रीन इमेज से अलग ऋषिकेश की एक साधारण, चश्मा लगाने वाली और सलवार-कमीज पहनने वाली लड़की के किरदार में नजर आएंगी। कई बार सेट इमेज से निकलकर सामान्य किरदार निभाना भी चैलेंजिंग होता है।'

राहुल बोस - अभिनय से मिली पहचान, रग्बी से मिला सम्मान और समाज सेवा बनी मिसाल

27 जुलाई 1967 को कलकत्ता (अब कोलकाता) में जन्मे राहुल बोस महज एक कुशल अभिनेता नहीं बल्कि एक पूर्व अंतरराष्ट्रीय रग्बी खिलाड़ी, एक दूरदर्शी फिल्म निर्माता और एक निस्वार्थ समाज सेवक भी हैं। बचपन में अपनी मां द्वारा बॉक्सिंग और रग्बी से परिचित कराए गए राहुल बोस ने कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल और बाद में सिडेनहैम कॉलेज से अपनी शिक्षा पूरी की। इसी दौरान उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मंसूर अली खान पटौदी से क्रिकेट का प्रशिक्षण भी लिया और बॉक्सिंग में रजत पदक जीता। उनका असली जुनून रग्बी बना जिसके लिए उन्होंने 1998 से 2009 तक 11 वर्षों तक भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और अभिनेता के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं था। 1994 से 2009 के बीच अपनी 24 फिल्मों की शूटिंग का समय उन्होंने रग्बी कैलेंडर के हिसाब से तय किया।

1998 से 2009 तक राहुल बोस ने भारतीय राष्ट्रीय रग्बी टीम के लिए 11 वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला। 2017 में भारतीय महिला रग्बी टीम ने एशिया सेवेंस चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 15 अगस्त 2021 को ओडिशा सरकार ने भारतीय रग्बी टीम की स्पॉन्सरशिप शुरू की। 18 दिसंबर 2021 को राहुल बोस ने रग्बी इंडिया के अध्यक्ष का कार्यभार संभाला।

राहुल बोस का अभिनय से पहला परिचय मात्र छह साल की उम्र में स्कूल के नाटक 'टॉम, द पाइपर्स सन' में हुआ था। मां के निधन के बाद रेडिफ्यूजन में एक कॉपीराइटर के तौर पर काम करने वाले राहुल बोस ने फिल्म इंग्लिश, ऑगस्ट (1994) की भारी सफलता के बाद पूर्णकालिक अभिनेता बनने का फैसला किया।

व्यावसायिक सिनेमा की जगह उन्होंने हमेशा समानांतर सिनेमा को चुना। मिस्टर एंड मिसेज अय्यर, चमेली, झंकार बीट्स और विश्वरूपम जैसी फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय का लोहा मनवाया। एक निर्देशक के तौर पर उनकी पहली निर्देशित फिल्म एवरीबडी सेज आई एम फाइन! (2001) के लिए फंड जुटाने में उन्हें महज 33 दिन लगे। इसके बाद उन्होंने पूर्णा (2017) का निर्देशन किया, जो 13 साल की उम्र में माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली सबसे कम उम्र की लड़की की बायोपिक थी। इस फिल्म की शूटिंग 1 दिसंबर से 31 जनवरी के बीच की गई थी।

सिनेमा और खेल से परे राहुल बोस एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। 2004 की भीषण सुनामी के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में राहत कार्यों ने उनके जीवन को एक नया मकसद दिया। इसके परिणामस्वरूप उन्होंने 'द फाउंडेशन' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य समाज से हर प्रकार के भेदभाव को मिटाना है। फाउंडेशन के 'प्रोजेक्ट रीच' के माध्यम से वे भौगोलिक और राजनीतिक रूप से कटे हुए क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को देश के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, उनके 'प्रोजेक्ट हील' ने बाल यौन शोषण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए 35,000 से अधिक शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को प्रशिक्षित किया है।

पंजाब के शिक्षा मंत्री कब देंगे इस्तीफा, कॉकरोच जनता पार्टी से श्वेता तिवारी ने पूछे सवाल

अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके से सवाल पूछा कि पंजाब के शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कब होगा? श्वेता तिवारी के वीडियो में दिपके कह रहे हैं कि अब जब धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है, तो वे कैबिनेट में किसी भी ऐसे व्यक्ति का इस्तीफा मांग सकते हैं, जो अच्छा काम नहीं कर रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, अब, पंजाब के शिक्षा मंत्री कब इस्तीफा दे रहे हैं? और आप लोग वहां कब विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं, कॉकरोच जनता पार्टी?

राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर कई दिनों तक चले छात्रों के बड़े विरोध-प्रदर्शनों और लोगों के लगातार आंदोलन के बाद शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया।

छात्र परीक्षा में गड़बड़ियों, खासकर नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर उनका इस्तीफा मांग रहे थे।

उनका इस्तीफा 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की सख्त कार्रवाई के बाद आया है। पुलिस की इस कार्रवाई से पूरे देश में आक्रोश फैल गया और नाराज लोग बड़ी संख्या में जंतर-मंतर पर छात्रों का समर्थन करने के लिए उमड़ पड़े।

विरोध प्रदर्शन दिल्ली से पहले मेट्रो शहरों और फिर छोटे कस्बों तक फैल गए।

विरोध प्रदर्शन तब और तेज हो गए जब 18 जुलाई की सुबह दिल्ली पुलिस ने सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर पर विरोध स्थल से जबरदस्ती हटा दिया, जबकि वे 21 दिनों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पूरी कर चुके थे। अधिकारियों ने उनकी बिगड़ती सेहत, मेडिकल सलाह और दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए अस्पताल में भर्ती कराया।

सोनम वांगचुक प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर थे। हालांकि, उन्होंने गुरुवार की देर रात अनशन तोड़ दिया था।

शादी के सवाल पर भड़कीं जैस्मीन भसीन

कहा- लोगों को अपने काम से काम रखना चाहिए जब होनी होगी तब पता चल जाएगा

टीवी एक्ट्रेस जैस्मीन भसीन जल्द ही रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' से छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। रोहित शेट्टी के होस्ट वाले इस शो के प्रीमियर से पहले जैस्मीन ने एक इंटरव्यू में अपनी शादी की अफवाहों और लगातार पूछे जाने वाले सवालों पर दो टूक जवाब दिया है। लंबे समय से एक्टर अली गोनी को डेट कर रहीं जैस्मीन ने कहा कि उनकी शादी से किसी का कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए। न तो कोई कैटरिंग का बिल भर रहा है और न ही डेकोरेशन का खर्च उठा रहा है।

'न आपको कैटरिंग का बिल देना है, न डेकोरेशन का खर्च'

एक इंटरव्यू में जैस्मीन भसीन से जब अलि गोनी संग शादी की प्लानिंग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने अपनी असहमति जताई। जैस्मीन ने कहा, मुझे लगता है कि किसी को इससे क्या लेना-देना। न तो आपने कैटरिंग का बिल भरना है और न ही शादी की डेकोरेशन का खर्च उठाना है। जब शादी करनी होगी, तब कर लेंगे। लोगों को अपने काम से काम रखना चाहिए। जैस्मीन ने आगे कहा कि जब भी शादी होगी, सबको अपने आप पता चल जाएगा। यह उनका निजी फैसला है और किसी और को इससे परेशानी नहीं होनी चाहिए।

'शायद लोग अपनी शादी से खुश नहीं हैं'

जैस्मीन ने लोगों की इस उत्सुकता पर चुटकी लेते हुए कहा कि कभी-कभी उन्हें इन बातों पर हंसी आती है। उन्होंने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि लोग मेरी पर्सनल लाइफ में इतने इंटरेस्टेड क्यों हैं। शायद लोग अपनी शादी से खुश नहीं हैं, इसलिए उन्हें लगता है कि हम क्यों खुश हैं, हमें भी शादी करके परेशान होना चाहिए। जैस्मीन ने कहा कि कुछ लोगों की मानसिकता ऐसी होती है कि वे बार-बार ऐसे सवाल पूछकर दूसरों को परेशान देखना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने ऐसे सवालों पर जवाब न देने का मन बनाया हुआ है।

'खतरों के खिलाड़ी 15' से कर रही हैं वापसी

पर्सनल लाइफ के अलावा जैस्मीन भसीन अपने प्रोफेशनल प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चा में हैं। वे कलर्स टीवी के पॉपुलर स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आने वाली हैं। यह शो 1 अगस्त से ऑन-एयर हो रहा है। रोहित शेट्टी इस शो को होस्ट कर रहे हैं। जैस्मीन इससे पहले भी टीवी के कई बड़े रियलिटी शोज और फिक्शन ड्रामा में काम कर चुकी हैं और इस शो से वे एक बार फिर स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं।

'बिग बॉस 14' के घर से शुरू हुई लव स्टोरी

जैस्मीन भसीन और अली गोनी टीवी इंडस्ट्री के चर्चित जोड़ियों में से एक हैं। दोनों की प्रेम कहानी रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' के दौरान शुरू हुई थी। शो में दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और उन्होंने अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। बिग बॉस के घर से निकलने के बाद भी दोनों कई म्यूजिक वीडियोज में साथ दिखे हैं और लगातार एक-दूसरे के साथ हैं।

'बड़े-बड़े स्पीकर्स लाता था', 'रामायण' के सेट पर म्यूजिक से पूरी एनर्जी बदल देते थे यश

फिल्ममेकर नितेश तिवारी की आने वाली फिल्म 'रामायण' को लेकर स्टारकास्ट इन दिनों चर्चा में है। हाल ही में एक्टर्स सैन डिएगो कॉमिक कॉन पहुंचे थे, जहां फिल्म को लेकर खुलकर बातचीत हुई। इस बीच यश ने काफी मजेदार किस्सा शेयर किया।

यश को लेकर क्या बोले रणबीर?

पूरे सेट की एनर्जी बदल देते थे।

लोगों को बात करने में भी दिक्कत होती थी

यश ने आगे कहा, 'मैं बड़े-बड़े स्पीकर्स लाता था और फुल वॉल्यूम में म्यूजिक बजाता था, ताकि मैं उसी ज़ोन में रह सकूं। मैं शिव जी के गाने सुनता था, क्योंकि रावण भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। मैं उसी ट्रांस में

यश ने बताया कि रावण के किरदार में आने के लिए उनका भारी-भरकम मुकुट उन्हें काफी मदद करता था। जैसे ही वह सेट पर जाते, वही लुक और फील उन्हें अपने किरदार में ले जाता था।

जब नितेश तिवारी ने उनके म्यूजिक का जिक्र किया, तो यश ने मजाक में कहा, 'मैंने सेट का पूरा माहौल ही खराब कर दिया था। मैं बहुत सीरियस रहता था।' इस पर रणबीर कपूर ने बताया कि भले ही उन्होंने अभी तक यश के साथ शूट नहीं किया, लेकिन जिन लोगों ने किया है, वे कहते हैं कि यश अपने म्यूजिक से रहना चाहता था। म्यूजिक इतना तेज होता था कि बाकी लोगों को बात करने में भी दिक्कत होती थी।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'रामायण'?

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' दो भाग में रिलीज होगी। इसके पहले भाग का ट्रेलर बीते 24 जुलाई को रिलीज होने वाला था पर इसे टाल दिया गया। फिल्म इसी साल दिवाली के मौके पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल, रवि दुबे और यश मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

विद्या बालन की चर्चित फ्रैंचाइजी पर यामी गौतम ने मारा झपट्टा! 'कहानी 3' में आएंगी नजर?

यामी गौतम के सितारे बुलंदी पर हैं। हाल ही में फिल्म 'आर्टिकल 370' में शानदार अदाकारी के लिए यामी गौतम के नाम का एलान नेशनल फिल्म अवॉर्ड के लिए हुआ। उन्होंने 2024 में आई इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। इस बीच अभिनेत्री के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। यामी गौतम फिल्म 'कहानी 3' में नजर आएंगी।

कब आई थी पहली फिल्म?

सुजॉय घोष की चर्चित फ्रैंजाइजी की दो फिल्में आ चुकी हैं। पहली फिल्म 'कहानी' साल 2012 में रिलीज हुई थी। वहीं, दूसरा पार्ट 2016 में रिलीज हुआ। दोनों फिल्मों के निर्देशन का जिम्मा सुजॉय घोष ने निभाया। वहीं, लीड रोल में विद्या बालन नजर आई थीं। अब सुजॉय इसकी तीसरी किस्त लेकर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'कहानी 3' में यामी गौतम की एंट्री हो गई है।

शूटिंग के लिए शुरू हुई तैयारी

खबरों के मुताबिक अभिनेत्री यामी गौतम 'कहानी 3' में मुख्य भूमिका निभाएंगी। वहीं, सुजॉय घोष एक बार फिर डायरेक्टर के तौर पर वापसी करेंगे। यह फिल्म इस फ्रैंचाइजी की दुनिया में एक नई कहानी दिखाएगी। कहा जा रहा है कि टीम इसकी शूटिंग के शेड्यूल की तैयारी कर रही है। फिलहाल प्रोजेक्ट अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। टीम फिल्म के दूसरे पहलुओं पर काम कर रही है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली दो फिल्मों में विद्या बालन लीड रोल में थीं, लेकिन 'कहानी 3' इस फ्रैंचाइजी को एक नई दिशा में ले जाएगी।

एकदम नई होगी फिल्म की कहानी

कहा जा रहा है कि यह फिल्म पिछली फिल्मों की कहानी को आगे नहीं बढ़ाएगी, बल्कि 'कहानी' की दुनिया पर आधारित एक नई कहानी होगी। मेकर्स अभी शूटिंग की टाइमलाइन पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही शेड्यूल तय कर लेंगे। यामी को आखिरी बार उनके पति निर्देशक आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर- द रिवेंज' (2026) में एक कैमियो रोल में देखा गया था।

सलवार सूट में दिखना है स्टाइलिश तो इन बातों का रखें खास ध्यान

सलवार सूट भारतीय महिलाओं के सबसे पसंदीदा और पारंपरिक परिधानों में से एक है। बदलते फैशन ट्रेंड के साथ अब सलवार सूट को पहनने का अंदाज भी काफी बदल गया है। पहले जहां इसे सिर्फ पारंपरिक मौकों पर पहना जाता था, वहीं आज महिलाएं ऑफिस, पार्टी, फेस्टिवल और कैजुअल आउटिंग में भी इसे स्टाइलिश तरीके से पहनना पसंद करती हैं।

अगर आप भी सूट पहनना चाहती हैं, लेकिन अपने लुक को मॉडर्न और फैशनेबल टच देना चाहती हैं, तो कुछ आसान स्टाइलिंग टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं। सही दुपट्टा स्टाइल, ज्वेलरी, फुटवियर, हेयरस्टाइल और कलर कॉम्बिनेशन के साथ साधारण सलवार सूट भी बेहद खूबसूरत और एलिगेंट लग सकता है।

इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप अपने सलवार सूट लुक को ट्रेंडी और आकर्षक बना सकती हैं, ताकि हर मौके पर आपका अंदाज सबसे अलग नजर आए।

सलवार सूट को स्टाइल करने के आसान टिप्स

1. सही फिटिंग वाला सूट चुनें

सलवार सूट को स्टाइलिश और आकर्षक दिखाने के लिए सबसे पहले उसकी फिटिंग पर ध्यान देना जरूरी है। सही फिटिंग वाला सूट न सिर्फ आपकी पर्सनैलिटी को निखारता है, बल्कि आपको ज्यादा कॉन्फिडेंट लुक भी देता है। बहुत ज्यादा ढीला सूट पहनने से आउटफिट का शेप खराब हो सकता है, वहीं जरूरत से ज्यादा टाइट सूट असहज महसूस करा सकता है।

2. दुपट्टे को दें स्टाइलिश अंदाज

सलवार सूट में दुपट्टा सबसे अहम हिस्सा होता है, जो पूरे लुक को ट्रेडिशनल और एलिगेंट बना सकता है। दुपट्टे को पहनने का तरीका बदलकर आप एक ही सूट को अलग-अलग स्टाइल में कैरी कर सकती हैं। आप इसे एक कंधे पर ओपन स्टाइल में रख सकती हैं, फ्रंट प्लीट्स बनाकर पहन सकती हैं या फिर बेल्ट के साथ मॉडर्न टच दे सकती हैं।

3. ट्रेंडी ज्वेलरी का करें इस्तेमाल

सही ज्वेलरी आपके सिंपल सलवार सूट को भी स्टाइलिश और आकर्षक बना सकती है। अगर आपका सूट सिंपल है, तो आप ऑक्सीडाइज्ड झुमके, चांदबाली, स्टेटमेंट नेकलेस या रंग-बिरंगे ब्रेसलेट पहनकर अपने लुक को खास बना सकती हैं। वहीं हैवी वर्क वाले सूट के साथ हल्की ज्वेलरी ज्यादा एलिगेंट लगती है। ज्वेलरी चुनते समय सूट के रंग और डिजाइन का ध्यान रखें, ताकि आपका पूरा लुक बैलेंस्ड नजर आए।

4. फुटवियर का रखें ध्यान

सलवार सूट के साथ सही फुटवियर चुनना भी आपके पूरे लुक को बदल सकता है। ट्रेडिशनल लुक के लिए एथनिक जूती, कोल्हापुरी चप्पल और सैंडल अच्छे विकल्प हैं। अगर आप पार्टी या किसी खास मौके पर सूट पहन रही हैं, तो हल्की हील्स आपके लुक में ग्रेस जोड़ सकती हैं।

5. हेयरस्टाइल और मेकअप से पूरा करें लुक

सलवार सूट के साथ सही हेयरस्टाइल और मेकअप आपके लुक को और ज्यादा खूबसूरत बना सकता है। ट्रेडिशनल आउटफिट के साथ खुले बालों में सॉफ्ट कर्ल्स, लो बन, गजरा स्टाइल या साइड ब्रेड अच्छे लगते हैं। मेकअप में ज्यादा हैवी लुक की जगह हल्का और नेचुरल मेकअप ज्यादा एलिगेंट दिखाई देता है। आप अपनी ड्रेस के रंग के हिसाब से लिप कलर, आई मेकअप और बिंदी का चुनाव कर सकती हैं।

सिर्फ इंजीनियरिंग के लिए नहीं रहा आईआईटी, इन कोर्स की भी है धूम

आईआईटी कानपुर, दिल्ली, बॉम्बे समेत कई आईआईटी अब फ्रेंच, जर्मन, जापानी और संस्कृत जैसी भाषाओं के कोर्स कैंपस में और एनपीटीईएल पर ऑनलाइन करवा रहे हैं।

जब भी आईआईटी का नाम सुनते हैं दिमाग में सीधे इंजीनियरिंग, कोडिंग और रिसर्च की तस्वीर उभरती है। लेकिन इन्हीं संस्थानों के कैंपस में एक और दुनिया भी चुपचाप चलती रहती है, जहां छात्र और आम लोग फ्रेंच बोलना सीखते हैं, जर्मन व्याकरण से जूझते हैं और जापानी की हिरागाना-काताकाना लिपि पढ़ते नजर आते हैं। देश के कई आईआईटी अब बाकायदा स्ट्रक्चर्ड फॉरेन लैंग्वेज कोर्स चला रहे हैं, जो छात्रों के साथ-साथ प्रोफेशनल्स और आम जनता के लिए भी खुले हैं। कुछ कोर्स कैंपस में ह्यूमैनिटीज विभाग या इंटरनेशनल रिलेशंस दफ्तर की देखरेख में पढ़ाए जाते हैं, तो कुछ एनपीटीईएल और स्वयं जैसे ऑनलाइन मंच के जरिए देशभर के लोगों तक पहुंच रहे हैं। ऐसे में जो लोग विदेशी भाषाओं को सीख कर विदेश में नौकरी की तलाश हैं उनके लिए खुशखबरी है।

आईआईटी कानपुर का प्रोग्राम सबसे पुराना

इस मामले में आईआईटी कानपुर सबसे आगे और सबसे पुराना नाम है। यहां का फॉरेन लैंग्वेज प्रोग्राम (एफएलपी) 1970 के दशक से बाकायदा ढांचागत रूप में चल रहा है और इसे ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज विभाग की निगरानी में सेंटर फॉर कंटीन्यूइंग एजुकेशन संचालित करता है। यहां फ्रेंच, जर्मन और जापानी भाषाएं दो स्तरों यानी बेसिक और एडवांस में पढ़ाई जाती हैं। खास बात यह है कि यह कोर्स सिर्फ छात्रों-कर्मचारियों तक सीमित नहीं, बाहरी उम्मीदवार भी इसमें दाखिला ले सकते हैं और यह ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों तरीकों से उपलब्ध है। कोर्स पूरा करने पर संस्थान की तरफ से प्रमाणपत्र भी मिलता है।

आईआईटी दिल्ली में इंडियन एंड फॉरेन लैंग्वेज लर्निंग प्रोग्राम

आईआईटी दिल्ली का इंडियन एंड फॉरेन लैंग्वेज लर्निंग प्रोग्राम (आईएफएलएलपी) ह्यूमैनिटीज विभाग और ऑफिस ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस मिलकर चलाते हैं। इसमें छात्रों, फैकल्टी, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और उनके परिवार वालों के अलावा बाहरी उम्मीदवार भी शामिल हो सकते हैं। पहले इसमें स्पेनिश भी पढ़ाई जाती थी, मगर 2026-27 सत्र के लिए फिलहाल फ्रेंच, जर्मन और जापानी को ही जगह दी गई है। ताजा अपडेट के मुताबिक अगस्त से नवंबर 2026 सत्र के लिए रजिस्ट्रेशन खुल चुका है। कक्षाएं पूरी तरह ऑफलाइन मोड में कैंपस के भीतर लगती हैं, और सफलतापूर्वक कोर्स पूरा करने वालों को प्रमाणपत्र दिया जाता है।

आईआईटी बॉम्बे के पास सबसे ज्यादा विकल्प

अगर विकल्पों की गिनती करें, तो आईआईटी बॉम्बे इस लिस्ट में सबसे आगे खड़ा नजर आता है। यहां का ऑफिस ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस फ्रेंच, जर्मन, जापानी, मंदारिन (चाइनीज) और संस्कृत जैसे पांच भाषाओं में कोर्स करवाता है।

हर कोर्स करीब 100 घंटे का होता है, जिसे बिगिनर, इंटरमीडिएट और एडवांस स्तर पर दो मॉड्यूल में बांटा गया है। कक्षाएं हफ्ते में दो दिन शाम के वक्त लगती हैं और हर मॉड्यूल के बाद अलग प्रमाणपत्र मिलता है, बशर्ते हाजिरी कम से कम 80 फीसदी हो। यह प्रोग्राम छात्रों, फैकल्टी, स्टाफ और उनके परिवार के लिए खुला है।

घर बैठे भी सीख सकते हैं भाषा

आईआईटी मद्रास का तरीका बाकी संस्थानों से अलग है, यहां कैंपस की जगह पूरी पढ़ाई एनपीटीईएल और स्वयं प्लेटफॉर्म से ऑनलाइन होती है। जर्मन भाषा के तीन स्तर जर्मन-1 (ए1), जर्मन-2 (ए2) और जर्मन-3 (बी1) यहां उपलब्ध हैं। कोर्स में दाखिला मुफ्त है, बस जिन्हें प्रमाणपत्र चाहिए, उन्हें 1,000 रुपये फीस देकर परीक्षा में बैठना होता है। इन प्रमाणपत्रों को ऑनलाइन वेरिफाई भी किया जा सकता है, क्योंकि इन पर आईआईटी मद्रास और एनपीटीईएल दोनों की मुहर लगी होती है।

वहीं आईआईटी खड़गपुर अपने नामांकित छात्रों को जर्मन भाषा वैकल्पिक विषय के तौर पर पढ़ाता है, साथ ही एनपीटीईएल-स्वयं के जरिए एडवांस लेवल स्पोकन संस्कृत कोर्स भी आम जनता के लिए खुला रखा गया है। इसी तरह आईआईटी हैदराबाद, सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी के सहयोग से प्रथमा-दीक्षा नाम का शुरुआती संस्कृत कोर्स चलाता है, जिसमें संस्कृत या देवनागरी लिपि की पहले से जानकारी होना जरूरी नहीं। महज 1,000 रुपये फीस में पढ़ाई सामग्री और किताबें भी शामिल हैं, और यह आगे चलकर द्वितीया-दीक्षा डिप्लोमा में दाखिले की योग्यता भी बन जाता है।

बिहार में मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना के लिए आवेदन जारी

12वीं पास छात्राओं को मिलेंगे 25 हजार

अगर आप बिहार बोर्ड की 12वीं की छात्रा हैं और आपने इसी साल परीक्षा पास की है, तो यह खबर आपके लिए है। क्योंकि बिहार सरकार ने 'मुख्यमंत्री बालिका (इंटरमीडिएट) प्रोत्साहन योजना 2026' के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह जानकारी राज्य के शिक्षा विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए दी है।

अगर आप बिहार बोर्ड की 12वीं की छात्रा हैं और आपने इसी साल परीक्षा पास की है, तो यह खबर आपके लिए है। क्योंकि बिहार सरकार ने 'मुख्यमंत्री बालिका (इंटरमीडिएट) प्रोत्साहन योजना 2026' के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह जानकारी राज्य के शिक्षा विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए दी है। इस योजना के तहबिहार बोर्ड (BSEB) से 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं को 25,000 की प्रोत्साहन राशि सीधे उनके बैंक खाते में दी जाएगी। चलिए जानते हैं कि क्या है यह योजना और इसके लिए कैसे आवेदन करें?

क्या है योजना

बता दें कि मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत 12वीं पास छात्राओं को बिहार सरकार हर साल प्रोत्साहन राशि देती है। इस योजना के तहत बिहार बोर्ड से इंटर परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं को 25 हजार की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इस स्कॉलरशिप योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना जरूरी हैष बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (BSEB) से 12वीं पास छात्राएं अब ऑफिशियल पोर्टल medhasoft.bih.nic.in पर जाकर अपना फॉर्म भर सकती हैं।

कौन कर सकता है आवेदन?

योजना का लाभ लेने के लिए छात्राओं को कई पात्रता शर्तें पूरी करनी होंगीः

बिहार की स्थायी निवासी होंः आवेदक छात्रा बिहार की स्थायी निवासी होनी चाहिए। साथ ही उसने बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (BSEB) से 12वीं (इंटरमीडिएट) परीक्षा उत्तीर्ण की हो। अविवाहित होना जरूरीः इस योजना का लाभ केवल अविवाहित छात्राओं को मिलेगा। विवाहित छात्राएं इस प्रोत्साहन राशि के लिए पात्र नहीं होंगी। आधार से लिंक बैंक खाताः छात्रा का बैंक खाता आधार कार्ड से सीडेड (लिंक) होना अनिवार्य है, ताकि प्रोत्साहन राशि सीधे उसके खाते में हस्तांतरित की जा सके।

योजना के लिए जरूरी डाक्यूमेंट्स

इंटरमीडिएट (12th) का मार्कशीट और एडमिट कार्ड

आधार कार्ड

बैंक अकाउंट पासबुक (नाम आधार से मैच होना चाहिए)

निवास प्रमाण पत्र

पासपोर्ट साइज फोटो और मोबाइल नंबर

ऑनलाइन आवेदन कैसे करें? जानें स्टेप बाय स्टेप प्रक्रिया

स्टेप 1ः सबसे पहले Medhasoft की आधिकारिक वेबसाइट medhasoft.bih.nic.in पर जाएं।स्टेप 2ः होमपेज पर ₹मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना – मुख्यमंत्री बालिका (माध्यमिक +2) प्रोत्साहन योजना₹ के लिंक पर क्लिक करें।स्टेप 3ः स्क्रीन पर दिए गए दिशा-निर्देश को ध्यान से पढ़ें और उन्हें स्वीकार करके अपना रजिस्ट्रेशन पूरा करें।स्टेप 4ः अब अपना रजिस्ट्रेशन नंबर, 12वीं के कुल अंक और आधार नंबर दर्ज करके पोर्टल में लॉग इन करें।स्टेप 5ः आवेदन फॉर्म में मांगी गई व्यक्तिगत और बैंक खाते से संबंधित जानकारी सावधानीपूर्वक भरें।स्टेप 6ः सभी आवश्यक दस्तावेज निर्धारित प्रारूप में अपलोड करें और आवेदन की पूरी जानकारी एक बार जांच लें।स्टेप 7ः सभी विवरण सही होने पर फाइनल सबमिट बटन पर क्लिक करके आवेदन जमा कर दें। स्टेप 8ः आवेदन सफलतापूर्वक सबमिट होने के बाद रिसीविंग/कन्फर्मेशन पेज डाउनलोड करें और उसका प्रिंटआउट भविष्य के लिए सुरक्षित रख लें।

अंडरआर्म्स के कालेपन से हैं परेशान?

गर्मियों का मौसम हो या पार्टी का मौका, स्लीवलेस ड्रेस पहनना हर किसी को पसंद होता है। लेकिन कई लोग अंडरआर्म्स के कालेपन की वजह से अपनी पसंद के कपड़े पहनने से हिचकिचाते हैं। डार्क अंडरआर्म्स कोई गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन यह आत्मविश्वास को जरूर प्रभावित कर सकता है।

इसकी वजह कई हो सकती हैं, जैसे बार-बार शेविंग करना, त्वचा पर लगातार घर्षण होना, डेड स्किन का जमा होना, तेज केमिकल वाले डिओडोरेंट का इस्तेमाल, हार्मोनल बदलाव या कुछ स्वास्थ्य संबंधी स्थितियां। अच्छी बात यह है कि सही स्किन केयर रूटीन और कुछ आसान आदतों में बदलाव करके कई मामलों में अंडरआर्म्स का कालापन धीरे-धीरे कम किया जा सकता है।

हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले हर घरेलू नुस्खे को आंख बंद करके अपनाना सही नहीं है। नींबू, बेकिंग सोडा या अन्य तेज़ पदार्थ सीधे त्वचा पर लगाने से जलन और पिगमेंटेशन बढ़ने का खतरा भी हो सकता है। इसलिए सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके अपनाना ज्यादा जरूरी है। इस लेख में जानिए अंडरआर्म्स के कालेपन के कारण, इसे कम करने के आसान उपाय, किन चीजों से बचना चाहिए और कब डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है।

सबसे पहले जानें अंडरआर्म्स काले क्यों होते हैं?

अंडरआर्म्स का कालापन कई कारणों से हो सकता है। बार-बार शेविंग करने से त्वचा पर हल्की जलन और पिगमेंटेशन बढ़ सकता है। इसके अलावा, डेड स्किन जमा होना, टाइट कपड़े पहनना, लगातार रगड़, हार्मोनल बदलाव, मोटापा

कुछ लोगों में इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसी स्वास्थ्य स्थितियां भी इसकी वजह बन सकती हैं। इसलिए केवल रंग हल्का करने पर नहीं, बल्कि कारण को समझकर समाधान अपनाना अधिक प्रभावी रहता है।

नियमित एक्सफोलिएशन और मॉइस्चराइजिंग करें

अंडरआर्म्स की त्वचा को सप्ताह में 1-2 बार हल्के एक्सफोलिएंट से साफ करने से डेड स्किन हटाने में मदद मिल सकती है। इसके बाद खुशबू रहित मॉइस्चराइज़र लगाएं ताकि त्वचा मुलायम रहे। जरूरत से ज्यादा स्क्रब करने से त्वचा में जलन हो सकती है, इसलिए हल्के हाथों से देखभाल करना बेहतर है।

बीसीए के बाद प्राइवेट नौकरी में ज्यादा मौके सरकारी जॉब में बीटेक की तुलना में कम

बीसीए पूरा करने के बाद सरकारी नौकरियों के अवसर बीटेक जैसी तकनीकी डिग्री की तुलना में कम होते हैं, क्योंकि अधिकतर पद किसी भी स्नातक के लिए खुले होते हैं। फिर भी आप एसएससी- सीजीएल, बैंकिंग पीओ/क्लर्क, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, स्टेट पीएससी और यूपीएससी जैसी परीक्षाओं में आवेदन कर सकते हैं। साथ ही नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर, बैंकों में आईटी ऑफिसर या सरकारी विभागों में जूनियर प्रोग्रामर जैसे तकनीकी पदों पर दों भी मौके मिल सकते हैं, अगर आपकी प्रोग्रामिंग मजबूत हो।

दूसरे करियर विकल्प भी तलाशें, जहां बीसीए के अच्छे अवसर मौजूद हैं, जैसे कि प्राइवेट आईटी सेक्टर में। यहां सॉफ्टवेयर डेवलपर, वेब डेवलपर, या साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल के रूप में काम कर सकते हैं।

इसके लिए पायथन, जावा, क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई/एमएल जैसे कौशल जरूरी हैं, जो ज्यादा वेतन और तरक्की दिला सके। आप एमसीए, एमबीए-आईटी/बिजनेस एनालिटिक्स या डाटा साइंस, क्लाउड, साइबर-सिक्योरिटी में सर्टिफिकेशन कर मौके बढ़ा सकते हैं। फ्रीलांसिग, स्टार्टअप या रिमोट टेक जॉब्स भी काम आएंगे।

मास्टर डिग्री के साथ बीएड वालों के लिए सरकारी नौकरी, 828 पदों पर कल से करें आवेदन

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग में प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल के कुल 828 पदों पर सीधी भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इनमें 124 पद प्रिंसिपल और 704 पद वाइस प्रिंसिपल के हैं। इच्छुक उम्मीदवार यूपीएससी के ऑनलाइन भर्ती पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।

कब शुरू होगा आवेदन?

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 25 जुलाई 2026 से शुरू होगी और 14 अगस्त 2026 तक चलेगी।

प्रिंसिपल (कुल 124 पद)

वाइस प्रिंसिपल (कुल 704 पद)

कौन कर सकता है आवेदन?

प्रिंसिपलःकिसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री, बी.एड. (B.Ed.),पीजीटी के रूप में 10 वर्ष या टीजीटी के रूप में 10 वर्ष का शिक्षण अनुभव

वाइस प्रिंसिपलः मास्टर डिग्री,बी.एड. (B.Ed.),पीजीटी के रूप में 2 वर्ष या टीजीटी के रूप में 3 वर्ष का शिक्षण अनुभव

सरकारी नियमों के अनुसार अन्य श्रेणियों को भी आयु में छूट मिलेगी।

चयन कैसे होगा?

भर्ती प्रक्रिया में निम्न चरण शामिल होंगे- पात्रता के आधार पर शॉर्टलिस्टिंग या भर्ती परीक्षा (यदि यूपीएससी आयोजित करे)

व्यक्तिगत साक्षात्कार (इंटरव्यू)

दस्तावेज सत्यापन

अंतिम चयन

चयन में भर्ती परीक्षा का 75% और इंटरव्यू का 25% वेटेज रखा जाएगा।

सैलरी कितने मिलेगी?

पद	प्रारंभिक बेसिक वेतन (रुपये में)	अनुमानित मासिक ग्रॉस वेतन (रुपये में)
प्रिंसिपल	78,800	1.48 लाख - 1.55 लाख
वाइस प्रिंसिपल	56,100	1.08 लाख - 1.15 लाख

आवेदन शुल्क कितना है?

श्रेणी	शुल्क
सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस (पुरुष)	25 रुपये
एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी/सभी महिला उम्मीदवार	शुल्क नहीं

आवेदन कैसे करें?

यूपीएससी की ऑनलाइन भर्ती वेबसाइट पर जाएं।

वन टाइम रजिस्ट्रेशन पूरा करें या लॉगिन करें।

Principal/Vice Principal Recruitment 2026 लिंक चुनें।

आवेदन फॉर्म में व्यक्तिगत, शैक्षणिक और अनुभव संबंधी जानकारी भरें।

फोटो, हस्ताक्षर और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।

यदि लागू हो तो ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करें।

सभी जानकारी जांचकर फॉर्म सबमिट करें। भविष्य के लिए आवेदन पत्र का प्रिंट सुरक्षित रखें।

डॉक्टर बनने के अलावा पीसीबी लेने के बाद कौन से करियर विकल्प हैं?

आप एमबीबीएस, बीडीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस, बीपीटी, नर्सिंग, फार्मेसी या पैरामेडिकल कोर्स कर सकती हैं। इनमें से अधिकतर मेडिकल कोर्स के लिए नीट मुख्य प्रवेश परीक्षा है। कई कॉलेज एलाएड और पैरामेडिकल कोर्स में भी नीट स्कोर स्वीकार करने लगे हैं। हालांकि,कुछ जगह एडमिशन मेरिट, राज्य स्तरीय परीक्षा या अपनी परीक्षाओं के आधार पर होता है। पीसीबी छात्रों के लिए बायोटेक्नोलॉजी, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, जेनेटिक्स, बायोकेमिस्ट्री और बायोमेडिकल साइंसेज जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं। प्रवेश के लिए सीयूईटी और आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट जैसी परीक्षाएं होती हैं, जबकि इंडियन इंस्टीट्यूट्स ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस रिसर्च के लिए अच्छे संस्थान माने जाते हैं।

भविष्य में साइंटिफिक रिसर्च, ड्रग डेवलपमेंट या एन्वॉयरमेंटल साइंस जैसे क्षेत्र में करियर बना सकती हैं।अगर आप मैथेमेटिक्स (पीसीएमबी)भी साथ लेती हैं, तो जेईई-मेन और जेईई एडवांस्ड देकर बायोटेकइंजीनियरिंग और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में जा सकती हैं। साइकोलॉजी, न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स,फॉरेंसिक साइंस, एग्रीकल्चर और ग्रेजुएशन के बाद यूपीएससी जैसी सिविल सेवाओं में भी अवसर मिल सकते हैं।

उत्तर प्रदेश में साइंटिफिक असिस्टेंट और लैब असिस्टेंट के 208 पदों पर भर्ती

पीईटी 2025 पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं

साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए एक बेहद खुशखबरी आई है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC), लखनऊ ने 'फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी' (FSL) विभाग के तहत भर्ती का आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस भर्ती अभियान के जरिए कुल 208 पदों को भरा जाएगा। यदि आपने यूपीएसएसएससी पीईटी PET 2025 परीक्षा पास की है और साइंस स्ट्रीम से स्नातक किया है, तो यह अवसर आपके लिए बेहतरीन साबित हो सकता है।

साइंटिफिक असिस्टेंट : इसके लिए कुल 147 पद आरक्षित किए गए हैं। इस पद पर चयनित होने वाले उम्मीदवारों को पे लेवल-6 (35,400 से 1,12,400) के तहत शानदार वेतन मिलेगा। लेबोरेटरी असिस्टेंटः इसके तहत कुल 61 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें चयनित अभ्यर्थियों को पे लेवल-4 (25,500 से 81,100) के अनुसार मानदेय दिया जाएगा।

महत्वपूर्ण तिथियां

यूपीएसएसएससी द्वारा जारी समय-सारिणी के अनुसार, इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 27 जुलाई 2026 से शुरू हो रही है। आवेदन शुल्क भुगतान की अंतिम तिथिः 17 अगस्त 2026

कौन कर सकता है आवेदन?

इस परीक्षा में शामिल होने के लिए आयोग ने कुछ अनिवार्य शर्तें तय की हैंः PET 2025 स्कोरकार्डः उम्मीदवार का 'UP-SSSC PET-2025' में शामिल होना और वैलिड स्कोरकार्ड होना अनिवार्य है, क्योंकि मुख्य परीक्षा के लिए शॉर्टलिस्टिंग पीईटी के अंकों के आधार पर ही होगी।

शैक्षणिक योग्यताः संबंधित पद और विषय के अनुसार उम्मीदवार के पास फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजिकल साइंस (बॉटनी, जूलोजी, बायोटेक्नोलॉजी आदि) या फॉरेंसिक साइंस में B.Sc की डिग्री होनी चाहिए। इसके अलावा कंप्यूटर विषय से जुड़े पदों के लिए बी.एससी कंप्यूटर साइंस, बी.टेक या NIELIT से 'A' लेवल डिप्लोमा वाले उम्मीदवार भी पात्र हैं।

आयु सीमा और आवेदन शुल्क

आयु सीमाः 1 जुलाई 2026 तक उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के आरक्षित वर्गों (SC/ST/OBC आदि) को राज्य सरकार के नियमानुसार ऊपरी आयु सीमा में 5 वर्ष तक की छूट दी जाएगी।

चयन प्रक्रिया

अभ्यर्थियों का चयन मुख्य लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। मुख्य परीक्षा 100 अंकों की होगी, जिसमें फॉरेंसिक साइंस एवं संबंधित विषय, कंप्यूटर टेक्नोलॉजी तथा उत्तर प्रदेश के सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे।

आवेदन कैसे करें?

इच्छुक उम्मीदवार 27 जुलाई से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाकर अपने PET-2025 रजिस्ट्रेशन संख्या और ओटीपी के माध्यम से लॉगिन करके आसानी से अपना फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन के बाद उसकी एक कॉपी सुरक्षित प्रिंट करके जरूर रख लें।

'दर-दर भटकने पर मजबूर नहीं होना चाहिए'

निर्मला सीतारमण का इनकम टैक्स अधिकारियों को मैसेज

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विभाग के अधिकारियों से आम नागरिकों के हित में काम करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि लोगों को अपने वैध कामों के लिए 'दर-दर भटकने' पर मजबूर नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से नियमों के दायरे में रहते हुए जनता के कामों का समयबद्ध और संवेदनशील तरीके से निपटारा करने का आग्रह किया।

मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित 13 मंजिला 'आयकर सिंधु' भवन में वित्त मंत्री ने रविवार को कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि इस भवन के निर्माण के लिए जरूरी मंजूरियां हासिल करने में खुद इनकम टैक्स के अधिकारियों को भी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

लोगों की समस्याओं का एहसास करने की अपील

वित्त मंत्री ने कहा कि अगर विभाग के अधिकारी ऐसी कठिनाइयों का अनुभव कर सकते हैं तो उन्हें आम नागरिकों की समस्याओं का भी बेहतर तरीके से एहसास होना चाहिए। सीतारमण ने सरकारी विभागों की सुस्त कार्यशैली पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इसी कारण सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। उन्होंने बताया कि जिस भूमि पर नया भवन बनाया गया है, वह साल 1973 से आयकर विभाग के पास थी। इसके बावजूद उस पर अवैध कब्जे हो गए। यह प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है।

सरकारी आवास की कमी का किया जिक्र

सीतारमण ने मुंबई और नवी मुंबई में आयकर अधिकारियों के लिए सरकारी आवास की कमी का भी जिक्र किया। कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए वह जरूरी कदम उठाएंगी। साथ ही उन्होंने सरकारी विभागों के बीच भूमि हस्तांतरण और अन्य मंजूरियों की प्रक्रिया को तेज करने का भरोसा दिया ताकि भविष्य में कार्यालय भवनों का निर्माण समय पर पूरा हो सके। वित्त मंत्री ने अधिकारियों को बीएसएनएल की उपलब्ध भूमि के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशने का सुझाव भी दिया। कहा कि इस संबंध में वह संबंधित मंत्री से बातचीत करेंगी। अपने संबोधन के आखिरी में सीतारमण ने कहा कि ईमानदारी ही टैक्स गवर्नेंस की सबसे अहम आधारशिला है। उन्होंने सभी अधिकारियों से निष्पक्ष, पारदर्शी और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपील की।

ब्रिटेन से डील का दिखेगा दम!

भारत का निर्यात 115 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान

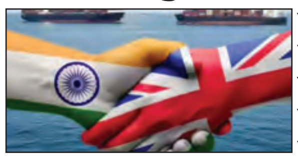

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन के बीच लागू हुए मुक्त व्यापार समझौते का असर आने वाले वर्षों में भारतीय कारोबार और रोजगार पर साफ दिखाई दे सकता है. उद्योग संगठन एसोचैम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस समझौते की बदौलत 2030 तक भारत का ब्रिटेन को निर्यात बढ़कर 115 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है.

फिलहाल 2025-26 में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 58 अरब डॉलर रहने का अनुमान है. 15 जुलाई 2026 से लागू हुए भारत-यूके एफटीए के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार तेजी से बढ़ने की उम्मीद है. एसोचैम का कहना है कि अगर भारत इस अवसर का सही तरीके से फायदा उठाता है तो 2030 तक कुल व्यापार लगभग दोगुना होकर 115 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है. इसके साथ देश में 7 लाख से 10 लाख तक नए रोजगार के अवसर भी पैदा हो सकते हैं.

भारतीय कंपनियों के सामने होंगी ये चुनौतियां

हालांकि, एसोचैम ने यह भी कहा है कि इस संभावित बढ़ोतरी का पूरा लाभ उठाने के लिए भारतीय कंपनियों को वैश्विक मानकों पर खरा उतरना होगा. उन्हें उत्पादों की गुणवत्ता, जरूरी सर्टिफिकेशन, 'रूल्स ऑफ ओरिजिन' और अंतरराष्ट्रीय सस्टेनेबिलिटी मानकों का पालन करना होगा.एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा के मुताबिक, इस समझौते का सबसे बड़ा फायदा इंजीनियरिंग गुड्स सेक्टर को मिलने की उम्मीद है. इससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को नए निर्यात अवसर मिलेंगे और रोजगार सृजन में भी तेजी आएगी.उन्होंने कहा कि कारोबार करना आसान बनाने वाले सुधार , बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत सप्लाई चेन में निवेश भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारतीय उद्योग इन मानकों को पूरा करने में सफल रहते हैं, तो भारत-यूके एफटीए देश के निर्यात और आर्थिक विकास के लिए एक बड़ा गेमचेंजर साबित हो सकता है.

40 साल में विमान की सीटें 4 इंच और छोटी

किराया बढ़ा लेकिन यात्रियों का आराम घटा; लंबी उड़ानों में परेशानी

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले चार-पांच दशकों में विमान यात्रा का स्वरूप काफी बदल गया है। यात्रियों की संख्या बढ़ने और लागत कम रखने की कोशिश में विमान कंपनियों ने इकोनॉमी श्रेणी की सीटों के बीच की दूरी और चौड़ाई लगातार घटाई है। वहीं, इसी अवधि में लोगों की औसत शारीरिक चौड़ाई (मोटापा) बढ़ी है, जिससे लंबी यात्राओं में असुविधा बढ़ने लगी है।

40 साल में सीटों का आकार कितना बदल गया?

विमानन उद्योग की कई रिपोर्टों और विमान कंपनियों के सीट विन्यास के विश्लेषण के अनुसार, 1980-90 के दशक में इकोनॉमी श्रेणी में दो सीटों के बीच की दूरी (सीट पिच) 34 से 35 इंच होती थी। अब अधिकांश विमान कंपनियों में यह घटकर 30 से 31 इंच रह गई है।

भारत की कम लागत वाली विमान सेवाओं में यह दूरी 28 से 29 इंच तक है। यानी यात्रियों के पैरों के लिए उपलब्ध जगह औसतन 4 से 7 इंच कम हो गई है। सीटों की चौड़ाई भी पहले की तुलना में कम हुई है। पहले यह करीब 18.5 से 19 इंच होती थी, जबकि अब कई विमानों में यह 16.5 से 17.5 इंच के बीच रह गई है। दूसरी ओर, वैज्ञानिक पत्रिका अप्लाइड एर्गोनॉमिक्स और एसएई इंटरनेशनल के अध्ययन के अनुसार, पिछले चार दशकों में बैठने के दौरान लोगों की औसत शारीरिक चौड़ाई लगभग 8 से 13 प्रतिशत बढ़ी है।

आराम से बैठने के लिए अब कितना अतिरिक्त शुल्क देना पड़ता है?

आज अधिकांश विमान कंपनियां अधिक लेगरूम (पैर रखने की जगह) वाली सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क लेती हैं। भारत में घरेलू उड़ानों में ऐसी पसंदीदा सीट के लिए 500 से 2,000 रुपये तक अतिरिक्त देने पड़ सकते हैं। वहीं, कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में मार्ग और मांग के अनुसार 3,000 से 10,000 रुपये तक अतिरिक्त शुल्क लिया जाता है।

क्या भविष्य में खड़े होकर भी विमान यात्रा करनी पड़ सकती है?

इटली की कंपनी एवियोइंटीरियर्स ने 'स्काईराइडर 2.0' नाम की ऐसी सीट विकसित की है, जिसमें यात्री पूरी तरह बैठने के बजाय टिककर यात्रा करता है। कंपनी का दावा है कि इस व्यवस्था से विमान में लगभग 20 प्रतिशत अधिक यात्रियों को जगह दी जा सकती है।

क्रेडिट कार्ड से खर्च 2 लाख करोड़ के पार, ये दो बैंक हैं टॉप पर

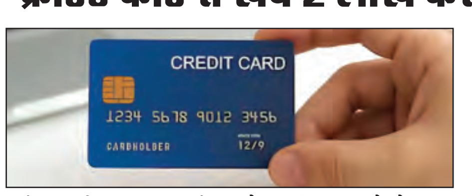

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)।जून में क्रेडिट कार्ड से होने वाला खर्च एक बार फिर से 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। भारतीय रिजर्व बैंक की नई जानकारी के हिसाब से, जून में लोगों ने क्रेडिट कार्ड से टोटल 2. 01 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। क्रेडिट कार्ड से खर्च में हर साल के हिसाब से 9. 8% का इजाफा हुआ है।

मई में भी क्रेडिट कार्ड से खर्च 2. 02 लाख करोड़ रुपये रहा था। लेकिन जून में कुछ बड़े प्राइवेट बैंकों के खर्च में कमी देखने को भी मिली है। लेकिन, क्रेडिट कार्ड से खर्च का डेटा मजबूत रहा है।

9. 36% का हुआ इजाफा

डेटा के हिसाब से, क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल पहले से ज्यादा हो रहा है। जून में क्रेडिट कार्ड की तादाद 12.16 करोड़ हो गई है। पिछले साल के हिसाब से इसमें 9.36% का इजाफा हुआ है। वहीं, महीने के हिसाब से भी क्रेडिट कार्ड की तादाद में करीब 0.95% का इजाफा हुआ है।

जून में कई बैंकों के क्रेडिट कार्ड से होने वाले खर्च में फर्क देखने को मिला है। कुछ बैंकों में खर्च ज्यादा हुआ, लेकिन कुछ में कमी भी आई है। इसकी वजह लोगों के खर्च करने के तरीके और डिजिटल पेमेंट के ज्यादा इस्तेमाल को बताया जा रहा है। कुछ प्राइवेट बैंक अभी भी लोन से जुड़े खतरे को देखते हुए सोच-समझकर आगे जा रही है। इसी वजह से अब कुछ प्राइवेट बैंकों की ग्रोथ भी पहले जैसी नहीं रही।

सरकारी बैंकों को मिल रहा खूब फायदा

यूपीआई से जुड़े क्रेडिट कार्ड और रुपे क्रेडिट कार्ड के ज्यादा इस्तेमाल से भी क्रेडिट कार्ड खर्च को फायदा मिला है। खासकर सरकारी बैंकों को इसका फायदा मिल रहा है। वहीं, नए क्रेडिट कार्ड भी लगातार जारी किए जा रहे हैं, जिससे कार्ड इस्तेमाल करने वालों की तादाद ज्यादा हो रही है।

रूस से तेल खरीदते-खरीदते कैसे मजबूत हो गया भारतीय रुपया?

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक उथल-पुथल और डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी के बावजूद भारत ने विदेश से व्यापार में भारतीय रुपये का इस्तेमाल काफी बढ़ा दिया है। भारत ने इस साल मार्च से मई के बीच करीब 15 अरब डॉलर (करीब 1.44 लाख करोड़ रुपये) के आयात का भुगतान भारतीय रुपये में किया।

रुपये में भुगतान में आई इस रिकॉर्ड तेजी की सबसे बड़ी वजह रूस से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदना है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च से मई के बीच भारत ने अपने कुल आयात का 7.1% हिस्सा रुपये में चुकाया।

इससे पहले (दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक) केवल 2.4% आयात का भुगतान ही रुपये में होता था। इन 3 महीनों में 1.44 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ जो पिछले पूरे वित्त वर्ष (2023-24 में 99,680 करोड़ रुपये) से भी कहीं ज्यादा है।

रूस बना सबसे बड़ा कारण

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रुपये में बढ़े इस लेन-देन की असली वजह रूसी तेल की भारी खरीदारी है। भारत ने मार्च से मई के बीच रूस से 17.13 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा, जो पिछले साल से 30% ज्यादा है। अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने पर कुछ समय के लिए छूट दी थी, जिसका भारत ने फायदा उठाया और खरीदारी बढ़ा दी।

कैसे काम करता है रुपया व्यापार?

सामान्य तौर पर भारत को विदेश से सामान खरीदने के लिए अमेरिकी डॉलर देना पड़ता है। लेकिन रुपया व्यापार में भारतीय कंपनियां भारत के ही बैंकों में बने विदेशी बैंकों के वोस्ट्रो अकाउंट में रुपये जमा कर देती हैं। इससे भारत को अपने डॉलर खर्च नहीं करने पड़ते और विदेशी मुद्रा भंडार बचा रहता है। रूस को तेल के बदले जो रुपये मिलते हैं, वह उनसे भारत से ही दूसरा सामान (जैसे दवाएं, अनाज, मशीनें) खरीद सकता है।

निर्यात में रुपये का रोल अभी भी कम

भले ही भारत ने सामान खरीदने में रुपये का इस्तेमाल खूब बढ़ाया हो, लेकिन दुनिया को सामान बेचने के मामले में अभी भी रुपये में पेमेंट कम ही मिलती है। भारत विदेशों में जितना सामान बेचता है, उसका केवल 1.8% से 3.5% हिस्सा ही रुपये में वापस मिलता है। बाकी का भुगतान अभी भी डॉलर जैसी विदेशी मुद्राओं में ही होता है।

कॉकरोच वाले स्टाइल में सामने आई ई20 जनता पार्टी

100% पेट्रोल चुनने का ऑप्शन देने की डिमांड

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पहले नौकरी और परीक्षा के पेपर लीक का मुद्दा था। अब मामला आपके फ्यूल टैंक का है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' से प्रेरित होकर 'ई20 जनता पार्टी' नाम का एक नया ग्रुप सामने आया है। इसकी एक ही सीधी-सी मांग है- लोगों को सरकार के अनिवार्य ई20 इथेनॉल ब्लेंड के बजाय 100% पेट्रोल चुनने का विकल्प दिया जाए। इस मजाक के पीछे असली गुस्सा छिपा है। चूंकि फ्यूल स्टेशन अब सिर्फ ई20 पेट्रोल बेच रहे हैं। लिहाजा, यूजर्स का कहना है कि उनसे चुनने का विकल्प छीन लिया गया है। यही वह चीज है जिसे यह नई 'जनता पार्टी' वापस लाना चाहती है। सीजेपी के मजाकिया और मीम-आधारित विरोध के अंदाज को अपनाते हुए ई20 जनता पार्टी फ्यूल टैंक को लेकर लोगों की निराशा को बड़े आंदोलन में बदल रही है। उसे उम्मीद है कि व्यंग्य और बड़े पैमाने पर विरोध से सरकार की योजनाओं को एक बार फिर हिलाया जा सकता है।

ई20 जनता पार्टी क्या है?

सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट के अनुसार, ई20 जनता पार्टी नागरिकों के नेतृत्व वाला उपभोक्ता अधिकार आंदोलन है। पोस्ट में लिखा है, 'उपभोक्ताओं को फ्यूल पॉलिसी में पारदर्शिता, जानकारी के आधार पर चुनाव करने की आजादी और जवाबदेही मिलनी चाहिए। जैसे नागरिकों के पास कई अन्य उत्पादों के मामले में विकल्प होते हैं, वैसे ही उन्हें अपनी पसंद का फ्यूल खरीदने की आजादी होनी चाहिए।' पार्टी की सबसे अहम मांगों में से एक यह है कि हर भारतीय को फ्यूल स्टेशनों पर ब्लेंडेड फ्यूल के विकल्पों के साथ 100% पेट्रोल चुनने और खरीदने की आजादी होनी चाहिए। उसने कहा, 'हम सब्सिडी, मुफ्त फ्यूल या इथेनॉल-ब्लेंडेड फ्यूल को हटाने की मांग नहीं कर रहे हैं। हम उपभोक्ताओं के लिए विकल्प की मांग कर रहे हैं।'सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, कई वाहन मालिकों ने फ्यूल की क्षमता (माइलेज), इंजन की अनुकूलता, रखरखाव के खर्च और लंबे समय तक परफॉर्मेंस को लेकर चिंता जताई थी। इसके अलावा, ई20 जनता पार्टी की अन्य मांगों में फ्यूल की लेबलिंग में पारदर्शिता सुनिश्चित करना, अलग-अलग फ्यूल ब्लेंड की लागत, फायदों और असर के बारे में साफ और आसानी से उपलब्ध डेटा प्रकाशित करना, माइलेज, इंजन की परफॉर्मेंस, उत्सर्जन और रखरखाव के खर्च पर स्वतंत्र अध्ययन करवाना और नतीजों को सार्वजनिक करना शामिल है। उसने यह भी मांग की कि नागरिकों को सिर्फ एक विकल्प तक सीमित रखने के बजाय उन्हें जानकारी के आधार पर सही विकल्प चुनने की आजादी दी जानी चाहिए।

सीजेपी से तुलना क्यों?

'कॉकरोच जनता पार्टी' की तरह ही 'ई20 जनता पार्टी' को भी एक गैर-पारंपरिक नागरिकों के नेतृत्व वाले प्रयास के तौर पर पेश किया जा रहा है। यह समर्थन जुटाने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करता है। सीजेपी की शुरुआत मई 2026 में एक व्यंग्यात्मक राजनीतिक आंदोलन के रूप में हुई थी। तब एक टिप्पणी में बेरोजगार और राजनीतिक रूप से सक्रिय युवाओं की तुलना 'कॉकरोच' से की गई थी। सीजेपी तेजी से युवाओं के नेतृत्व वाले आंदोलन में बदल गया। इसमें मीम्स और पांच मुख्य मांगों को शामिल किया गया। इसने वास्तविक विरोध प्रदर्शन और राजनीतिक नतीजे भी दिए। दूसरी ओर, ई20 जनता पार्टी ईंधन नीति के खिलाफ उपभोक्ताओं के अधिकारों पर फोकस करती है। इसकी शुरुआती पोस्ट भी सीजेपी की तरह ही मीम-आधारित हैं। उसी लहजे को अपनाती हैं जिसने अभिजीत दिपके के नेतृत्व वाले संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित बना दिया था। 16 मई की दिपके की एक पोस्ट को शेयर करते हुए ई20 जनता पार्टी ने लिखा, 'क्या होगा अगर सभी बाइक/कार मालिक एक साथ आ जाएं?' अपनी पोस्ट में दिपके ने लिखा था, 'क्या होगा अगर सभी कॉकरोच एक साथ आ जाएं?' ई20 जनता पार्टी अभी तक कोई व्यवस्थित संगठन नहीं है जिसका कोई संस्थापक, चार्टर या सड़कों पर सीजेपी जैसा प्रभाव हो।

मार्केट आउटलुक: पहली तिमाही के नतीजे

कच्चे तेल और फेड के निर्णय से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए आने वाला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। अमेरिकी फेड का ब्याज दरों पर निर्णय, जून तिमाही के नतीजे, कच्चे तेल की कीमतें और मध्य पूर्व में तनाव जैसे कारक मिलकर शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। ब्याज दरों की समीक्षा को लेकर अमेरिकी फेड की बैठक 28-29 जुलाई के बीच प्रस्तावित है। इस बैठक पर आने वाले सत्रों में सभी निवेशकों की निगाहें होंगी।

इसके अलावा, मध्य पूर्व में तनाव को लेकर आने वाले अपडेट आगामी सत्रों में बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे। बीते हफ्ते अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें करीब 100 डॉलर प्रति तक पहुंच गई थीं। घरेलू आर्थिक आंकड़े भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे। सरकार द्वारा 28 जुलाई को इंडस्ट्रियल और मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्शन का डेटा जारी किया जाएगा। वहीं, बीईएल, केनरा बैंक, कोल इंडिया, कोफोर्ज, एमके, जेके पेपर, आरआरकाबेल, टाटा पावर, टाटा केमिकल, अंबुजा सीमेंट, एशियन पेंट्स, अदाणी पोर्ट्स और अदाणी एंटरप्राइजेज, डाबर, वीगार्ड, एक्साइड इंडस्ट्रीज, एमएंडएम और एलआईसी हाउसिंग जैसी कंपनियों की ओर से वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए जाएंगे। भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता उतार-चढ़ाव भरा रहा। इस दौरान सेंसेक्स 2,091.68 अंक या 2.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,059.77 पर और निफ्टी 566.85 अंक या 2.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,767.45 पर था।

व्यापक बाजार में भी गिरावट देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 805.70 अंक या 1.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 61,622.35 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 421.35 अंक या 2.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,874.95 पर था। सूचकांकों में निफ्टी प्राइवेट बैंक (4.32 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (4.02 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (3.69 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (3.17 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (1.96 प्रतिशत),निफ्टी आईटी (1.57 प्रतिशत) और निफ्टी इन्फ्रा (1.46 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ टॉप लूजर्स थे। वहीं, निफ्टी एफएमसीजी (0.62 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (0.44 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.39 प्रतिशत) और निफ्टी पीएसई (0.14 प्रतिशत) की बढ़त के साथ टॉप गेनर्स थे।

5000 करोड़ का निवेश करेगी अनिल अग्रवाल की कंपनी

हिंदुस्तान जिंक ने बनाया बड़ा प्लान

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अनिल अग्रवाल के वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड चालू वित्त वर्ष के दौरान 500 से 600 मिलियन डॉलर (करीब 5000 करोड़ रुपये) का पूंजीगत व्यय करने की योजना बना रही है।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने बताया कि इस निवेश का बड़ा हिस्सा पहले से चल रही परियोजनाओं पर खर्च किया जाएगा। एक इंटरव्यू में अरुण मिश्रा ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए तय कुल कैपेक्स का लगभग 80% हिस्सा जारी परियोजनाओं में लगाया जाएगा, जबकि शेष 20% हिस्सा नई परियोजनाओं के लिए आवंटित होगा, जिनकी घोषणा जल्द की जाएगी।

क्षमता विस्तार योजना

हिंदुस्तान जिंक लगभग 10 लाख टन की कुल क्षमता विस्तार पाइपलाइन पर काम कर रही है। कुल नियोजित क्षमता में से 2.5 लाख टन (25%) से जुड़ी परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है, जिसके लिए 12,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रावधान है। इसमें माइनिंग और मिनरलाइजेशन शामिल हैं।माइनिंग से जुड़े ऑर्डर दे दिए गए हैं और स्मेल्टर का निर्माण शुरू हो चुका है। हालांकि, मिलिंग और कंसंट्रेट से जुड़ी सुविधाओं के ऑर्डर अभी अंतिम चरण में हैं। शेष क्षमता विस्तार (जो क्षमता को 650 केटी तक ले जाएगा) के लिए अगले 4-5 वर्षों में समान अनुपात में निवेश की आवश्यकता होगी।सीईओ अरुण मिश्रा के अनुसार, इसका मतलब है कि औसतन 7,000 से 8,000 करोड़ रुपये का वार्षिक कैपेक्स होगा। इस बहुवर्षीय निवेश योजना का केवल 15-20% ही चालू वित्त वर्ष के दौरान वास्तविक कैश आउटफ्लो में बदलेगा।

सरकार की भी हिस्सेदारी

वेदांता लिमिटेड की सहायक कंपनी हिंदुस्तान जिंक भारत की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक, लेड और सिल्वर उत्पादक कंपनी है। कंपनी पूरी तरह से यंत्रीकृत भूमिगत खदानों और डिजिटल रूप से सक्षम स्मेल्टिंग सुविधाओं के जरिए माइनिंग से लेकर मेटल उत्पादन तक काम करती है। इसमें वेदांता लिमिटेड की 60.71% हिस्सेदारी और भारत सरकार की 27.92% हिस्सेदारी है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	कर्क	मे
चंद्र	धनु	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	सिंह	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय	
कर्क---	05-14 बजे
सिंह---	07-30 बजे
कन्या--	09-36 बजे
तुला----	11-42 बजे
वृश्चिक--	13-52 बजे
धनु----	16-06 बजे
मकर--	18-11 बजे
कुंभ---	20-02 बजे
मीन---	21-40 बजे
मेष----	23-16 बजे
वृष-----	01-01 बजे
मिथुन--	03-02 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्योदय 05-56 सूर्यास्त. 18 -48
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष सोमवार 27 July 2026
तिथि - त्रयोदशी 16-15 तक उपरान्त चतुर्दशी
नक्षत्र - मूल 10-28 तक उप पूर्वाषाढा
योग - वैधृति 22-54 रात तक उप विष्कुंभ
करण - तैतिल 16-15 तक उप गर

मूल नक्षत्र शांति

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-32 से 09-09 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया		
अमृत	05-56 - 07-32	शुभ
काल.	07-32 - 09-09	अशुभ
शुभ	09-09 - 10-46	शुभ
रोग	10-46 - 12-23	अशुभ
उत्पात	12-23 - 13-59	अशुभ
चंचल	13-59 - 15-36	शुभ
लाभ	15-36 - 17-13	शुभ
अमृत	17-13 - 18-48	शुभ

रात का चौघड़िया		
चंचल	18-48 - 20-13	शुभ
रोग	20-13 - 21-36	अशुभ
काल	21-36 - 22-59	अशुभ
लाभ	22-59 - 00-23	शुभ
उत्पात	00-23 - 01-46	अशुभ
शुभ	01-46 - 03-09	शुभ
अमृत	03-09 - 04-32	शुभ
चंचल	04-32 - 05-56	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा । आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी ।आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा ताकि ये आपके कैरियर के अवसरों में आने वाले समय में वृद्धि कर सके ।

वृष ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो
कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

मिथुन का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे । इन आवाजों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करे । अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे । इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपका व्यवहार आज याद रखने योग्य होगा । अपने लाभ के लिए इसका प्रयोग करें । लोगों से मिले एवं उनसे सकरात्मक बातचीत करे। । एक सकारात्मक शरीर की भाषा बनाए रखें। यहाँ से एक नया अवसर अंकुरित हो सकता है । यह एक नई परियोजना शुरू करने के लिए एक अच्छा सप्ताह है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपकी आय और कैरियर को प्रभावित करने वाले ग्रहों के बीच का गठबंधन अब अपनी मजबूत केंद्र बिंदु पर आ रहा हैं। इसका मतलब यह है की अगर आप अपने कैरियर के लिए अपने समय और ऊर्जा से कार्य करते है, तो आपकी जमा राशि को बढ़ावा मिलेगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है , हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा , लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेगी की आपका कार्य अभी अधूरा है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपके मालिक केवल वे सुनेंगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

मकर भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

धर्मेंद्र प्रधान के बाद अब राजस्थान में क्यों ज़ोर पकड़ रही शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इस्तीफे की मांग ?

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इस्तीफे और उन्हें मंत्रिमंडल से तुरंत बर्खास्त करने की मांग ज़ोर पकड़ने लगी है। प्रदेश के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर शिक्षक और कर्मचारी सड़कों पर उतर आए हैं। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के बैनर तले राज्य कर्मचारियों का एक गुट पूरी तरह से लामबंद है। यह आक्रोश शिक्षा विभाग में लंबे समय से जारी प्रशासनिक अनिश्चितता, थर्ड ग्रेड शिक्षकों के तबादलों पर रोक, स्थानांतरण प्रक्रिया में कथित अनियमतताओं, पदोन्नत अधिकारियों की पोस्टिंग में देरी और शिक्षकों के प्रति व्यवहार को लेकर है। आज 26 जुलाई को जयपुर में हजारों कर्मचारियों ने एकजुट होकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राजस्थान में शिक्षा विभाग का सबसे बड़ा विवाद पिछले लंबे समय से शिक्षकों के तबादलों को लेकर चल रहा है, जिससे राज्य के 5 लाख से अधिक शिक्षक और कर्मचारी सीधे तौर पर प्रभावित हो रहे हैं।

तृतीय श्रेणी शिक्षकों की लंबी प्रतीक्षाः राज्य के 5 लाख से अधिक शिक्षक और कर्मचारी पिछले कई सालों से तबादला नीति के लागू होने का इंतजार कर रहे हैं। विशेषकर तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण न होने से हजारों परिवार मानसिक और आर्थिक परेशानी झेल रहे हैं।

गाइडलाइंस के उल्लंघन के आरोपः महासंघ का गंभीर आरोप है कि स्थानांतरण प्रक्रिया के दौरान गंभीर रूप से पीड़ित कर्मचारियों, कैंसर व अन्य असाध्य रोगों से ग्रस्त

शिक्षकों, विधवाओं, परित्यक्ता महिलाओं और स्पॉउज केस (पति-पत्नी को एक ही स्थान पर पदस्थापित करने) के मानवीय नियमों की पूरी तरह अनदेखी की गई है।

रसूखदारों को प्राथमिकताः महासंघ के पदाधिकारियों का दावा है कि पारदर्शी नीति बनाने के बजाय मनमाने तरीके से तबादले किए गए, जिससे जरूरतमंद और दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में तैनात शिक्षकों को भारी निराशा हाथ लगी है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के कुछ प्रशासनिक फैसलों और मौखिक दिशा-निर्देशों ने विवाद को और अधिक गहरा दिया है। पर्सनल मोबाइल फोन चेकिंग का विरोधः स्कूलों के औचक निरीक्षण के दौरान महिला शिक्षिकाओं के निजी मोबाइल फोन चेक किए जाने की बात सामने आने पर महासंघ ने सख्त आपत्ति दर्ज कराई है।

निजता का हननः कर्मचारियों का स्पष्ट कहना है कि महिला कर्मचारियों के निजी फोन की जांच करना उनकी व्यक्तिगत निजता, गरिमा और आत्मसम्मान को सीधी ठेस पहुंचाता है। किसी भी प्रशासनिक निरीक्षण के नाम पर इस प्रकार का व्यवहार संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।

स्कूलों के प्रशासनिक ढांचे और खेल शिक्षकों के नियमितीकरण को लेकर भी विभाग की कार्यशैली कटघरे में खड़ी है। डेढ़ साल से पदस्थापन का इंतजारः विभाग में प्रमोशन पा चुके सैकड़ों प्रिंसिपलों और वाइस-प्रिंसिपलों को पिछले 1.5 साल से नई पोस्टिंग नहीं दी गई है। इसके चलते प्रदेश के सैकड़ों उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रशासनिक प्रमुखों के पद खाली पड़े हैं और शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहा है। पीटीआई का नियमितीकरण रुकाः शारीरिक प्रशिक्षण शिक्षकों को नियमित करने की प्रक्रिया में बेवजह देरी की जा रही है, जिससे उनके करियर पर अनिश्चितता के बादल छाए हुए हैं।

दिव्यांग कर्मचारियों की बार-बार जांचः महासंघ ने आरोप लगाया कि दिव्यांग (विकलांग) श्रेणी के कर्मचारियों के मेडिकल सर्टिफिकेट्स की बार-बार जांच करवाकर उन्हें प्रशासनिक स्तर पर प्रताड़ित और अपमानित किया जा रहा है। अपने ऊपर लग रहे गंभीर आरोपों और चौतरफा घिरने के बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी मीडिया के सामने आकर अपना पक्ष रखा है और आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया है। मदन दिलावर ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपने बच्चों की कसम खाकर यह साबित कर दे कि उन्होंने किसी भी शिक्षक के तबादले के बदले 1 रुपया भी लिया है, तो वे उसी समय राजनीति से संन्यास ले लेंगे।

धर्मेंद्र प्रधान को राजस्थान बीजेपी चीफ ने बताया निर्दोष, प्रदर्शनकारियों में ढूंढा पाकिस्तान कनेक्शन

पाली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुरजोर बचाव करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। पाली में एक साक्षात्कार के दौरान राठौड़ ने स्पष्ट किया कि शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण नवाचार करने वाले धर्मेंद्र प्रधान किसी भी स्तर पर दोषी नहीं हैं। उन्होंने केवल इसलिए इस्तीफा दिया है ताकि प्रधानमंत्री किसी दुविधा में न रहें, जो उनके बड़प्पन को दर्शाता है। राठौड़ ने विपक्ष की ओर से किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों को पूरी तरह गलत बताया। मदन राठौड़ ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन में छात्रों की आड़ लेकर राष्ट्रविरोधी और उपद्रवी तत्व घुस आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन असामाजिक तत्वों ने न केवल राष्ट्र की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और पथराव किया, बल्कि 'पाकिस्तान जिंदाबाद' और अफजल खान के समर्थन में

नारे भी लगाए। उनके मुताबिक, प्रधानमंत्री और आरएसएस के खिलाफ नारेबाजी करने वाले वास्तविक छात्र हो ही नहीं सकते। जब वहां के असली छात्रों को इस साजिश का अहसास हुआ, तो वे खुद धरने से अलग हो गए।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने विदेशी साजिश की ओर इशारा करते हुए कहा कि जंतर-मंतर पर बैठे प्रदर्शनकारियों के लिए दुबई और पाकिस्तान से ऑनलाइन ऑर्डर के जरिए खाना भेजा जा रहा था। इससे साफ जाहिर होता है कि भारत सरकार को अस्थिर करने के लिए विदेशी ताकतें सक्रिय हैं। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि यह भारत है, यहाँ बांग्लादेश या नेपाल जैसी परिस्थितियाँ कभी पैदा नहीं की जा सकतीं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए राठौड़ ने कहा कि देश की आजादी के बाद से आज तक किसी ने भी प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना देने जैसी हरकत नहीं की है। 55 वर्ष की उम्र में भी राहुल गांधी बचपना दिखा रहे हैं और प्रधानमंत्री निवास के बाहर धरने पर बैठ गए हैं, जो बेहद निंदनीय है।

राजस्थान के पूर्व शिक्षा मंत्री और कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा को आड़े हाथों लेते हुए राठौड़ ने सवाल किया कि कांग्रेस किस नैतिक हक से पेपर लीक पर बोल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अशोक गहलोत के कार्यकाल के दौरान 29 बार पेपर लीक हुए थे। डोटासरा के कार्यकाल की स्थिति से हर कोई वाकिफ है, इसलिए उन्हें ऐसे मामलों में बयान देते समय सोचना चाहिए।

डिप्टी सीएम नाम बताकर खुद का तबादला कराने का मामला

पुलिस ने नर्सिंग ऑफिसर को माना दोषी; भेजा नोटिस

अजमेर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा के नाम का दुरुपयोग कर चिकित्सा विभाग के अधिकारियों पर स्वयं के तबादले का दबाव बनाने वाले जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के नर्सिंग ऑफिसर के खिलाफ सदर कोतवाली थाना पुलिस ने जांच पूरी कर ली है। पुलिस ने आरोपी को नोटिस जारी करते हुए अभियोजन स्वीकृति के लिए न्यायालय को प्रकरण की फाइल भेजी है। जानकारी अनुसार कोतवाली थाना पुलिस ने जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के नर्सिंग ऑफिसर पुष्पेन्द्र पारीक को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम में दर्ज प्रकरण के अनुसंधान में प्रथम दृष्ट्या दोषी पाया है।

पुलिस ने 7 साल से कम सजा के मामले में नर्सिंग ऑफिसर नोटिस जारी किया है। वहीं अभियोजन स्वीकृति के लिए पत्रावली न्यायालय को भेजी है। स्वीकृति मिलने के बाद पुलिस आरोपी के खिलाफ चार्जशीट पेश करेगी। इसके बाद मामले की सुनवाई न्यायालय में होगी।

राजस्थान के उप मुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा के ओएसडी भगवतसिंह राठौड़ द्वारा 25 जून को स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव व सदर कोतवाली थाना पुलिस को भेजी शिकायत के आधार पर आईटी एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया कि नर्सिंग ऑफिसर पुष्पेन्द्र पारीक ने मोबाइल फोन की कॉलर आईडी इस तरह सेट की थी कि उसके कॉल करने पर ट्रूकॉलर पर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा का नाम प्रदर्शित होता था।

शिकायत के अनुसार आरोपी ने स्वयं को उप मुख्यमंत्री बताकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री कार्यालय के विशिष्ट सहायक बलवंत लिगरी को फोन कर स्वयं का जेएलएन अस्पताल में स्थानान्तरण कराने के निर्देश दिए। उसने जेएलएन अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे को भी फोन कर स्वयं को उप मुख्यमंत्री बताते हुए मनचाहा कार्य आवंटित करने का दबाव बनाया था।

इधर, आरोपी नर्सिंग ऑफिसर पुष्पेंद्र पारीक ने ड्यूटी से गैरहाजिर रहने का कारण बीमारी बताते हुए ड्यूटी जॉइन कर ली है। बिना सूचना गैरहाजिर रहने के मामले में पुष्पेन्द्र पारीक के ड्यूटी पर लौटने के बाद भी अस्पताल अधीक्षक डॉ.अरविन्द खरे को जांच रिपोर्ट नहीं सौंपी गई। डॉ. खरे ने प्रकरण सामने आने के बाद पारीक के बिना सूचना पर गैरहाजिर रहने की जांच डॉ. रमाकान्त दीक्षित को दी थी। आईटी एक्ट में दर्ज प्रकरण की जांच में आरोप प्रमाणित माने गए हैं। आरोपी को नोटिस जारी किया गया है।वहीं अभियोजन स्वीकृति के लिए पत्रावली भेजी है।

पहली बार राजस्थान रोडवेज़ प्रॉफ़िट में आई : सीएम भजनलाल

प्रदेश को 144 बसों का मिला तोहफा

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज राजस्थान की जनता को रोडवेज की 144 नई ब्लू लाइन एक्सप्रेस बस का तोहफा दिया। इसके बाद जयपुर में अजमेर रोड स्थित हीरापुरा बस टर्मिनल पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा, हमने राजस्थान की जनता से जो वादे किए थे, उन्हें लगातार पूरा कर रहे हैं। एरिया के हिसाब से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। यहां लोगों के आने-जाने के लिए यह ज़रूरी है कि हमारा ट्रांसपोर्ट सिस्टम अच्छा हो।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि आपने देखा है कि जब से हमारी सरकार आई है, हम जनता की हर समस्या को सुलझाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं, और हम लगातार रोडवेज़ बसों की संख्या बढ़ा रहे हैं। आज हमने

राजस्थान की जनता को 144 बसें दी हैं ताकि वे इनका ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदा उठा सकें।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि पहली बार राजस्थान रोडवेज़ प्रॉफ़िट में आई है। लंबे समय से रोडवेज़ लॉस में चल रही थी, लेकिन आज रोडवेज़ लॉस में नहीं, प्रॉफ़िट में चल रही है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि रोडवेज़ के सभी ड्राइवर, ऑपरेटर और इसमें काम करने वाले कर्मचारियों को समय पर सैलरी मिल रही है। पिछली सरकार ने छह, सात, या आठ महीने तक सैलरी नहीं दी। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार जनता से जुड़े सभी काम पूरे कर रही है।

राजस्थान में रोडवेज ने इन बसों को 22 अलग-अलग डिपो में भेजा है। ये ब्लू लाइन एक्सप्रेस बसें नए लुक और आधुनिक सुविधाएं के साथ लांच की गईं हैं। सभी बसें बीएस-4 मानक के अनुसार तैयार की गई हैं। नई ब्लू लाइन एक्सप्रेस बस में मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, एलईडी डिस्प्ले, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम लगाया गया है। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल यूनिट भी बसों में दी गई है। रोडवेज की हर बस में पैनिक बटन लगाया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद मिल सके। वीएलटीएस सिस्टम के जरिए कंट्रोल रूम से बसों की लाइव लोकेशन पर नजर रखी जा सकेगी। बसों एक तरफ तीन और दूसरी तरफ दो सीटों का लेआउट रखा गया है। इससे यात्रियों को बैठने में ज्यादा आराम मिलेगा। उधर विभाग का मानना है कि नई बसों के संचालन से शहरों और जिलों के बीच यात्रा पहले से अधिक आसान होगी।

हाई रिस्क प्रेग्नेंसी में 10वीं डिलीवरी पर अड़ी नौ बच्चों की मां; सिजेरियन से इनकार, स्वास्थ्य विभाग मना रहा

अलवर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के खैरथल जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां नौ बच्चों की मां अपनी 10वीं डिलीवरी के लिए चिकित्सकों की सलाह मानने को तैयार नहीं है। गंभीर स्वास्थ्य जोखिम के बावजूद गर्भवती महिला ने सिजेरियन ऑपरेशन कराने से इनकार कर दिया और अस्पताल से वापस घर लौट आई। अब स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम महिला और उसके परिजनों को सुरक्षित संस्थागत प्रसव के लिए लगातार समझाइश देने में जुटी है।

स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार कोटकासिम ब्लॉक के मुनपुर ठाकरान, खानपुर निवासी नारायण की पत्नी सरोज की यह 10वीं गर्भावस्था है। महिला के पहले से नौ बच्चे हैं। उसकी नियमित मॉनिटरिंग स्वास्थ्य सखी और

एएनएम द्वारा की जा रही थी।

बताया गया कि 21 जुलाई को महिला को उप स्वास्थ्य केंद्र खानपुर लाया गया, जहां चिकित्सक श्रीपाल गुर्जर ने प्राथमिक जांच के बाद उसे सीएचसी पुर में डॉ. मधु यादव को दिखाया। जांच के दौरान महिला का रक्तचाप (बीपी) 170 से 190 के बीच पाया गया, जिसे चिकित्सकों ने अत्यंत गंभीर और हाई रिस्क स्थिति माना। महिला की नाजुक हालत को देखते हुए उसे 108 एम्बुलेंस से अलवर के जनाना अस्पताल रेफर किया गया। वहां विशेषज्ञों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जयपुर रेफर कर दिया, लेकिन महिला जयपुर जाने के बजाय घर लौट आई। इस घटना के बाद से सीएमएचओ, बीसीएमओ सहित ब्लॉक के चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी लगातार महिला व उसके परिजनों से संपर्क कर सुरक्षित प्रसव के लिए अस्पताल आने की अपील कर रहे हैं। हालांकि, महिला फिलहाल घर पर ही प्रसव कराने की जिद पर अड़ी हुई है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि महिला की स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। ऐसे मामलों में अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में प्रसव कराना मां और शिशु, दोनों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। विभाग की टीम लगातार प्रयास कर रही है कि महिला समय रहते चिकित्सकीय सलाह मानकर अस्पताल में भर्ती हो जाए।

सरकार पर भड़के गुर्जर नेता, हत्यारों को बचाने का लगाया आरोप, पूछा- लाइन हाजिर एसएचओ को फिर पोस्टिंग क्यों ?

भरतपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के चर्चित जगन गुर्जर हत्याकांड को लेकर गुर्जर नेताओं ने अब सरकार पर गंभीर आरोप लगाए है। गुर्जर नेताओं ने कहा कि सरकार जगन गुर्जर के हत्यारों को बचाना चाहती है। साथ ही बाड़ी थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा को लाइन हाजिर करने के बाद नए थाने की जिम्मेदारी देने पर भी नाराजगी जताई। गुर्जर नेताओं ने पूछा कि लाइन हाजिर एसएचओ को 12 दिन में ही फिर से पोस्टिंग क्यों दी गई।

डकैत जगन गुर्जर की हत्या मामले को लेकर भरतपुर में गुर्जर समाज के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान गुर्जर समाज के नेता प्रहलाद खटाना ने कहा कि जिस दिन जगन गुर्जर की हत्या हुई थी, उस दिन हम अजमेर गए थे। इस दौरान प्रशासन के बीच लिखित समझौता हुआ था। प्रशासन ने जगन गुर्जर अंतिम संस्कार में उसके तीनों भाइयों को आने की अनुमति दी थी। दूसरी मांग पप्पू गुर्जर को अजमेर जेल से दूसरी जेल में शिफ्ट कर दिया था। लेकिन, दुख इस बात का है कि राजस्थान हाईकोर्ट के संज्ञान लेने पर भी सरकार ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। जगन गुर्जर की हत्या के बाद जेल के अधिकारी और कर्मचारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। 29 जून को जगन गुर्जर की हत्या हुई थी, लेकिन अब तक जगन गुर्जर की पोस्टमार्टम परिजनों को नहीं दी गई। गुर्जर नेता ने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार इसमें शामिल नहीं है। मैं सीएम भजनलाल शर्मा से कहना चाहता हूं कि अगर आप इसमें शामिल नहीं हो तो अब तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट क्यों नहीं दी गई।

चार साल तक योग सेंटर में रहे आईएएस अंबरीश कुमार पर गिरी सरकारी गाज, विदेश में बैठे कर रहे थे फाइलें पास

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के एक सीनियर आईएएस अधिकारी को सरकार ने अचानक पद से हटा दिया। वे 12 जुलाई से सचिवालय स्थित ऑफिस नहीं पहुंच रहे थे। जानकारी मिली है कि वे विदेश पहुंच गए और वहीं से उन्होंने अपने ऑफिस की फाइलें पास कर दी। जब सरकार के सामने यह जानकारी आई तो सरकार ने उन्हें पद से हटा दिया। कार्मिक विभाग ने आदेश जारी करते हुए सीनियर आईएएस अंबरीश कुमार को एपीओ कर दिया। इस संबंध में संयुक्त शासन सचिव डॉ. धीरज कुमार सिंह ने आदेश जारी किए।

मूलरूप से पटियाला पंजाब के रहने वाले अंबरीश कुमार वर्ष 2004 बैच के आईएएस अफसर हैं। नवंबर 2025 में राज्य सरकार ने उन्हें खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं

उपभोक्ता मामले विभाग का शासन सचिव बनाया था। 8 महीने तक वे इस पद पर कार्य करते रहे लेकिन जुलाई में अचानक छुट्टी के लिए अप्लाई किया। अवकाश स्वीकृत हो गया लेकिन सचिवालय में बैठे अफसरों को सूचना मिली कि अंबरीश कुमार विदेश चले गए हैं। बिना अनुमति के विदेश जाने की सूचना सरकार तक पहुंची तो तुरंत एक्शन लेने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद कार्मिक विभाग ने आईएएस अंबरीश कुमार को एपीओ करने के आदेश जारी कर दिए।

सीनियर आईएएस अंबरीश कुमार पूर्ववर्ती सरकार के दौरान प्रतिनियुक्ति पर चले गए थे। सरकार की अनुमति के बाद उन्होंने ईशा फाउंडेशन कोयंबटूर में प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में कार्य किया। जुलाई 2020 से लेकर सितंबर 2024 तक वे ईशा फाउंडेशन में कार्य करते रहे। चार साल से ज्यादा समय तक ईशा फाउंडेशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर रहने के बाद जब वे राजस्थान लौटे तो सरकार ने उन्हें चिकित्सा शिक्षा विभाग में सचिव लगाया। पिछले साल नवंबर में उन्हें खाद्य विभाग में संयुक्त शासन सचिव लगाया लेकिन अब बिना अनुमति विदेश जाने की सूचना मिलने के बाद उन्हें हटा दिया गया।

विरोध किया तो सनकी युवक ने महिला पर चढ़ा दी थार, दर्दनाक मौत

अलवर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में थार का कहर थमने का नहीं ले रहा है. इसका कहर बरकरार है. ताजा मामला खैरथल-तिजारा जिला के तिजारा थाना इलाके के गांव टीहली से समाने आया है. जहां तेज रफ्तार थार की टक्कर से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए. घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें थार चालक तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाता हुआ दिखाई दे रहा है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. मृतका की पहचान मोहरली देवी पत्नी रतनलाल गुर्जर के रूप में हुई है. हादसे में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनका उपचार कराया जा रहा है. घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला. परिजनों का आरोप है कि थार सवार युवक गांव में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहा था. जब ग्रामीणों ने उसके अभद्र व्यवहार और तेज गति से वाहन चलाने का विरोध किया, तो चालक ने गुस्से में जानबूझकर थार महिला के ऊपर चढ़ा दी. परिजनों का कहना है कि यह केवल सड़क हादसा नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या है. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने घायल लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जबकि घटना की सूचना मिलने पर तिजारा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई. पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना कर साक्ष्य जुटाए और मामले की जांच शुरू कर दी. मृतका के बेटे अजीत सिंह ने तिजारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए चालक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है.

75% मुनाफे का झांसा देकर 26 लाख की धोखाधड़ी

7 साल से फरार इनामी दंपती गिरफ्तार

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। 26 लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पिछले सात साल से फरार चल रहे 10-10 हजार रुपए के इनामी दंपती को जयपुर पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पुलिस की नजरों से बचने के लिए पहले महाराष्ट्र के शिरडी में छिपे रहे और बाद में जयपुर लौटकर पहचान बदलकर किराए के फ्लैट में रह रहे थे। पुलिस ने प्रतापनगर इलाके के अनुपम और उत्सव अपार्टमेंट में कार्रवाई कर दोनों को हिरासत में लिया। आरोपियों की पहचान रवि आसवानी और उसकी पत्नी कीर्ति आसवानी के रूप में हुई है। एसीपी (सदर) धर्मवीर सिंह के अनुसार, दोनों आरोपियों के खिलाफ साल 2019 में सदर थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ था। मामला सामने आने के बाद दोनों लगातार फरार चल रहे थे। पुलिस से बचने के लिए पहले उन्होंने महाराष्ट्र के शिरडी में शरण ली। कुछ समय बाद वे जयपुर लौट आए और अपनी पहचान छिपाने के लिए नया नाम और पता अपनाकर किराए के फ्लैट में रहने लगे। इतना ही नहीं, ट्रैकिंग से बचने के लिए उन्होंने अपने नाम से जारी मोबाइल सिम बंद कर दिए और दूसरे लोगों के नाम से जारी सिम कार्ड का इस्तेमाल शुरू कर दिया।

पुलिस जांच के अनुसार, आरोपियों ने परिवादी चेतन शर्मा को कम समय में 75 प्रतिशत मुनाफा देने का भरोसा दिलाया। इस झांसे में आकर पीड़ित ने 26 लाख रुपए निवेश कर दिए। भरोसा जीतने के लिए आरोपियों ने झोटवाड़ा के निवारू रोड रप मौजूद एक प्लॉट का नोटरीकृत विक्रय एग्रीमेंट भी सौंप दिया। निवेशक को विश्वास दिलाया गया कि यह संपत्ति उसके निवेश की सुरक्षा के लिए गारंटी के रूप में है। इसी भरोसे के आधार पर परिवादी ने बड़ी रकम आरोपियों को सौंप दी गई।

जूते के 3 मंजिला शोरूम में भीषण आग, परिवार और किराएदार फंसे

छत के रास्ते बचाई गई कई जिंदगियां

कोटा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में एरोड्रम सर्किल के पास स्थित तीन मंजिला जूते के शोरूम में भीषण आग लग गई। आग ने पूरे भवन को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंची सात दमकलों ने आग बुझाने का अभियान शुरू किया। भवन की ऊपरी मंजिल पर रह रहे परिवार और किराएदारों को छत के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। राजस्थान के कोटा जिले में एरोड्रम सर्किल के पास बने जूते के तीन मंजिला शोरूम में भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि उसने तीनों मंजिलों को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की सात दमकलें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। जिस भवन में आग लगी, उसकी ऊपरी मंजिल पर एक परिवार और कुछ किराएदार भी रहते थे।

बारिश से बाड़मेर हुआ सराबोर पश्चिमी राजस्थान में आई ठंडक

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून कमजोर हो गया है। बीते दिन सिर्फ जालोर, बाड़मेर, पाली और जोधपुर जिलों में 1 से 3 इंच यानी 90 मिमी तक तक बारिश दर्ज की गई। 34.5जयपुरः राजस्थान में पिछले कुछ दिनों की बारिश अच्छी देखने को मिली। लेकिन अब मानसून का दौर अब धीमा पड़ने लगा है। पूर्वी राजस्थान की बात करें तो यहां अधिकांश जिलों में मौसम शुष्क रहा। वहीं पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर संभाग में बीते दिन कई जिलों में इंद्रदेव मेहरबान रहे। जालोर, बाड़मेर, पाली और जोधपुर जिलों में 1 से 3 इंच यानी 90 मिमी तक तक बारिश दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार, मानसून की ट्रफ लाइन अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर खिसक गई है। इस वजह से राज्य के पूर्वी हिस्सों में बारिश की गतिविधियों पर ब्रेक लग गया है। 25 जुलाई शनिवार को जयपुर, बीकानेर, अजमेर, कोटा, भरतपुर और उदयपुर संभाग के ज्यादातर इलाकों में आसमान साफ रहा। इस वजह से तापमान में बढ़ोतरी हुई और श्रीगंगानगर में सर्वाधिक 37.5°C तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आज 3 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इसी तरह 27 जुलाई को राज्य के ज्यादातर जिलों में धूप खिलेगी और मौसम साफ रहेगा, हालांकि कुछ स्थानों पर हल्की फुल्की बौछारें गिर सकती हैं। 28 जुलाई से पूर्वी राजस्थान में मानसून एक बार फिर सक्रिय होगा और झमाझम बारिश का नया दौर शुरू होगा।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कोमुरवेल्ली रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी व बंडी संजय कुमार ने रविवार को कोमुरवेल्ली रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। उन्होंने उद्घाटन समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गोल्ला और कुरुमा समुदायों के पूजनीय देवता कोमुरवेल्ली श्री मल्लिकार्जुन स्वामी की उपस्थिति में नए रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करना उनके लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। उन्होंने आगे कहा कि 2024 में आधारशिला रखी गई यह परियोजना आज भगवान मल्लन्ना की कृपा से साकार हो उठी है, जिससे लाखों भक्तों का लंबे समय से संजोया सपना पूरा हुआ है।

नई मनोहराबाद-कोथापल्ली रेलवे लाइन के माध्यम से करीमनगर से संपर्क स्थापित हो गया है। मनोहराबाद और सिद्दिपेट के बीच 76 किलोमीटर के खंड पर काम पूरा हो चुका है। हालांकि कोमुरवेल्ली को प्रारंभिक प्रस्तावों में शामिल नहीं किया गया था, फिर भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 6 करोड़ रुपये की लागत से इस रेलवे स्टेशन भवन का निर्माण किया गया है, जिसमें आधुनिक सुविधाएं और मंदिर की भव्यता को दर्शाने वाला वास्तुशिल्प डिजाइन है। सिकंदराबाद और सिद्दिपेट के बीच चलने वाली डीएमयू ट्रेनें अब कोमुरवेल्ली में रुकेंगी। चूंकि इन ट्रेनों में सभी डिब्बे अनारक्षित हैं, इसलिए यात्रा बहुत सस्ती है (उदाहरण के लिए, सिकंदराबाद से कोमुरवेल्ली का किराया केवल 25 रुपये है)। इससे श्रद्धालुओं, छात्रों, कर्मचारियों और छोटे व्यापारियों को बहुत लाभ होगा, साथ ही आध्यात्मिक पर्यटन और स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।, रेड्डी ने कहा कि नई रेलवे लाइनों (पेद्दापल्ली-निजामाबाद, जग्गय्यपेटा-विष्णुपुरम, भद्राचलम-सत्तुपल्ली, देवराकाद्र-कृष्णा, अक्कन्नापेट-मेदक) का निर्माण पूरा हो चुका है और 576 किलोमीटर की दूरी को कवर करने वाले दोहरीकरण, तिहरीकरण और चौगुना कार्य पूरा हो चुका है, जबकि एमएमटीएस चरण-2 और काजीपेट बाईपास परियोजनाएं तय समय पर पूरी हो गई हैं। रिकॉर्ड 2,034 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। तेलंगाना में 47,984 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं वर्तमान में विभिन्न चरणों में चल रही हैं। इनमें 412 करोड़ रुपये की लागत से एमएमटीएस चरण-2 का 35 किलोमीटर तक यादाद्री तक विस्तार, 3,591 करोड़ रुपये की लागत से पांडुरंगपुरम-भद्राचलम-मलकानगिरी को जोड़ने वाली 173 किलोमीटर लंबी नई लाइन और काजीपेट-विजयवाड़ा लाइन को तिहरा करने का कार्य अंतिम चरण में है। बिबीनगर-गुंटूर, मुदखेड़-धोने, भद्राचलम-दोर्नकल और मोतुमारी-विष्णुपुरम खंडों पर दोहरीकरण का काम चल रहा है और निजामाबाद, नाश्कल-हसनपार्थी रोड, विष्णुपुरम, पेद्दापल्ली, विकाराबाद और पागीदिपल्ली सहित क्षेत्रों में बाईपास और रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) का काम प्रगति पर है। चेर्लापल्ली में एक नया रेलवे टर्मिनल बनकर तैयार हो गया है और माननीय मोदी जी ने इसका उद्घाटन किया है। तेलंगाना में 63 स्टेशनों और 627 किलोमीटर के क्षेत्र में स्वदेशी सुरक्षा तकनीक 'कवच' लागू की जा रही है। हमने 2014 में मौजूद 121 मानवरहित लेवल क्रॉसिंग को 2018 तक पूरी तरह से समाप्त कर दिया। इसके अतिरिक्त, 249 मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया गया।, उन्होंने बताया कि जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने 329 अंडरब्रिज, 59 ओवरब्रिज और 58 फुटओवरब्रिज का निर्माण किया है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के 73 स्टेशनों पर 88 स्टॉल लगाकर स्थानीय कारीगरों, हथकरघा बुनकरों और आदिवासी समुदायों के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि हैदराबाद से विशाखापट्टनम, तिरुपति, बेंगलुरु और नागपुर के लिए पांच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं। इससे पहले, एससीआरके जनरल मैनेजर संजय कुमार श्रीवास्तव ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि कोमुरवल्ली पुण्यक्षेत्रम स्टेशन को एक नई इमारत और आधुनिक सुविधाओं के साथ फिर से विकसित किया गया है। इन सुविधाओं में वेटिंग हॉल, प्लेटफॉर्म शेल्टर और दिव्यांग यात्रियों के लिए सुविधाएं आदि शामिल हैं, जिनसे इस स्टेशन पर उतरने वाले रेल यात्रियों को बहुत मदद मिलेगी। उद्घाटन समारोह में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, सांसद एम. रघुनंदन राव और चमाला किरण कुमार रेड्डी, विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी और एमएलसी अंजी रेड्डी सहित कई लोग उपस्थित थे।

मलकपेट इंस्पेक्टर सस्पेंड

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार ने मलकपेट इंस्पेक्टर कुंभम नरसिम्हा को ड्यूटी निभाने में कथित कमियों की इंटरनल जांच के बाद सस्पेंड कर दिया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इंस्पेक्टर नरसिम्हा का ट्रांसफर इस साल 14 अप्रैल को डबीलपुरा पुलिस स्टेशन में किया गया था और बाद में उन्हें मलकपेट में तैनात किया गया। इससे पहले, उन्होंने सुल्तान बाजार पुलिस स्टेशन में इंस्पेक्टर के तौर पर काम किया था।

यह सस्पेंशन ऑर्डर तब जारी किया गया जब जांच में सुल्तान बाजार में उनके कार्यकाल के दौरान कुछ केस संभालने में लापरवाही और आधिकारिक जिम्मेदारियों को निभाने में कमियां पाई गईं। जांच के नतीजों के आधार पर, पुलिस कमिश्नर ने आगे की विभागीय कार्रवाई होने तक उन्हें सस्पेंड करने का आदेश दिया।

190 केजी उठाकर बनाया गेम्स रिकॉर्ड, लगातार तीसरी बार चैंपियन बनीं, ऋषिकांत को सिल्वर

ग्लास्गो, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। उन्होंने विमेंस 48केजी वेटलिफ्टिंग कॉम्पटीशन में 190केजी (85केजी स्नैच + 105केजी क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड अपने नाम किया।

यह मीराबाई का लगातार तीसरा कॉमनवेल्थ गोल्ड है। इससे पहले उन्होंने 2018 के गोल्ड कोस्ट और 2022 के बर्मिंघम में भी गोल्ड जीता था।

भारत के अब 3 मेडल (1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज) हो गए हैं। इससे पहले रविवार को ऋषिकांत सिंह ने मेंस 60केजी में 264केजी (121+143) वजन उठाकर सिल्वर मेडल जीता था। वहीं, शुक्रवार को झंडु कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज दिलाकर भारत को पहला मेडल दिलाया था।

भारत अब मेडल टैली में सातवें स्थान पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 24 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है।

चानू ने गेम्स रिकॉर्ड बनाया :

टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई स्नैच के पहले प्रयास में 82केजी वजन नहीं उठा पाई। इसके बाद उन्होंने दूसरे में 82 और तीसरे में 85केजी उठाकर उन्होंने कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड बना दिया। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में भी पहला प्रयास चूकने के बावजूद दूसरे प्रयास में 105केजी उठाकर गोल्ड अपने नाम किया।

छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत : शिव प्रताप शुक्ल

गाजियाबाद/हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन आज के युवाओं के लिए आदर्श और प्रेरणास्रोत है। उन्होंने युवाओं से शिवाजी महाराज के आदर्शों का अनुसरण करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। रविवार को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित हाईटेक इंस्टीट्यट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में दिव्य प्रेम सेवा मिशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम "वर्तमान भारत की परिस्थितियों में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से युवाओं के लिए संदेश" को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि शिवाजी महाराज ने अपने जीवन से देशभक्ति, साहस, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और जनसेवा के प्रति समर्पण जैसे आदर्शों को स्थापित किया। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को शिवाजी महाराज के जीवन से प्रेरणा लेकर साहस, राष्ट्रभक्ति, सत्यनिष्ठा और निस्वार्थ सेवा की भावना को अपनाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि युवा शक्ति ही देश का भविष्य तय करती है और उच्च नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़कर ही एक मजबूत, समृद्ध और विकसित भारत का निर्माण संभव है।

एसआईआर-2026 के तहत मतदान केंद्रों का निरीक्षण

मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के निर्देश

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) एवं जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने रविवार को सनतनगर विधानसभा क्षेत्र के शिवाबाग कॉलोनी और दसराम बस्ती हट्स स्थित मतदान केंद्र संख्या 139, 146, 160, 161, 162 और 164 का निरीक्षण किया। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-2026) के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डीईओ ने गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) संग्रहण और उनके डिजिटलीकरण की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) एवं निर्वाचन अधिकारियों से बातचीत कर समयबद्ध तरीके से प्रपत्रों का संग्रह, सटीक डिजिटलीकरण, निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के दिशा-निर्देशों का पालन तथा सभी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार की जा सके। श्री कर्णन ने स्थानीय निवासियों से भी संवाद किया और सभी पात्र मतदाताओं से अपील की कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए अपने भरे हुए गणना प्रपत्र संबंधित बीएलओ को समय पर जमा करें। उन्होंने कहा कि सभी पात्र नागरिकों की भागीदारी से ही सटीक, समावेशी और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार की जा सकेगी।

एपी महेश बैंक के 49वें स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ए.पी. महेश बैंक ने अपने 49वें स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आज, रविवार 26 जुलाई को बैंक के कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए कर्नल सी.के. नायडू क्रिकेट ग्राउंड, मसाब टैंक में खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। बैंक का 49वाँ स्थापना दिवस 9 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा। 9 अगस्त 1978 को स्थापित महेश बैंक ने 49 वर्षों में व्यापक विस्तार किया है। वर्तमान में बैंक तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान तथा महाराष्ट्र (मुंबई) में स्थित 45 शाखाओं के माध्यम से ग्राहकों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ बैंक के अध्यक्ष सीए मुरली मनोहर पलोड़ द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपाध्यक्ष गोविंद नारायण राठी, निदेशकगण अमित लड्डा (गप्पू), दीपक कुमार बंग, देवेंद्र झवर, कैलाश मंत्री, मुकुंदलाल बाहेती, पवन कुमार लोहिया, रूपेश सोनी, विनोद कुमार बंग, प्रोफेशनल डायरेक्टर सुमेश कुमार बंग, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनमान दास राठी, पूर्व अध्यक्ष रमेश कुमार बंग, पूर्व उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण राठी, महाप्रबंधक कमल किशोर राठी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में सीमित ओवर क्रिकेट, शटल बैडमिंटन, बॉल बैडमिंटन, टेनिकोइट, कैरम तथा शतरंज जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बैंक के निदेशकों, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने भाग लिया।

इस अवसर पर बैंक के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन कर्मचारियों में टीम भावना, आपसी सहयोग एवं एकता को सुदृढ़ करते हैं, कर्मचारियों की सहभागिता को बढ़ावा देते हैं तथा बैंक की स्वस्थ एवं सकारात्मक कार्य-संस्कृति को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाते हैं।

कल्याण लक्ष्मी चेक का वितरण

मदनूर, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जुक्कल विस क्षेत्र के विधायक टोटा लक्ष्मीकांता राव ने कल्याण लक्ष्मी शादी मुबारक योजना सहायता निधि के चेक का वितरण रविवार को किसान भवन में किया। इस अवसर पर विधायक ने लाभार्थियों से कहा कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार गरीब जनता के हित के लिए समर्पित है। उन्होंने उल्लेख किया कि हर गरीब परिवार को विविध योजना को अमल में लाते हुए गरीब लाभार्थी को राशन कार्ड का वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि महा लक्ष्मी योजना के अंतर्गत महिलाओं को निःशुल्क बस सेवा प्रदान की जा रही है और गरीब परिवारों को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जा रही है। इस समय स्थानिया सरपंच ऊषा संतोष इसी के साथ-साथ विधायक ने स्वच्छालय को प्रारंभ किया। इस अवसर पर सरपंच ने विधायक का शाल पुष्प गुच्छ से सम्मान किया।

जामबाग के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने सिद्दिपेट जिले के श्री कोमुरावेली मल्लाना स्वामी का आशीर्वाद लिया, साथ में वेंकट रेड्डी, शंकर कुबेर, विनोद यादव और बाबू भी उपस्थित थे।

16 अगस्त को आयोजित 29वीं काँवड़ यात्रा का पोस्टर विमोचित

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भगवान शिव के प्रति अनूठी आस्था लिए भाग्यनगर काँवड़ सेवा संघ के तत्वावधान में आगामी 16 अगस्त को आयोजित होने वाली काँवड़ यात्रा की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। अब तक 1,251 श्रद्धालुओं का पंजीकरण पूर्ण हो चुका है।

प्रचार मंत्री नन्दगोपाल भट्टड़ एवं सह प्रचार मंत्री पंकज वर्मा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संघ के उपाध्यक्ष सुनील अग्रवाल के मलकपेट स्थित निवास में मांगेराम तायल की अध्यक्षता में आयोजित पदाधिकारियों एवं विभिन्न समितियों की बैठक संपन्न हुई। पंकज वर्मा ने बताया कि काँवड़ यात्रा के प्रसार प्रचार हेतु पोस्टर का विमोचन संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकारी सदस्यों ने किया। यात्रा के प्रधान संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल, सुरेश जगनानी एवं विजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि कांवडों के निर्माण का कार्य अगस्त माह के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ होगा। इसके लिए हरिद्वार की हर की पौड़ी से डीसीएम के माध्यम से पवित्र गंगाजल हैदराबाद लाया गया है।

संघ के कोषाध्यक्ष चम्पालाल बैद ने बताया कि काँवड़ यात्रा 16 अगस्त को सुबह 6:31 बजे श्री महादेव मंदिर, चारमीनार से प्रारंभ होकर गुलजार हौज, मामा जुम्ला फाटक, घांसी बाजार, सिटी कॉलेज, भू-लक्ष्मी माता मंदिर, बेगम बाजार, किराणा मार्केट, बर्तन बाजार, सिद्धिअम्बर बाजार, महबूबगंज, गौलीगुड़ा चमन होती हुई पुतली बावली, वी.वी. फंक्शन हॉल, ओल्ड अशोक थिएटर में अल्पाहार के लिए रुकेगी, जहां प्रथम पड़ाव होगा।

तत्पश्चात यात्रा प्रारंभ होकर श्री हनुमान मंदिर, जामबाग, तुरुप बाजार, बैंक स्ट्रीट क्रॉस रोड, हनुमान टेकड़ी, तिलक रोड, रामकोट चौराहा, वीर सावरकर चौराहा, रिलायन्स रिटेल स्टोर, श्री श्याम मंदिर, काचीगुड़ा से निम्बोली अड्डा होती हुई चादरघाट चौराहे के समीप स्थित ग्रैंड इम्पीरियल फंक्शन हॉल में मध्याह्न भोजन एवं दूसरा पड़ाव के लिए रुकेगी। पुनः यात्रा प्रारंभ होकर नलगोंडा चौराहा, यशोदा हॉस्पिटल, मलकपेट, पीवीआर सिनेमा, मूसारामबाग चौराहा, शिवगंगा थिएटर रोड, इंडियन ऑयल पेट्रोल पम्प, सिंगरेणी कॉलोनी, चम्पापेट रोड होती हुई मिनर्वा गार्डन फंक्शन हॉल, चम्पापेट (अंतिम पड़ाव) पहुंचेगी, जहां हाई-टी, शिव भण्डारा, रात्रि महाजागरण एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था होगी। 17 अगस्त को पुनः काँवड़ यात्रा श्री उमा महेश्वर स्वामी वारी देवस्थानम, सरूरनगर में ब्रह्म मुहूर्त में गंगाजल अभिषेक हेतु जाएगी।

प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' एक दशक से अधिक समय से सामाजिक, विकासात्मक और राष्ट्रीय मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर नागरिकों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य कर रहा है। रविवार को 'मन की बात' के नवीनतम एपिसोड पर प्रतिक्रिया देते हुए, किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नागरिकों से भारत के बुनकर समुदाय के समर्थन में हथकरघा उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की और लोगों को वर्षा जल संचयन को एक महत्वपूर्ण जल संरक्षण उपाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस से पहले 'हर घर तिरंगा' अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया, जिसमें राष्ट्रीय ध्वज फहराना और इस अवसर को चिह्नित करने के लिए स्कूलों, गांवों और स्थानीय समुदायों में तिरंगा यात्राएं आयोजित करना शामिल है। आगामी गणेश चतुर्थी समारोह का जिक्र करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भक्तों को पर्यावरण की स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक सामग्रियों से बनी पर्यावरण के अनुकूल मूर्तियों का विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित किया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

पीछे हटे ट्रम्प...

इसी दिन वह दिवंगत अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम के अंतिम संस्कार में भी शामिल होंगे। नेतन्याहू और ट्रम्प की यह मुलाकात फरवरी के बाद पहली आमने-सामने की बैठक होगी। दोनों नेताओं की आखिरी मुलाकात ईरान युद्ध शुरू होने से पहले हुई थी। यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। इजराइल को आशंका है कि तेहरान अपने हमलों का दायरा बढ़ाकर इजराइल को भी सीधे निशाना बना सकता है। इसी संभावना को देखते हुए इजराइल हाई अलर्ट पर है।

होर्मुज और बाब अल-मंदेब दोनों बंद हुए तो दुनिया पर क्या होगा असर :

यमन के ईरान से जुड़े हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच हालिया तनाव के बाद होर्मुज की तरह ही बाब अल-मंदेब के बंद होने का खतरा बढ़ गया है। बाब-अल-मंदेब लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। यह हिंद महासागर, मध्य पूर्व और स्वेज नहर के बीच जहाजों की आवाजाही का प्रमुख रास्ता है। वहीं, होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है। इसी रास्ते से सऊदी अरब, इराक, यूएई, कुवैत और ईरान जैसे बड़े तेल उत्पादक देशों का तेल दुनिया तक पहुंचता है।

2028 का विधानसभा...

लेकिन मैंने फैसला कर लिया है कि अब आगे कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा। पहले जब मैं चुनाव लड़ता था, तब क्षेत्र के लोग हमें पैसे देते थे और हमारी जीत सुनिश्चित करते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं रहा।

सिद्धारमैया ने कहा- अब ऐसा समय आ गया है कि चुनाव लड़ना हो तो नेताओं को ही लोगों को पैसे देने पड़ते हैं। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए मैंने भविष्य में कोई चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। 2028 तक मैं 82 साल का हो जाऊंगा। उस समय मेरे राजनीतिक जीवन के 50 साल पूरे हो जाएंगे।

पूर्व सीएम ने आगे कहा- मुझे इस बात का संतोष है कि मैंने कभी अपने सिद्धांतों के खिलाफ काम नहीं किया और न ही अपनी अंतरात्मा से समझौता किया। पिछले पांच दशकों से राज्य के लोगों ने मुझे अपना मानकर प्यार और मार्गदर्शन दिया है। उनका यह ऋण मैं हमेशा महसूस करता हूं। इसलिए मेरा आगे का जीवन भी जनता की सेवा के लिए समर्पित रहेगा।

धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ...

इनमें एक पोस्ट में अर्चिता ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद उनकी फोटो पोस्ट करते हुए लिखा- जय हिंद।

दूसरे पोस्ट में अर्चिता ने लिखा- डीपी (धर्मेंद्र प्रधान) के पीए के लिए, जो पक्का मेरी माँ को मैसेज करके मेरी पिछली स्टोरी डिलीट करने के लिए कहेंगे (ऐसा पहले भी हो चुका है) तकलीफ न करें। मैं डिलीट नहीं करूंगी। जय जगन्नाथ! जय हिंद! दावे के मुताबिक, अर्चिता ने एक और पोस्ट में लिखा- मेरा परिवार डीपी (धर्मेंद्र प्रधान) के साथ है, लेकिन मैं छात्रों के साथ हूं।

इन स्क्रीनशॉट्स के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कई यूजर्स ने अर्चिता की तारीफ की, जबकि कुछ लोगों ने पोस्ट की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए। विवाद के बीच अर्चिता का इंस्टाग्राम अकाउंट भी गायब हो गया। इस नाम से कोई प्रोफाइल नहीं दिख रहा है।

यह साफ नहीं है कि अकाउंट उन्होंने खुद डिएक्टिवेट किया, हटाया गया या किसी अन्य वजह से दिखाई नहीं दे रहा है। इस पूरे मामले पर अब तक अर्चिता या उनकी मां और सांसद अपराजिता सारंगी की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। अपराजिता सारंगी ओडिशा के भुवनेश्वर से भाजपा की लोकसभा सांसद हैं। राजनीति में आने से पहले वह 1994 बैच की ओडिशा कैडर की एक आईएएस अधिकारी थीं।

पेपर लीक के ...

उन्होंने लोगों से अपनी कार, बाइक और अपनी आवाज के साथ आंदोलन में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि यह नागरिकों के अधिकार और उनकी पसंद का सवाल है।

ई20 नीति को लेकर तहसीन पूनावाला ने क्या दावा किया :

तहसीन पूनावाला ने कहा कि ई20 नीति देश की सबसे गलत तरीके से लागू की गई नीतियों में से एक है। उनका दावा है कि अगर इस नीति में सुधार किया जाए तो लोगों को शुद्ध पेट्रोल 80 से 90 रुपये प्रति लीटर के बीच उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में लोगों को अपनी जरूरत के मुताबिक ईंधन चुनने का विकल्प मिलना चाहिए और नीति से जुड़े सभी दस्तावेज सार्वजनिक किए जाने चाहिए।

तहसीन पूनावाला ने घोषणा की कि 'गाड़ी मार्च, गांधी मार्च' 31 जुलाई 2026, शुक्रवार को आयोजित किया जाएगा। यह मार्च नई दिल्ली के इंडिया गेट से शुरू होकर संसद मार्ग तक जाएगा। उन्होंने कहा कि मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी नितिन गडकरी और हरदीप पुरी के कार्यालय और आवास के बाहर भी जाएंगे। उन्होंने लोगों से अपनी कार और बाइक के साथ इस अभियान में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि यह "मेरी गाड़ी, मेरा अधिकार" और "मेरी बाइक, मेरी पसंद" का आंदोलन है।

पूनावाला ने कहा कि यह अभियान केवल ईंधन की कीमतों का मुद्दा नहीं है, बल्कि उपभोक्ताओं को विकल्प देने और नीति में पारदर्शिता लाने की मांग भी है।

उनका कहना है कि सरकार को ई20 नीति की समीक्षा करनी चाहिए और उन वाहन मालिकों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए, जिनके वाहन इस ईंधन मिश्रण से प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने अपने अभियान के तहत 'गाड़ी मार्च-गांधी मार्च' और मेरी गाड़ी-मेरा अधिकार जैसे अभियानों का भी उल्लेख किया और लोगों से बड़ी संख्या में इसमें शामिल होने की अपील की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अनाहत सिंह ने जूनियर स्क्वैश वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती

खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं; फाइनल में मिस्र की रुक्या सलेम को 3-0 से हराया

ओंटारियो, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की 18 साल की स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीता।

गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में टॉप सीड अनाहत ने मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुक्या सलेम को 11-3, 11-7, 11-9 से हराया। इसके साथ ही वे जूनियर वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।

इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2005 में रहा था, जब जोशना चिनप्पा फाइनल तक पहुंची थीं। अनाहत ने अब भारत को इस टूर्नामेंट का पहला गोल्ड दिलाया।

गर्ल्स जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2011 से लगातार मिस्र की खिलाड़ी खिताब जीत रही थीं। अनाहत ने फाइनल में रुक्या सलेम को हराकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और सिर्फ 2 गेम गंवाए।

अनाहत ने पिछले साल जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस बार उन्होंने उसे गोल्ड में बदल दिया। चार बार की चैंपियन मिस्र की अमीना ओर्फी उम्र सीमा के कारण इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेलीं।

गर्ल्स वर्ग में अनाहत के अलावा रुद्र सिंह, अनिका दुबे और शानवी कलंकी राउंड ऑफ-32 में बाहर हो गईं।

बॉयज वर्ग में आर्यवीर दीवान भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। वे प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। युशा नफीस और गुरवीर सिंह राउंड ऑफ-32, जबकि पुरव रामभिया राउंड ऑफ-64 में हार गए।

पहला राउंड
ऑस्ट्रेलिया की लिली विल्सन को 3-0 से हराया।

दूसरा राउंड
हांगकांग की पुई यिन क्लोई लो को 3-0 से हराया।

प्री-क्वार्टर फाइनल
मलेशिया की डोयस यी सान ली को 3-0 से हराया।

क्वार्टर फाइनल
मिस्र की हबीबा रिज्क को 3-1 से हराया।

सेमीफाइनल
मिस्र की बार्ब समेह को 3-1 से हराया।

फाइनल
मिस्र की रुक्या सलेम को 3-0 से हराकर खिताब जीता।

सीनियर PSA वर्ल्ड रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद अनाहत की नजर अब 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर होगी, जहां पहली बार स्क्वैश को शामिल किया गया है।

भारत ने जिम्बाब्वे को 35 रन से हराया

3-0 से टी-20 सीरीज जीती, वैभव सूर्यवंशी ने 81 रन बनाए; मयंक यादव को 3 विकेट

हरारे, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में 35 रन से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। हरारे में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। भारत की जीत के हीरो वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने 49 गेंदों पर 81 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में मयंक यादव ने 3 विकेट लिए। यश ठाकुर को 2 विकेट मिले।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन (29) ने दूसरे विकेट के लिए 75 रन जोड़कर पारी संभाली। ईशान के आउट होने के बाद वैभव ने कप्तान श्रेयस अय्यर (27) के साथ 50 रन की साझेदारी की। जिम्बाब्वे की ओर से ब्रैड इवांस ने 2 विकेट, जबकि ब्लेसिंग मुजरबानी, सिकंदर रजा और वेस्ली मधेवेरे को 1-1 विकेट मिला। 193 रन का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे ने पहली बॉल पर विकेट गंवा दिया। मयंक यादव ने ब्रायन बेनेट को पवेलियन भेज दिया। टीम के लिए रयान बर्ल ने सबसे ज्यादा नाबाद 54 रन बनाए।

प्लेइंग-11

भारतः अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, सूर्यांश शेडगे, रवि बिश्नोई, अशोक शर्मा, मयंक यादव और यश ठाकुर।

जिम्बाब्वेः ब्रायन बेनेट, बेन करन, डिओन मायर्स, सिकंदर रजा (कप्तान), रयान बर्ल, वेस्ली मधेवेरे, तादीवानाशे मरुमानी, ब्रैड इवांस, न्यूमैन न्यामहुरी, वेलिंगटन मसाकाद्ज़ा और ब्लेसिंग मुजरबानी।

प्रतिष्ठा सामंत वॉल्ट फाइनल में पहुंचीं

प्रणति नायक चूकीं

ग्लास्गो, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल खेलों की जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में भारत की प्रतिष्ठा सामंता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला वॉल्ट स्पर्धा के फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है। खेले गए क्वालीफाइंग मुकाबले में पश्चिम बंगाल की 22 वर्षीय जिम्नास्ट ने दोनों वॉल्ट के आधार पर कुल 13.025 अंक हासिल किए और पांचवें स्थान पर रहते हुए शीर्ष आठ खिलाड़ियों में जगह बना ली। भारत की ही प्रणति नायक हालांकि मामूली अंतर से क्वालीफाई करने से चूक गई। वह 12.555 अंकों के साथ 11वें स्थान पर रहकर तीसरी रिजर्व खिलाड़ी रहीं।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों में इशिता रेवाले ने 11.725 अंक के साथ 15वां स्थान हासिल किया, जबकि निशिका अग्रवाल 11.075 अंक लेकर 19वें स्थान पर रहीं।

आलराउंड प्रतियोगिता में प्रतिष्ठा और इशिता दोनों ही फाइनल में जगह नही बना पाई। वह क्रमशः 42.250 और 41.700 अंकों के साथ 27वें और 28वें स्थान पर रहीं। उन्हें रिजर्व सूची में तीसरे और चौथे स्थान पर रखा गया है।

महिला टीम स्पर्धा में भारतीय टीम 123 अंक के साथ नौवें स्थान पर रही। इस स्पर्धा में ऑस्ट्रेलिया ने 158.400 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कनाडा ने 157.300 अंक के साथ रजत और इंग्लैंड ने 154.300 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

पाकिस्तान को हराकर भारत बना एशियाई चैंपियन

महिला टीम ने रजत जीता; दोनों ने विश्व कप का टिकट कटाया

मस्कट, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं महिला टीम फाइनल में चीन से 2-4 से हार गई, लेकिन उपविजेता रहते हुए विश्व कप का टिकट हासिल करने में सफल रही। दोनों भारतीय टीमों ने पहले एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। रोमित पाल ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में कप्तान केतन कुशवाहा ने 12वें मिनट में गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी।

भारत ने पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा और शाहरुख अली ने 13वें मिनट में तीसरा गोल कर मुकाबले को लगभग भारत की झोली में डाल दिया। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद उस्मान ने 16वें मिनट में एक गोल जरूर किया, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने अंत तक बढ़त कायम रखते हुए 3-1 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत एलीट पूल तालिका में भी शीर्ष स्थान पर पहुंच गया।

महिला वर्ग के फाइनल में चीन ने तेज शुरुआत करते हुए पहले छह मिनट में तीन गोल कर भारत पर दबाव बना दिया। भारत की ओर से नौशीन नाज ने 13वें मिनट में पहला गोल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन चीन ने एक और गोल कर बढ़त 4-1 कर दी। मैच के अंतिम मिनट में पुष्पा मांझी ने गोल कर अंतर जरूर कम किया, लेकिन भारतीय टीम 2-4 से मुकाबला हार गई। इससे पहले सेमीफाइनल में भारत ने कजाकिस्तान को 8-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

हॉकी इंडिया ने स्वर्ण पदक जीतने वाली पुरुष टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को दो लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को एक लाख रुपये देने की घोषणा की है। वहीं रजत पदक जीतने वाली महिला टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को एक लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

हार्दिक पांड्या की टीम इंडिया में अभी नहीं होगी वापसी!

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। हार्दिक पांड्या को आईपीएल 2026 के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद से वो फिटनेस को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं. क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण हार्दिक पांड्या अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाए. इसके अलावा उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए भी वनडे स्क्वाड में जगह नहीं मिल पाई. रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि बीसीसीआई ने हार्दिक पांड्या को लेकर लॉन्ग टर्म प्लान बनाया है और अभी उन्हें टीम इंडिया से ब्रेक दिया गया है. हार्दिक पांड्या को आईपीएल 2026 के बाद चोट से ठीक होने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा है. चोट से रिकवर होने के बाद वह दोबारा इंजर्ड हो गए. इसी वजह से पांड्या की वापसी टल गई. बीसीसीआई ने अब हार्दिक पांड्या के लिए खास योजना बना ली है. रिपोर्ट में बताया गया है कि बीसीसीआई हार्दिक पांड्या को पूरी तरह फिट होने के लिए लंबा ब्रेक देना चाहती है. पांड्या बीसीसीआई के वर्ल्ड कप 2027 प्लान का हिस्सा हैं और चयनकर्ता उन्हें बड़े इवेंट के लिए फिट रखना चाहते हैं. इसी वजह से पांड्या की द्विपक्षीय सीरीज में वापसी उनकी प्राथमिकता नहीं है. रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक पांड्या को हर टूर या हर मैच खेलने की जरूरत नहीं है. उन्हें सिर्फ 50 ओवरों के मैचों पर फोकस रखना है.

ट्रिनिडाड टेस्ट में वेस्टइंडीज की मजबूत शुरुआत

वेस्टइंडीज ने पहले दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए; कावेम हॉज 83 रन बनाकर नाबाद

ट्रिनिडाड, 26 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच ट्रिनिडाड के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 3 विकेट पर 194 रन बना लिए। कावेम हॉज 83 और शाई होप 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों चौथे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर चुके हैं। खराब रोशनी के कारण पहले दिन सिर्फ 67 ओवर का खेल हो सका। ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। मैच शुरू होने से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पिछले सप्ताह निधन वाले महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में एक मिनट का मौन रखा। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और अंपायरों ने काली पट्टी बांधकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बारिश के कारण सुबह के सत्र में सिर्फ 14.1 ओवर का खेल हो सका। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 23 रन बनाए और एक विकेट गंवाया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने शानदार लाइन-लेंथ से गेंदबाजी की। उन्होंने शुरुआती 7 ओवर में 5 मेडन डाले। दबाव में आए ब्रैंडन किंग बाहर जाती गेंद पर कट लगाने की कोशिश में बोल्ड हो गए। इसके बाद तेज बारिश शुरू होने से अंपायरों ने समय से पहले लंच की घोषणा कर दी। लंच के बाद पिच में नमी होने से तेज गेंदबाजों को मदद मिली। इसके बावजूद कावेम हॉज ने कुछ आकर्षक चौके लगाए और तगेनरायन चंद्रपॉल के साथ 50 से ज्यादा रन की साझेदारी की। कप्तान बाबर आजम ने आमेर जमाल को गेंद थमाई और उन्होंने अपने पहले ही ओवर में चंद्रपॉल को स्लिप में सलमान आगा के हाथों कैच करा दिया। इसके बाद आमिर जांगू को मोहम्मद अब्बास ने डीआरएस की मदद से एलबीडब्ल्यू आउट किया। 106 रन तक वेस्टइंडीज के 3 विकेट गिर चुके थे।

तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद कावेम हॉज और शाई होप ने पारी संभाली। हॉज ने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक अली उस्मान की गेंद पर कवर में चौका लगाकर पूरा किया। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 88 रन जोड़ लिए हैं। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने आखिरी सत्र में दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई और सफलता नहीं मिली। दिन के आखिरी सत्र में रन गति धीमी रही। इस दौरान एक भी चौका नहीं लगा। हॉज और होप ने जोखिम लेने के बजाय क्रीज पर टिके रहने पर ध्यान दिया। शाम को खराब रोशनी के कारण अंपायरों ने पहले दिन का खेल समय से पहले समाप्त कर दिया। दूसरे दिन का खेल तय समय पर शुरू होगा।

बटरफ्लाई यूटीटीः यू मुंबा लगातार दूसरी बार फाइनल में

गोवा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन यू मुंबा टीटी ने गोवा में खेले गए बटरफ्लाई अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन-7 के दूसरे सेमीफाइनल में एचवीआर कोलकाता थंडरब्लेड्स को 8-3 से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बना ली। कप्तान मनुष शाह और अन्ना हर्सी टीम की जीत के हीरो रहे। दोनों ने मिक्स्ड डबल्स में अंकुर भट्टाचार्जी और आयहिका मुखर्जी की जोड़ी को 3-0 से हराया। इसके बाद मनुष ने अंकुर को 2-0 से हराकर टीम की जीत पक्की कर दी। अन्ना ने महिला एकल और मिक्स्ड डबल्स मिलाकर 6 में से 5 गेम जीते, जबकि मनुष ने अपने दोनों मुकाबलों के सभी 5 गेम जीते। रविवार को फाइनल में यू मुंबा का सामना डेम्पो गोवा चैलेंजर्स से होगा। मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और जियोहॉटस्टार पर होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में आखिर क्यों स्वर्ण पदक से चूक गए भारोत्तोलक ऋषिकांता सिंह? खुद बताई असली वजह

ग्लासगो 26 जुलाई (एजेंसियां)। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के भारोत्तोलक ऋषिकांता सिंह ने पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। हालांकि मुकाबले के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि यदि घुटने की समस्या नहीं होती तो परिणाम कुछ और भी हो सकता था। ऋषिकांता ने बताया कि उनकी तैयारी के दौरान सबसे ज्यादा परेशानी क्लीन एंड जर्क में आई, जबकि स्नैच में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। ऋषिकांता ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। मैं भारतीय भारोत्तोलन महासंघ और खेल मंत्री का धन्यवाद करना चाहता हूं। सभी ने इस खेल के लिए बहुत सहयोग दिया, जिसकी बदौलत हम आज यह पदक देश के लिए जीत सके। मैं बेहद खुश हूं और इसका श्रेय सभी लोगों को देना चाहता हूं। मेरी ट्रेनिंग के दौरान कुछ दिक्कतें आई थीं। खासकर क्लीन एंड जर्क में परेशानी हुई, जबकि स्नैच काफी अच्छा रहा। मैंने स्नैच में रिकॉर्ड भी बनाया, लेकिन घुटने की समस्या के कारण क्लीन एंड जर्क में थोड़ा संघर्ष करना पड़ा। मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाली प्रतियोगिताओं में मैं देश के लिए और पदक जीतूंगा। मेरा अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में पदक जीतना है और इसके लिए मैं अपना शत-प्रतिशत दूंगा।'

मणिपुर के इस युवा भारोत्तोलक ने स्नैच में 121 किलोग्राम वजन उठाकर बेहतरीन शुरुआत की। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 143 किलोग्राम का सफल प्रयास किया। स्वर्ण पदक की दौड़ में बने रहने के लिए उन्होंने 148 किलोग्राम और फिर 151 किलोग्राम उठाने की कोशिश की, लेकिन दोनों प्रयास असफल रहे। इसी कारण उनका कुल वजन 264 किलोग्राम (121+143) रहा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। स्वर्ण पदक मलेशिया के मोहम्मद अनिक ने 273 किलोग्राम कुल वजन के साथ जीता। उन्होंने स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल वजन तीनों में राष्ट्रमंडल खेलों के नए रिकॉर्ड भी बनाए।

विदेशी जमीन पर फिर हुई पाकिस्तानी क्रिकेटर की 'बेइज्जती'

उस्मान तारिक के एक्शन पर मचा बवाल

लंदन, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ी अक्सर किसी न किसी विवादों में घिरे रहते हैं. इंग्लैंड में खेले जा रहे द हंड्रेड 2026 में पाकिस्तान के ऑफ स्पिनर उस्मान तारिक के बॉलिंग एक्शन पर एक बार फिर बवाल देखने को मिला. मैच के दौरान ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड तारिक के एक्शन से सवाल उठाए, जिससे वह फिर से चर्चा में आए गए हैं.

आउट होने के बाद डेविड ने आपत्ति जताते हुए अंपायर से कहा कि तारिक की गेंद को नो-बॉल करार दिया जाना चाहिए था.

हालांकि, अंपायर अपने फैसले पर कायम रहे और उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा. यह पहली बार नहीं है जब उस्मान तारिक के बॉलिंग एक्शन पर सवाल उठे हैं. इससे पहले भी पाकिस्तान सुपर लीग और इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका एक्शन विवादों में रह चुका है.

दरअसल, द हंड्रेड 2026 में ट्रेंट रॉकेट्स और बर्मिंघम फीनिक्स के बीच खेले गए मुकाबले में टिम डेविड पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक की गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच आउट हो गए. पवेलियन लौटने से पहले डेविड ने नॉन स्ट्राइक पर खड़े अंपायर से नाराजगी जताई और इशारों में बताया कि गेंद नो-बॉल होनी चाहिए थी.

डेविड ने पहले रिव्यू की मांग भी की, लेकिन बाद में अपना इरादा बदल दिया. हालांकि, अंपायर ने उनकी आपत्ति को स्वीकार नहीं किया और अपना फैसला बरकरार रखा, जिससे डेविड को पवेलियन लौटना पड़ा.

टीम इंडिया में 50 दिन के अंदर 9 खिलाड़ियों का हुआ डेब्यू, सिर्फ 13 मुकाबलों में हुआ ऐसा

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने बीते डेढ़ महीने में काफी कुछ देखा है. उन्हीं में से एक रहा 9 खिलाड़ियों का डेब्यू होना. पिछले 50 दिन के अंदर यानी 6 जून 2026 से 25 जुलाई 2026 के बीच तीनों फॉर्मेट को मिलाकर भारतीय टीम में 9 खिलाड़ियों का डेब्यू हुआ है. इस दौरान कुल 13 मैच खेले गए, जिसमें 1 टेस्ट और 3 वनडे भी शामिल हैं.

भारत की टेस्ट टीम में बीते 50 दिनों में सिर्फ एक डेब्यू मानव सुथार के तौर पर हुआ है. मानव को 6 जून 2026 से शुरू हुए अफगानिस्तान के खिलाफ इकलौते टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला था.

वनडे में 3 खिलाड़ियों को डेब्यू कैप मिला, जिसमें हर्ष दुबे, गुरूनूर ब्रार और प्रिंस यादव शामिल रहे. इन तीनों का डेब्यू अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में हुआ. हर्ष और गुरनूर ने धर्मशाला वनडे में डेब्यू किया था जबकि प्रिंस यादव को लखनऊ में खेले दूसरे वनडे में मौका मिला था.

भारत ने बीते 50 दिन के अंदर 9 टी20 मुकाबले खेले हैं, जिसमें कुल 5 खिलाड़ियों ने डेब्यू किया है. यूके दौरे पर खेले 7 टी20आई में 3 खिलाड़ियों ने डेब्यू किया, जिसमें प्रिंस यादव, सूर्यांश शेडगे ने आयरलैंड के खिलाफ जबकि वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में डेब्यू किया था.

भारत के बाकी 2 खिलाड़ियों का T20I डेब्यू जिम्बाब्वे दौरे पर खेले पहले दो मैचों में देखने को मिला है. पहले T20 में अशोक शर्मा का डेब्यू हुआ जबकि दूसरे टी20आई में यश ठाकुर को खेलने का मौका मिला

हैदराबाद देश की चिप डिजाइन और जीसीसी राजधानी : मंत्री डी. श्रीधर बाबू

भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 में तेलंगाना को मिले प्राथमिकता

बेंगलुरू/हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं विधायी कार्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने केंद्र सरकार से भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) 2.0 के तहत तेलंगाना को प्राथमिकता देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद पहले ही भारत का सबसे बड़ा सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन केंद्र और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) की राजधानी बन चुका है। ऐसे में सेमीकंडक्टर विनिर्माण निवेश के अगले चरण के लिए तेलंगाना सबसे उपयुक्त राज्य है। बेंगलुरू में एक राष्ट्रीय समाचार चैनल द्वारा आयोजित "राइजिंग भारत समिट- साउथ एडिशन" को संबोधित करते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना देश के सबसे आकर्षक निवेश गंतव्यों में तेजी से उभरा है। इस सम्मेलन में राजनीतिक नेताओं, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने दक्षिण भारत में नवाचार, आधारभूत संरचना, प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना, उच्च प्रशिक्षित मानव संसाधन, निवेशक-अनुकूल नीतियों और कारोबार करने में आसानी के कारण हैदराबाद वैश्विक कंपनियों की पहली पसंद बन गया है। राज्य का तेजी से बढ़ता जीसीसी पारिस्थितिकी तंत्र यह दर्शाता है कि तेलंगाना अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और उन्नत

विनिर्माण उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान कर रहा है। मंत्री ने कहा कि हैदराबाद में दुनिया की कई अग्रणी सेमीकंडक्टर डिजाइन कंपनियां कार्यरत हैं और यहां देश का सबसे मजबूत सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हुआ है। हजारों इंजीनियर चिप डिजाइन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर सुरक्षा और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, जिससे राज्य वैश्विक सेमीकंडक्टर विनिर्माण केंद्र बनने की मजबूत नींव तैयार कर चुका है। श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना पहले से ही चिप डिजाइन के माध्यम से वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग के भविष्य को आकार दे रहा है। इसलिए केंद्र सरकार को भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के तहत राज्य को विशेष प्राथमिकता देते हुए यहां सेमीकंडक्टर विनिर्माण परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों ने तकनीकी उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है, उन्हें प्राथमिकता देने से भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को बड़ी सफलता मिलेगी और देश को वैश्विक सेमीकंडक्टर विनिर्माण शक्ति बनने में मदद मिलेगी। जीसीसी क्षेत्र में हैदराबाद की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि सॉफ्टवेयर, एयरोस्पेस, रक्षा, औषधि, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं, आतिथ्य तथा ब्यूटी टेक्नोलॉजी सहित अनेक क्षेत्रों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने हैदराबाद में अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित किए हैं। यह तेलंगाना के नवाचार आधारित औद्योगिक वातावरण पर वैश्विक कंपनियों के भरोसे का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा आधारभूत संरचना में किए गए निरंतर निवेश, अंतिम गांव तक ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी तथा 21 दिनों के भीतर औद्योगिक स्वीकृति देने वाली सिंगल-विंडो प्रणाली ने तेलंगाना को देश के सबसे कारोबार-अनुकूल राज्यों में शामिल कर दिया है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार टियर-2 और टियर-3 शहरों को जीसीसी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उद्योगों और उन्नत विनिर्माण इकाइयों के नए केंद्रों के रूप में विकसित करने की व्यापक रणनीति पर काम कर रही है। इसके लिए आधुनिक आधारभूत संरचना, नई प्रोत्साहन योजनाएं और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार किया जा रहा है।

'चलो कर्नाटक' कैंपेन

अवैध बैराज हटाने की मांग

महबूबनगर, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबनगर जिले के बीआरएस नेताओं ने रविवार को 'चलो कर्नाटक' प्रोग्राम शुरू किया।

उन्होंने कर्नाटक द्वारा बनाए गए कथित अवैध बैराजों को हटाने और कृष्णा बेसिन में नए प्रोजेक्ट्स को तुरंत रोकने की मांग की। पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ और सी. लक्ष्मा रेड्डी, पूर्व विधायक चित्तम राम मोहन रेड्डी और अला वेंकटेश्वर रेड्डी, एमएलसी नवीन कुमार और पार्टी नेता इम्तियाज इशाक और वेंकटेश्वर रेड्डी के नेतृत्व में एक बड़ा काफिला कर्नाटक के लिए रवाना हुआ। उनके साथ बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी थे।

रवाना होने से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए लक्ष्मा रेड्डी ने कहा कि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश कृष्णा, तुंगभद्रा और भीमा नदियों का पानी दूसरी तरफ मोड़ रहे हैं, जिससे तेलंगाना के सिंचाई हितों पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के तौर पर बीआरएस राज्य के पानी के अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

आषाढ़ बोनाल उत्सव में शामिल हुईं मंत्री कोंडा सुरेखा

राज्य की समृद्धि के लिए की प्रार्थना

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की वन, पर्यावरण एवं देवादाय-धर्मादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने हैदराबाद के प्रजा भवन में आयोजित आषाढ़ बोनाल उत्सव में श्रद्धापूर्वक भाग लिया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के सरकारी आवास पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में उन्होंने मां देवी को बोनम अर्पित कर राज्य की सुख-समृद्धि और विकास की कामना की। उत्सव के दौरान ढप्पू की गूंज, पोथुराजु के पारंपरिक वीर नृत्य और शिवसत्तुलु की धार्मिक प्रस्तुतियों के बीच मंत्री कोंडा

सुरेखा ने पूरे विधि-विधान से देवी की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क एवं उनकी धर्मपत्नी, मंत्री सीतक्का, पोन्नम प्रभाकर, वाकिटी श्रीहरि सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी विशेष पूजा में भाग लिया। मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि बोनाल उत्सव तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा ग्राम देवियों के प्रति लोगों की अटूट आस्था का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि पीढ़ियों से चली आ रही यह परंपरा समाज में एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करती है।

उन्होंने राज्य के सभी नागरिकों के सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति करे, यही उनकी प्रार्थना है। मंत्री ने आषाढ़ बोनाल उत्सव के शांतिपूर्ण और भव्य आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए इसके सफल संचालन में योगदान देने वाले अधिकारियों, मंदिर प्रबंधन समितियों और श्रद्धालुओं को बधाई दी।

सड़क हादसे में तेंदुए की मौत पर मंत्री कोंडा सुरेखा ने जताया दुख

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं देवादाय-धर्मादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने मेदक जिले के हवेली घनपुर मंडल के गंगापुर क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेंदुए की सड़क दुर्घटना में हुई मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तेंदुए की मौत किसी वाहन की टक्कर से हुई प्रतीत होती है, लेकिन घटना के सही कारणों की पुष्टि के लिए व्यापक जांच आवश्यक है। उन्होंने संबंधित वन अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित नियमों के अनुसार तेंदुए के शव का पोस्टमार्टम कर वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। कोंडा सुरेखा ने वन क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर वन्यजीवों की अधिक आवाजाही वाले स्थानों की पहचान करने, संबंधित विभागों के समन्वय से चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाने तथा आवश्यक स्थानों पर अतिरिक्त वन्यजीव क्रॉसिंग विकसित करने के निर्देश भी दिए। मंत्री ने वाहन चालकों से अपील की कि वे वन क्षेत्रों में निर्धारित गति सीमा का पालन करें और वन्यजीवों की सुरक्षा में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी समाधान और विशेष कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

पीएससी भर्ती परीक्षा की ओएमआर शीट सड़क किनारे मिली

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पब्लिक सर्विस कमीशन (टीजीपीएससी) की हॉस्टल वेलफेयर ऑफिसर भर्ती परीक्षा की ऑप्टिकल मार्क रिकग्निशन (ओएमआर) शीट (जिन्हें गोपनीय रखा जाना चाहिए और एक निश्चित समय के बाद नष्ट कर दिया जाना चाहिए) शनिवार रात पीवीएनआर एक्सप्रेसवे पर पिलर नंबर 230 और 240 के बीच सड़क किनारे मिलीं। इसके बाद कमीशन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ये शीट हॉस्टल वेलफेयर ऑफिसर भर्ती, 2018 से जुड़ी हैं और इसके लिए चयन प्रक्रिया बहुत पहले पूरी हो चुकी थी। इन्हें नष्ट करने के लिए चिह्नित किया गया था।

कमीशन ने कहा, ऐसा लगता है कि सड़क किनारे कुछ ओएमआर शीट मिली हैं। इस घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पीएससी में तैनात पुलिस अधीक्षक को आदेश दिया गया है कि वे इस मामले की जांच करें कि ये शीट सार्वजनिक स्थान पर कैसे मिलीं और 3 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपें। पीएससी ने कहा कि जांच के नतीजों के आधार पर, किसी भी चूक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी भर्ती परीक्षा की आंसर शीट को भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद तीन साल तक सुरक्षित रखा जाता है, जिसके बाद उन्हें नष्ट करने के लिए चिह्नित किया जाता है और तय प्रक्रियाओं के अनुसार श्रेडिंग (नष्ट करने) के लिए भेजा जाता है।

कारगिल विजय दिवस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड स्थित वीर सैनिक स्मारक पर पहुंचकर कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, अद्वितीय वीरता, अटूट संकल्प और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि कारगिल की दुर्गम चोटियों पर भारतीय सैनिकों

ने असाधारण शौर्य का परिचय देते हुए तिरंगे की आन-बान-शान और देश की प्रतिष्ठा की रक्षा की तथा भारत के इतिहास में विजय का स्वर्णिम अध्याय लिखा। एन. रामचंदर राव ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर वीरों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की सीमाओं की चौबीसों घंटे रक्षा कर रहे सभी वीर सैनिकों को राष्ट्र सदैव नमन करता है। उन्होंने कहा कि भारत के वीर सपूतों का त्याग, बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनका अनुपम समर्पण प्रत्येक भारतीय, विशेषकर युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की भावना को आने वाली पीढ़ियों तक प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम में 'वन रैंक-वन पेंशन आयोग' के पूर्व अध्यक्ष एल. नरसिम्हा रेड्डी ने भी संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में सैनिकों की पेंशन से जुड़ी वर्षों पुरानी मांगों का समाधान एक ऐतिहासिक निर्णय था। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता और उनका जीवन आज के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

पुलिस सत्यापन के बिना घरेलू कर्मचारी न रखें : सज्जनार

फाइल फोटो

दो वर्षों में 565 चोरी के मामले दर्ज

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने घरेलू कर्मचारियों (कामगारों) की नियुक्ति में लापरवाही न बरतने की अपील करते हुए कहा है कि पिछले दो वर्षों में घरेलू कर्मचारियों द्वारा चोरी के 565 मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, इनमें 65 गंभीर और 500 सामान्य चोरी के मामले शामिल हैं।

अधिकांश घटनाओं के पीछे मकान मालिकों की लापरवाही और बिना जांच-पड़ताल के कर्मचारियों को काम पर रखना प्रमुख कारण है। पुलिस ने बताया कि आईटी पेशेवर, अकेले रहने वाले छात्र और वरिष्ठ नागरिक ऐसे अपराधों के सबसे अधिक शिकार बन रहे हैं। कई मामलों में घरेलू कर्मचारी मालिकों की दिनचर्या, घर में रखे आभूषण, नकदी, चाबियों और सीसीटीवी व्यवस्था की जानकारी जुटाकर योजनाबद्ध तरीके से चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं। आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक 173 मामले जुबली हिल्स जोन में दर्ज हुए। इसके बाद सिकंदराबाद में 88, खैरताबाद में 77, गोलकोंडा में 70, राजेंद्रनगर में 63, शमशाबाद में 49 तथा चारमीनार जोन में 45 मामले दर्ज किए गए। हैदराबाद सिटी पुलिस ने कहा कि अन्य राज्यों और विदेशों से जुड़े कुछ गिरोह भी घरेलू कर्मचारियों के रूप में घरों में प्रवेश कर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में बिना पहचान पत्र और पुलिस सत्यापन वाले किसी भी व्यक्ति को घर, कार्यालय या दुकान में काम पर नहीं रखना चाहिए। पुलिस ने लोगों से घरेलू कर्मचारी नियुक्त करने से पहले आधार कार्ड अथवा अन्य वैध पहचान पत्र, नवीनतम फोटो, स्थायी पता, मूल निवास और मोबाइल नंबर की जानकारी लेने की सलाह दी है। यदि कर्मचारी किसी एजेंसी के माध्यम से रखा जा रहा हो तो एजेंसी की वैधता और उसके पूर्व रिकॉर्ड की भी जांच करने को कहा गया है।

स्थानीय पुलिस थाने में निःशुल्क पुलिस सत्यापन कराना भी आवश्यक बताया गया है। पुलिस ने यह भी सलाह दी कि नियुक्ति के बाद शुरूआती 30 दिनों तक कर्मचारी की गतिविधियों पर नजर रखी जाए। वरिष्ठ नागरिकों और अक्सर यात्रा करने वाले परिवारों को विशेष सतर्कता बरतने तथा घर में रखी नकदी, आभूषण और यात्रा योजनाओं की जानकारी कर्मचारियों के सामने साझा न करने की हिदायत दी गई है। गेटेड कम्युनिटी और अपार्टमेंट वेलफेयर एसोसिएशनों से भी प्रवेश रजिस्टर, पास प्रणाली और सीसीटीवी की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि अपराध-मुक्त और सुरक्षित हैदराबाद के निर्माण में नागरिकों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि घरेलू कर्मचारियों की नियुक्ति से पहले उनका पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाए और बिना पूरी जांच के किसी भी व्यक्ति को काम पर न रखा जाए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि कोई घरेलू कर्मचारी अचानक लापता हो जाए, चाबियां गायब हों या कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत डायल 100 या हैदराबाद सिटी पुलिस के व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 94906 16555 पर सूचना दें।

आर नारायण मूर्ति ने 'शोषण मुक्त भारत' का आह्वान किया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अनुभवी अभिनेता आर. नारायण मूर्ति ने देश की मौजूदा सामाजिक-राजनीतिक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि संवैधानिक अधिकार खतरे में हैं और केंद्र सरकार की नीतियों के कारण सभी वर्गों के लोग पीड़ित हैं। अरुणोदय सांस्कृतिक महासंघ के राज्य मानद अध्यक्ष, कॉमरेड परकला नागन्ना के लिए एक शोक सभा शहर के बागलिंगमपल्ली में सुंदरय्या विज्ञान केंद्रम में आयोजित की गई। अभिनेता आर. नारायण मूर्ति, निर्माता थम्मारेड्डी भारद्वाज और विमलक्का इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और परकला नागन्ना के चित्र पर माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मूर्ति ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से शोषण मुक्त भारत के लिए प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने क्रांतिकारी गीतों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता में नागन्ना के योगदान की सराहना की। परकला नागन्ना की भावना को आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए नारायण मूर्ति ने सभी कम्युनिस्ट दलों से एकजुट होकर केंद्र सरकार की नीतियों के विरूद्ध जन अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त संघर्ष करने की अपील की।

तापमान बढ़ने के साथ हैदराबाद में बारिश की 40 प्रतिशत कमी

आईएमडी ने हल्की बारिश का अनुमान जताया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ दिन पहले हल्की से मध्यम बारिश के कुछ दौर के बाद, हैदराबाद और उसके आस-पास के ज़िलों में अधिकतम तापमान बढ़ रहा है और मौसमी बारिश की कमी भी बढ़ रही है।

तेलंगाना डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के डेटा और आईएमडी हैदराबाद के पूर्वानुमान के अनुसार, पिछले 24 घंटों में शहर और आस-पास के इलाकों में लगभग कोई बारिश नहीं हुई, जबकि कुल मौसमी कमी लगातार बढ़ रही है। पिछले 24 घंटों में, शनिवार (सुबह 8.30 बजे) से रविवार, 26 जुलाई (सुबह 8.30 बजे) के बीच, हैदराबाद में अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से थोड़ा अधिक) के आसपास दर्ज किया गया, जबकि अंबरपेट इलाके में अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आस-पास के जिलों में मौसम ज्यादा गर्म रहा,

सूर्यपेट में तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सूखे मौसम की स्थिति ने ग्रेटर हैदराबाद में बारिश की कमी को और बढ़ा दिया है। वर्तमान में, 1 जून से हैदराबाद में कुल मौसमी बारिश 152.3 मिमी है, जबकि सामान्य बारिश 255.8 मिमी होनी चाहिए थी, यानी बारिश में 40 प्रतिशत की कमी है। मेडचल-मलकजगिरी जिले में बारिश की कमी 59 प्रतिशत (वास्तविक 102.6 मिमी/सामान्य 251.5 मिमी) है। रंगा रेड्डी और संगारेड्डी जिलों में क्रमशः बारिश की कमी दर्ज की गई है। आईएमडी हैदराबाद के 7-दिन के पूर्वानुमान में अगले कुछ दिनों में तेलंगाना में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बारिश होने का संकेत दिया गया है।

सड़क हादसे में दो किशोरों की मौत, एक घायल

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह कुकटपल्ली में एक टिपर लॉरी की टक्कर से दो किशोरों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पीड़ितों की पहचान महेश (17) और लक्ष्मी तेजा (17) के रूप में हुई है। घायल किशोर को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस के अनुसार, तीनों किशोर क्रिकेट खेलने के लिए स्कूटर पर जा रहे थे, तभी कुकटपल्ली में एक तेज रफ़्तार टिपर लॉरी ने कथित तौर पर उनके दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण महेश और लक्ष्मी तेजा की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची, मामला दर्ज किया और दुर्घटना की जांच शुरू की। शवों को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेजा गया। घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने टिपर लॉरी को जब्त कर लिया है और दुर्घटना के सही कारण का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

इस्नापुर में स्कूल जाने वाली चार लड़कियां रहस्यमय तरीके से लापता

संगारेड्डी, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक चौंकाने वाली घटना में, इस्नापुर इलाके से स्कूल जाने वाली चार छात्राएं रहस्यमय तरीके से लापता हो गईं। ये चारों छात्राएं (जो प्रवासी मजदूरों की बेटियां थीं) इस्नापुर के जिला परिषद हाई स्कूल में पढ़ती थीं।

ये लड़कियां 23 जुलाई की सुबह स्कूल बैग लेकर घर से निकली थीं। जब वे शाम तक घर नहीं लौटीं, तो माता-पिता ने शिक्षकों को फोन किया, जिन्होंने बताया कि लड़कियां उस दिन स्कूल नहीं आई थीं। शिक्षक की बात सुनकर हैरान माता-पिता ने हर जगह उनकी तलाश की और बाद में 25 जुलाई को पटनचेरु पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उनके माता-पिता, जो मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं, पाशामिलाराम औद्योगिक क्षेत्र की अलग-अलग इंडस्ट्रीज़ में काम करते थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और लड़कियों का पता लगाने के लिए तलाशी जारी है।

पुलिस ने दोमलगुडा से लापता तीन लड़कियों को परिवार से मिलाया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने दोमलगुडा से लापता हुई तीन नाबालिग लड़कियों को ढूंढ निकाला और उन्हें उनके परिवार से मिला दिया।

डीसीपी (सिकंदराबाद) रक्षिता मूर्ति के अनुसार, पुलिस को 19 जुलाई को शिकायत मिली थी कि दोमलगुडा में अपने घर से तीन नाबालिग लड़कियां लापता हो गई हैं। पुलिस ने तुरंत खोजबीन शुरू की और बच्चों को छत्तीसगढ़ में ढूंढ निकाला, जिसके बाद उन्हें सुरक्षित हैदराबाद वापस लाया गया। यह परिवार रोजी-रोटी की तलाश में लगभग दो महीने पहले छत्तीसगढ़ से हैदराबाद आया था। बच्चों के पिता शहर के एक होटल में काम करते थे।

पूछताछ के दौरान, लड़कियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने घर छोड़ने का फ़ैसला इसलिए किया क्योंकि उनके माता-पिता के बीच अक्सर झगड़े होते थे। उन्होंने कहा कि वे काम ढूंढना और खुद कमाना चाहती थीं। हैदराबाद छोड़ने के बाद, वे नागपुर गईं, जहां उन्होंने काम पाने के लिए एक महिला से संपर्क किया। बताया जाता है कि उस महिला ने उन्हें काम के लिए छत्तीसगढ़ में किसी और व्यक्ति से संपर्क करने की सलाह दी थी।

इन सुरागों के आधार पर, दोमलगुडा पुलिस ने मिलकर काम किया और लड़कियों को ढूंढ निकाला, वे सुरक्षित मिलीं और उन्हें उनके परिवार से मिला दिया गया। रक्षिता मूर्ति ने कहा कि पुलिस टीमों की त्वरित कार्रवाई और आपसी सहयोग से ही नाबालिगों को सुरक्षित वापस लाना संभव हो सका।

पूर्व विधायक पेड्डी सुदर्शन रेड्डी को हार्ट अटैक, हालत गंभीर

वारंगल, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नरसमपेट के पूर्व विधायक और वरिष्ठ बीआरएस नेता पेड्डी सुदर्शन रेड्डी को गुरुवार को हनमकोंडा स्थित उनके घर पर हार्ट अटैक आया और उन्हें रोहिणी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों के अनुसार, उनकी हालत गंभीर है।

उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में पता चलने पर, पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव, उप-नेता टी हरीश राव और पार्टी के अन्य नेताओं ने सुदर्शन रेड्डी की स्थिति और चल रहे इलाज के बारे में जानने के लिए रोहिणी अस्पताल के डॉक्टरों से फोन पर बात की।

सुदर्शन रेड्डी ने अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत तत्कालीन वारंगल जिले के नल्लेबेल्ली मंडल से तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब भारत राष्ट्र समिति) के साथ की थी। वे 2001 में जेडपीटीसी चुने गए और बाद में पार्टी के जिला अध्यक्ष और राज्य पोलित ब्यूरो सदस्य के रूप में भी काम किया।

उन्होंने 2014, 2018 और 2023 में नरसमपेट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा और 2018 के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की थी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.